हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, बुधवार, 1 अप्रैल, 2026 वर्ष : 13 अंक : 305 मूल्य : 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

YouTube Subscribe
Koylanchal samvad news

बीजेपी का केरलम में एम्स का वादा: बुजुर्गों-महिलाओं को 3000 पेंशन... | यूपीएससी सफलता और बनाई हुई कहानियां | आज से बदल जाएगा यूपीआई पेमेंट का सिस्टम, अब सिर्फ ओटीपी...

बिहार: नालंदा के शीतला माता मंदिर में भगदड़, 9 श्रद्धालुओं की मौत

इनमें 8 महिलाएं, पीएम मोदी और सीएम नीतीश ने किया 8-8 लाख रुपए मुआवजे का एलान

नालंदा: बिहार में नालंदा जिले में मंगलवार सुबह शीतला माता मंदिर में भगदड़ मच गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। 8 महिलाओं की भीड़ में दबने से मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक पुरुष ने अस्पताल में दम तोड़ा। चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में पहुंचे थे। वहां मेला भी लगा था। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं थे।

दर्शन करने की जल्दी में धक्का-मुक्की मच गई। अफरातफरी के बीच कई लोग भीड़ में दब गए। बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं। हादसे के बाद मंदिर और मेला को बंद करवा दिया है। हादसे के बाद पटना कमिश्नर को बिहार शरीफ भेजा गया है। सीएम ने मुख्य सचिव को जांच के निर्देश दिए हैं। दीपनगर थाने के SHO राजमणि को सस्पेंड कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री ने किया मुआवजे का एलान

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है. मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस घटना से अत्यंत मर्माहत हैं और उन्होंने तुरंत राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं. नीतीश कुमार ने मृतकों के आश्रितों के लिए कुल 6 लाख रुपये के अनुग्रह अनुदान की घोषणा की है, जिसमें 4 लाख रुपये आपदा प्रबंधन विभाग और 2 लाख रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष से दिए जाएंगे. वहीं केंद्र सरकार ने 2 लाख के मुआवजे की घोषणा की है।

पीएम ने जताया गहरा शोक

नालंदा में हुई भगदड़ की घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा शोक व्यक्त किया है. उन्होंने कहा कि यह हादसा अत्यंत दुखद है और इसमें अपनों को खोने वाले परिवारों के प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं हैं.

एक-दूसरे के ऊपर गिर गए श्रद्धालु

घटना उस समय हुई जब चैत्र माह के आखिरी मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे थे। मौके पर मेला भी लगा था, जिससे भीड़ और बढ़ गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भीड़ को नियंत्रित करने के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। दर्शन की जल्दी में धक्का-मुक्की शुरू हो गई और अफरातफरी के बीच कई लोग भीड़ में दब गए। हादसे में कई श्रद्धालु घायल भी हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद प्रशासन ने मंदिर और मेला दोनों को बंद करवा दिया है।

दर्शन की जल्दबाजी में मची भगदड़

महिला भक्तों ने बताया कि चैत्र महीने का ये आखिरी मंगलवार है। यहां मेला लगा था। भीड़ ज्यादा हो गई। मंदिर का गर्भगृह भी छोटा है। लोग जल्दी-जल्दी दर्शन करने के लिए एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश में थे। कोई लाइन में लगकर पूजा नहीं करना चाह रहा था। दूसरे श्रद्धालु ने बताया, 'सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं किया गया था। मंदिर के अंदर भारी भीड़ थी। पुलिस का जवान अंदर तैनात नहीं था। भीड़ को डायवर्ट करने या दो लाइनों में बांटने की कोई व्यवस्था नहीं थी। मंदिर के पुजारी ही जल्दी-जल्दी दर्शन कर निकलने को कह रहे थे। इस बीच एक महिला को चक्कर आ गया, जिससे वो वहीं गिर पड़ी। कुछ लोग उसे संभालने लगे, और भीड़ को पीछे करने की कोशिश की। इस दौरान भगदड़ मच गई।'

हादसे से जुड़ी बड़ी बातें

- चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार के चलते पटना और आसपास के इलाकों से भी दर्शन के लिए पहुंचे थे। इस वजह भीड़ बहुत बढ़ गई।
- मंदिर परिसर छोटा था। भीड़ को कंट्रोल करने के इंतजाम नहीं थे। लोगों में पहले दर्शन करने की होड़ लग गई।
- लोग कतार में लगने की जगह आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे। इससे भगदड़ की स्थिति बन गई। कई लोग भीड़ के नीचे दब गए।
- मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि हादसे के बाद पुलिस और एंबुलेंस को पहुंचने में भी देर हुई।

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का 32वां दिन

इटली का अमेरिका को सैन्य बेस देने इनकार: रूस बोला: अमेरिका-इजराइल शांति नहीं चाहते

तेल अवीव/तेहरान: इटली ने अमेरिका को अपने सिगोनेला मिलिट्री बेस का इस्तेमाल करने से रोक दिया। यह बेस सिसिली आइलैंड पर है। अमेरिका यहां विमान उतरना चाहता था, लेकिन इटली ने इजाजत नहीं दी। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के कुछ बॉम्बर विमान इटली के इस बेस पर उतरकर आगे मिडिल ईस्ट जाना चाहते थे। लेकिन इटली को इस प्लान की पहले से कोई जानकारी नहीं दी गई थी। अमेरिका ने न तो इटली से इजाजत मांगी और न ही उसके सैन्य अधिकारियों से बात की।

इससे कुछ दिन पहले स्पेन भी ऐसा ही कदम उठा चुका है। स्पेन ने ईरान जंग में शामिल अमेरिकी विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया था। इसी बीच रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि अमेरिका और इजराइल, ईरान और उसके पड़ोसी देशों के बीच अच्छे रिश्ते नहीं बनने देना चाहते। जो 'रेजीम चेंज' की बातें हो रही हैं, उसका असली मकसद तेल-गैस पर कंट्रोल हासिल करना है।

अमेरिका ने ईरान में हथियार डिपो पर एयरस्ट्राइक की

अमेरिका ने ईरान के इस्फहान शहर में एक बड़े हथियार डिपो पर एयरस्ट्राइक की है। वॉल स्ट्रीट जर्नल रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला सोमवार रात को किया गया। इसके लिए 2000 पाउंड के बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल हुआ। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि इस डिपो में बड़ी मात्रा में हथियार और सैन्य सामग्री रखी गई थी, जिसे निशाना

बनाया गया। बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल मजबूत और भूमिगत ठिकानों को तबाह करने के लिए किया जाता है। हमले के बाद डिपो में रखे हथियारों में विस्फोट होने से कई धमाके हुए और इलाके में आग के बड़े गुबार उठे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी सोशल मीडिया पर धमाकों का एक वीडियो शेयर किया है।

मिडिल ईस्ट में जंग की वजह से यूरोप के कई देशों महंगाई बढ़ी

यूरोप के कई देशों में महंगाई बढ़ गई है। मार्च महीने में यह बढ़कर 2.5% हो गई, जबकि फरवरी में 1.9% थी। यह जानकारी यूरोप की संस्था यूरोस्टेट ने दी है। महंगाई बढ़ने की सबसे बड़ी वजह तेल और गैस की कीमतों का बढ़ना है। मध्य पूर्व में चल रहे तनाव के कारण ऊर्जा की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में तेल-गैस की कीमतें करीब 4.9% बढ़ गईं, जबकि फरवरी में ये कम हुई थीं।

रिपोर्ट-अमेरिका की ईरान में घुसकर यूरेनियम जब्त करने की तैयारी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ईरान के खिलाफ जमीनी कार्रवाई करने का आदेश दे सकते हैं। अमेरिकी अखबार द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ईरान के पास मौजूद यूरेनियम को अपने कब्जे में लेना चाहते हैं। ईरान के पास करीब 400 किलो समृद्ध (एनरिच्ड) यूरेनियम है, जिसका इस्तेमाल परमाणु बम बनाने में किया जा सकता है। ट्रम्प ने अपने सहयोगियों से कहा है कि ईरान को यह यूरेनियम छोड़ना ही होगा। अगर बातचीत से बात नहीं बनी, तो इसे जबरदस्ती भी लिया जा सकता है। इस बीच, अमेरिका मिडिल ईस्ट में करीब 10,000 अतिरिक्त सैनिक भेजने की योजना बना रहा है। इनमें से 3,500 से ज्यादा सैनिक पहले ही वहां पहुंच चुके हैं।

ईरान होर्मुज स्ट्रेट पर टोल लगाएगा, संसदीय समिति की मंजूरी

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाएगा। संसद की नेशनल सिक्योरिटी कमेटी ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस योजना के तहत जहाजों को इस समुद्री मार्ग से गुजरने के लिए ईरान को उसकी राष्ट्रीय मुद्रा रियाल में शुल्क देना होगा। प्रस्ताव में अमेरिका और इजराइल से जुड़े जहाजों के प्रवेश पर रोक लगाने की बात भी कही गई है। साथ ही, उन देशों के जहाजों को भी रोका जा सकता है, जिन्होंने ईरान पर प्रतिबंध लगाए हैं। हालांकि, यह प्रस्ताव अभी कानून नहीं बना है। इसे संसद से पास होने और अन्य संवैधानिक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद ही लागू किया जाएगा।

पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप की सेहत में सुधार, 3 माह बाद ऑपरेशन पर फैसला

रांची: प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीएलएफआई के सुप्रीमो दिनेश गोप की तबीयत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है. डॉक्टरों के मुताबिक, फिलहाल उन्हें दवाओं से राहत मिल रही है और स्थिति पहले से बेहतर है. एम्स के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दिनेश गोप को अगले तीन महीने तक नियमित रूप से दवा लेने की सलाह दी है. इस अवधि के दौरान उनकी सेहत पर लगातार निगरानी रखी जाएगी. डॉक्टरों का कहना है कि अगर दवाओं से स्थिति पूरी तरह नियंत्रित नहीं होती है, तो तीन महीने बाद ऑपरेशन पर विचार किया जा सकता है. सूत्रों के अनुसार, फिलहाल उनकी हालत स्थिर बनी हुई है और किसी तरह की आपात स्थिति नहीं है.

सहायक आचार्य नियुक्ति केस : हाईकोर्ट ने जेएसएससी को 97 अभ्यर्थियों के नाम की तुरंत अनुशंसा का दिया निर्देश

रांची: हाईकोर्ट में सहायक आचार्य (विज्ञान, कक्षा 6 से 8) नियुक्ति से जुड़े मामले में महेंद्र रावानी और अन्य की याचिका पर सुनवाई हुई. मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने 97 अभ्यर्थियों के सफल होने की पुष्टि की. लेकिन इसके बावजूद भी इन्हें नियुक्त नहीं किया गया है. इन सफल अभ्यर्थियों के नाम तुरंत अनुशंसा किए जाएं. अनुशंसा के बाद यदि वे अन्य सभी शर्तों को पूरा करते हैं, तो उन्हें नियुक्ति पत्र जारी किया जाए. इससे पहले याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने बताया कि 97 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया है, लेकिन अभी तक इन्हें नियुक्त नहीं किया गया. अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने कोर्ट को बताया कि इन याचिकाकर्ता के नाम की

अनुशंसा जेएसएससी ने नहीं की है. उन्होंने कोर्ट से मांग की कि सफल अभ्यार्थियों को सहायक आचार्य पद पर जल्द नियुक्त किया जाए. दरअसल महेंद्र रावानी और अन्य की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा गया है कि सफल घोषित किए जाने की बावजूद जेएसएससी ने उनके नाम की अनुशंसा नहीं की. मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आनंदा सेन की कोर्ट ने की.

हाईकोर्ट ने नजरबंदी के आदेश को रखा बरकरार, जीशान शेख की याचिका खारिज

हाईकोर्ट ने जीशान शेख उर्फ रिकी की नजरबंदी को सही ठहराया है. हाईकोर्ट की खंडपीठ ने उसकी रिहाई की मांग वाली याचिका खारिज कर दी. खंडपीठ ने माना कि नजरबंदी आदेश कानून के अनुरूप और उचित है. सरकार द्वारा बार-बार अवधि बढ़ाना भी वैध है. इसमें किसी प्रकार की कानूनी त्रुटि नहीं है. कोर्ट ने कहा कि इस मामले में हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है और नजरबंदी जारी रहेगी. रांची जिला मजिस्ट्रेट ने 25 जून 2025 को झारखंड क्राइम कंट्रोल एक्ट की धारा 12(2) के तहत जीशान शेख को निवारक नजरबंदी में लिया था. सरकार ने इसे कई बार बढ़ाया, जो मार्च 2026 तक था.

असम चुनाव में प्रचार के लिए रवाना हुईं विधायक कल्पना सोरेन, देवघर एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

झारखंड के गांडेय से विधायक कल्पना सोरेन मंगलवार को असम विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए रवाना हुईं. इस दौरान जब वह देवघर एयरपोर्ट पहुंचीं, तो पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया. एयरपोर्ट परिसर में कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे माहौल में उत्साह देखने को मिला.

नेताओं की मौजूदगी ने बढ़ाया कल्पना का उत्साह

इस मौके पर झारखंड सरकार के नगर विकास मंत्री सुदीप्य कुमार सोनू भी उनके साथ मौजूद रहे. झामुमो देवघर जिला अध्यक्ष संजय शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया. नेताओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी खास बना दिया.

झामुमो के कई प्रमुख कार्यकर्ता रहे शामिल

स्वागत कार्यक्रम में पार्टी के कई वरिष्ठ और सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद रहे. इनमें केंद्रीय समिति सदस्य परिमल सिंह, जिला कोषाध्यक्ष मनोज दास, देवघर मेयर रवि राउत, वरिष्ठ नेता सुरेश शाह, महानगर अध्यक्ष सह वार्ड पार्षद प्रदीप कुमार चौधरी प्रमुख रूप से शामिल थे. इसके अलावा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नीलम देवी और युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष राहुल चंद्रवंशी की भी सक्रिय भागीदारी रही.

महिला और युवा कार्यकर्ताओं की भी भागीदारी

कार्यक्रम में महिला और युवा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही. हीरा देवी, संतोषी शर्मा, जय नाथ मंडल, पप्पू गुप्ता, शहनाज परवीन, पार्षद अमरेश ज्योति, सचिन राउत और अभिषेक कुमार सहित कई अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद थे. सभी ने एकजुट होकर कल्पना सोरेन का स्वागत किया.

कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह

कल्पना सोरेन के असम चुनाव प्रचार के लिए रवाना होने को लेकर कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला. एयरपोर्ट परिसर में नारेबाजी और स्वागत कार्यक्रम के दौरान जोश का माहौल बना रहा. पार्टी कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि उनके प्रचार से असम चुनाव में पार्टी को मजबूती मिलेगी.

पीएम मोदी ने साणंद में सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन किया: कहा- भारत को इस सेक्टर में ग्लोबल हब बनाने का कोरोना काल में संकल्प लिया

अहमदाबाद: पीएम मोदी ने गुजरात के साणंद में केयन्स सेमीकॉन के आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली टेस्ट का उद्घाटन किया। इसके बाद वे प्लांट देखने पहुंचे और इंजीनियर्स से बातचीत की। पीएम ने कहा- आज सुबह डिवाइन वाले कार्यक्रम में था और अब डिजिटल के कार्यक्रम में हूं। उन्होंने कहा- हमने कोरोना के समय ही तय कर लिया था कि भारत सेमीकंडक्टर सेक्टर का नया हब बनेगा। पीएम के उद्घाटन के साथ ही केयन्स सेमीकंडक्टर प्लांट में प्रोफेशनल प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। पहला प्लांट भी फरवरी 2026 में साणंद में ही शुरू हुआ था। पीएम वाव-थराड में 20 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे।

इससे पहले उन्होंने सुबह करीब 10 बजे गांधीनगर में सम्राट सम्प्रति म्यूजियम का उद्घाटन किया। पीएम ने म्यूजियम का दौरा करने के बाद राष्ट्रीय संत पूज्य आचार्य पद्मसागर सूरीश्वरजी का आशीर्वाद लिया।

चिप्स को कैलिफोर्निया भेजा जाएगा

- इस प्लांट में एडवांस्ड इंटेलिजेंट पावर मॉड्यूल

बनाए जाएंगे, जिसका इस्तेमाल ऑटोमोबाइल और इंडस्ट्रियल डिवाइस में किया जाता है।
- हर मॉड्यूल में 17 चिप्स होंगे और इन्हें कैलिफोर्निया की कंपनी अल्फा और ओमेगा सेमीकंडक्टर को सप्लाई किया जाएगा।
- प्लांट के फेजों के पूरे होने पर प्रोडक्शन कैपेसिटी प्रतिदिन 6.33 मिलियन यूनिट बनाने की होगी।
- यह माइक्रोन टेक्नोलॉजी के बाद देश की दूसरी सेमीकंडक्टर यूनिट होगी, जो प्रोडक्शन शुरू करेगी।

मोदी ने कहा- भारत इस दिशा में मिशन मोड पर काम कर रहा

2021 में भारत ने इंडिया सेमिकंडक्टर मिशन शुरु किया था। यह मिशन सिर्फ एक इंडस्ट्रियल पॉलिसी नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास का ऐलान था। अच्छा होता कि यह काम आज से 30-40 साल पहले शुरू हो गया होता। लेकिन, भारत अब इस दिशा में बहुत तेजी से बढ़ रहा है। भारत इस दिशा में एक मिशन मोड पर काम कर रहा है। इस दशक में भारत टेक्नोलॉजी से जुड़े जो इनिशिएटिव ले रहा है, वो आने वाले दशकों में भारत की लीडरशिप को सशक्त करेंगे। 21वीं सदी का भारत केवल बदलाव का साक्षी नहीं, बल्कि बदलाव का नेतृत्व करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है।

म्यूजियम में 2 हजार से ज्यादा दुर्लभ चीजें

पीएम मोदी ने गांधीनगर में सम्राट सम्प्रति म्यूजियम में राष्ट्रीय संत पूज्य आचार्य पद्मसागर सूरीश्वरजी का आशीर्वाद भी लिया। इस म्यूजियम में सात अलग-अलग विंग हैं, जहां दुर्लभ जैन चट्टानों, पत्थर और धातु की मूर्तियां, प्राचीन पांडुलिपियां, सिक्के, चांदी के रथ और मिनिएचर पेंटिंग प्रदर्शित की गई हैं। म्यूजियम में दो हजार से ज्यादा दुर्लभ चीजें रखी गई हैं, जो जैन धर्म के विकास और उसके सांस्कृतिक प्रभाव को दर्शाती हैं।

वाव-थराड में 20 हजार करोड़ की परियोजनाएं

पीएम मोदी शाम करीब 4 बजे वाव-थराड पहुंचेंगे, जहां वे 20 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। इनमें बिजली, रेलवे, सड़क परिवहन, स्वास्थ्य, शहरी विकास, आदिवासी विकास और ग्रामीण विकास से जुड़े कार्य शामिल हैं। पीएम 5100 करोड़ रुपए की लागत वाले अहमदाबाद-धोलेरा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे। यह एक्सप्रेसवे धोलेरा विशेष निवेश रीजन की समन्वय को मजबूत करेगा और औद्योगिक विकास को गति देगा।

प. बंगाल चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुए टेनिस दिग्गज लिएंडर पेस

भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी लिएंडर पेस ने भाजपा का दामन थाम लिया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले उनका यह कदम सियासी गलियारों में काफी चर्चा का विषय बन गया है। पेस भारत के सबसे सफल टेनिस खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और भाजपा नेता सुकांत मजुमदार भी मौजूद रहे। पेस का भाजपा में शामिल होना पश्चिम बंगाल की राजनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है। फिलहाल वहां चुनावी माहौल गर्म होता जा रहा है और सभी राजनीतिक दल अपनी रणनीति मजबूत करने में जुटे हैं।

इस मौके पर रिजिजू ने कहा, 'लिएंडर पेस का भाजपा परिवार में शामिल होना ऐतिहासिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 12 वर्षों में खेल और खिलाड़ियों को लगातार बढ़ावा दिया है।' वहीं लिएंडर ने इसे अपने जीवन का सबसे खास दिन बताया। उन्होंने कहा, 'यह मेरे जीवन का बहुत बड़ा दिन है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह जी और नितिन नवीन जी का धन्यवाद करना चाहता हूं। यह मेरे लिए खेल और युवाओं की सेवा करने का बड़ा अवसर है।'

'अब युवाओं के लिए काम करूंगा'

लिएंडर पेस ने भारत के लिए ओलंपिक पदक और कई ग्रैंड स्लैम जीते हैं और अब राजनीति के मैदान में अपनी नई पारी खेलने जा रहे हैं। उनका भाजपा से जुड़ना यह दिखाता है कि पार्टी खेल जगत के बड़े चेहरों को अपने साथ जोड़कर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है। पेस ने अपने करियर को याद करते हुए कहा कि अब वह नई जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं। अब समय है युवाओं की सेवा करने का।' लिएंडर पेस ने केंद्र सरकार की खेल योजनाओं की भी सराहना की। उन्होंने कहा, मैंने देखा है कि किरेन रिजिजू जी ने टोक्यो ओलंपिक में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के लिए कितनी मेहनत की। प्रधानमंत्री जी ने उन्हें जो रोल दिया था, उसे बखूबी निभाया।'

संक्षिप्त खबरें...

सनराइज मॉडल पब्लिक स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2026- 27 का हुआ शुभारंभ

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत तुर्कबाद चौक स्थित सनराइज मॉडल पब्लिक स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2026 27 का शुभारंभ हुआ।उपनिदेशिका गौरा देवी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इसके पश्चात कक्षावार विद्यार्थियों को तिलकोत्सव, पुष्प वर्षण और मिठाई खिलाकर नये क्लास में प्रवेश कराया।सभी विद्यार्थी अपने नई कक्षा में बहुत उत्साहित नजर आये। निर्देशक सुरेश साव ने बच्चों को नई कक्षा में नई ऊर्जा, नई उमंग, नए उत्साह के साथ पूरे वर्ष पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने कहा की हमारे विद्यालय में 7 अप्रैल 2026 तक निःशुल्क नामांकन लिया जा रहा है।अभिभावक इसका लाभ उठा सकते हैं। मौके पर शिक्षक एसलाल चौधरी, प्रवीण मोदी, चंद्रदेव प्रसाद, पिंटू साव, मुकेश साव, अर्जुन कुमार, पवन कुमार,अमित राय, बसंत मोदी, संजय कुमार, खुशबू देवी, गौरा देवी, प्रियंका देवी, अंशु देवी, संजना कुमारी, स्नेहा कुमारी, रिंकू देवी समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

कालाजार के बढ़ते मामलों को लेकर महादेवपुर एवं डुमरचीर में विशेष अभियान

पाकुड़ः सदर प्रखंड अंतर्गत के महादेवपुर एवं अमड़ापाड़ा प्रखंड अंतर्गत डुमरचीर में कालाजार भीएल के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष फील्ड विजिट, मेडिकल कैंप एवं रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। यह अभियान जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ अमित कुमार के नेतृत्व में संचालित किया गया। इस दौरान एमओआईसी अमड़ापाड़ा, एमओआईसी सदर, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शिवम, जिला भीवीडी कंसल्टेंट अंकित कुमार, केटीएस ज्योतिन मुर्मू सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम सक्रिय रूप से मौजूद रही। फील्ड विजिट के दौरान टीम द्वारा प्रभावित गांवों में घर-घर जाकर संभावित मरीजों की पहचान की गई तथा आवश्यक जांच एवं उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। साथ ही ग्रामीणों को कालाजार के लक्षण, बचाव एवं उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस क्रम में एंटोमोलॉजिकल सर्वे भी किया गया, जिसके तहत क्षेत्र में सैंडफ्लाई की घनत्व का आकलन किया गया। प्राप्त आंकड़ों के आधार पर आगे की नियंत्रण रणनीतियों को और सुदृढ़ किया जाएगा। इसके अलावा अमड़ापाड़ा प्रखंड में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया, जहां स्थानीय ग्रामीणों के साथ संवाद स्थापित कर कालाजार के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई। चौपाल के माध्यम से लोगों को समय पर जांच कराने, पूर्ण उपचार लेने तथा आईआरएस जैसे नियंत्रण उपायों के महत्व की जानकारी दी गई। जिला भीवीडी पदाधिकारी डॉ अमित कुमार ने कहा कि कालाजार उन्मूलन के लिए निरंतर निगरानी, सक्रिय केस खोज एवं समय पर उपचार सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि प्रभावित क्षेत्रों में रोग पर शीघ्र नियंत्रण पाया जा सके।

अवैध रूप से कोयला का भंडारण एवं परिवहन को लेकर की गई छापेमारी, तीन अभियुक्त गिरफ्तार

पाकुड़ः पुलिस अधीक्षक,पाकुड़ को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत मंगलापाड़ा एवं कालिदासपुर क्षेत्र में अवैध रूप से कोयला का भंडारण एवं परिवहन किया जा रहा है। उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा मंगलापाड़ा क्षेत्र में छापेमारी के दौरान कुछ व्यक्ति साइकिल के माध्यम से अवैध कोयला उतारते पाए गए। पुलिस को देखते ही कई व्यक्ति मौके से फरार हो गए, जबकि तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों में दुर्योधन साहा (उम्र लगभग 51 वर्ष), पिता- स्व० लुधु साहा, ग्राम- बागडाबड़ा, थाना- फरक्का, जिला- मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल),जोटा घोष (उम्र लगभग 35 वर्ष), पिता- गुदड़ घोष, ग्राम- बागडाबड़ा, थाना- फरक्का, जिला- मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल) श्यामलाल साहा (उम्र लगभग 42 वर्ष), पिता- सुधीर साहा, ग्राम- बागडाबड़ा, थाना- फरक्का, जिला- मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल) शामिल थे। पूछताछ के दौरान अभियुक्तों द्वारा कोयला संबंधी कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। वही मौके से लगभग 09 क्विंटल अवैध कोयला, 06 साइकिल एवं एक वजन मशीन बरामद कर विधिवत जब्त किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध अवैध कोयला चोरी एवं परिवहन के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

एचपीवी टीकाकरण अभियान का हुआ शुभारंभ, सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु महत्वपूर्ण पहल

पाकुड़ः राज्य स्तरीय कार्यक्रम के तहत पाकुड़ जिले के पुराने सदर अस्पताल में एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर डीसी मनीष कुमार, सिविल सर्जन, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी, जिला भीवीडी पदाधिकारी एवं जिला यक्ष्मा पदाधिकारी की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान डीसी मनीष कुमार की उपस्थिति में 14 से 15 वर्ष की आयु वर्ग की बच्चियों का एचपीवी टीकाकरण किया गया तथा लाभुकों के बीच टीकाकरण प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिविल सर्जन डॉ. सुरेन्द्र कुमार मिश्रा ने कहा कि एचपीवी वैक्सीनेशन महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए अत्यंत प्रभावी एवं महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि यह वैक्सीन पूर्णतः सुरक्षित है तथा विश्व के अनेक देशों में सफलतापूर्वक उपयोग में लाई जा रही है।

मंगला जुलूस के दौरान पुलिस लाठीचार्ज तथा विष्णुगढ़ में बच्ची की निर्मम हत्या को लेकर बरकट्ठा बाजार रहा बंद

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लेवडा जमुआ में मंगला जुलूस के दौरान महिलाओं पर हुए पुलिस लाठीचार्ज तथा विष्णुगढ़ में 12 वर्षीय बच्ची की निर्मम हत्या को लेकर बरकट्ठा बाजार पूर्णतः बंद रहा।मंगलवार की सुबह से ही बाजार की सभी दुकानें बंद रहीं और व्यापारी वर्ग ने स्वेच्छा से बंद का पूर्ण समर्थन किया।बंद के कारण पूरे बरकट्ठा बाजार एवं जीटी रोड़ स्थित क्षेत्र इलाके में सन्नाटा पसरा रहा और आम जनजीवन प्रभावित रहा। बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव के नेतृत्व में सैकड़ों महिला और पुरूषों ने बरकट्ठा बाजार का भ्रमण किया।उन्होंने दुकानदारों और आम लोगों से शांति पूर्ण तरीके से बंद का समर्थन करने की अपील की। लोगों ने भी इस मुद्दे को गंभीर बताते हुए बाजार बंद कर अपना पूरा समर्थन जताया।ग्रामीणों ने बताया कि तुईयो में मंगला जुलूस के दौरान महिलाओं पर पुलिस के द्वारा लाठीचार्ज किए जाने से क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि धार्मिक जुलूस के दौरान महिलाओं के साथ इस तरह की कार्रवाई बेहद निंदनीय है। साथ ही विष्णुगढ़ प्रखंड में हुई मासूम बच्ची की निर्मम हत्या की घटना से भी क्षेत्र के लोग काफी आहत हैं।हालांकि पूरे बंद के दौरान स्थिति शांतिपूर्ण रही और किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली. बंद सफल बनाने को लेकर सांसद प्रतिनिधि रघुवीर महतो, भाजपा मंडल अध्यक्ष सूर्यदेव मंडल टिंकू, अनील कुमार आजाद, चलकुशा मुखिया आलोक सिंह, समाजसेवी दर्शन सोनी, पंसस प्रतिनिधि संजय गुप्ता, अशोक गुप्ता, रीतलाल प्रसाद, केदार रजक, शंकर साव, सुजीत मोदी, रूपेश गुप्ता, बालेश्वर ठाकुर, प्रकाश सिंह, सुनील कुमार, विजय यादव, राजकुमार यादव ,उमेश मोदी, अनील मोदी समेत बड़ी संख्या में महिला-पुरुष शामिल हैं।

बंद समर्थकों ने प्रशासन से मांग की कि तुईयो मंगला जुलूस के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। इसके अलावा विष्णुगढ़ प्रखंड में बच्ची की हत्या के मामले में शामिल अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दिलाने की भी मांग की गई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही इन मामलों में उचित कार्रवाई नहीं की गई तो आने वाले दिनों में और भी उग्र आंदोलन किया जाएगा।

हजारीबाग के अमरदीप यादव को मिला बीजेपी झारखंड प्रदेश मंत्री का दायित्व

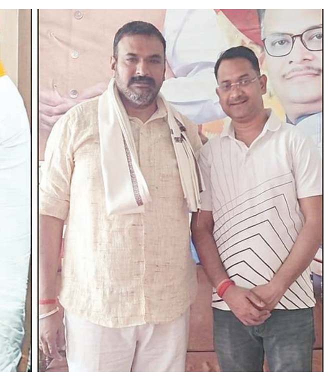

हज़ारीबाग। झारखंड भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद आदित्य साहू द्वारा घोषित नई प्रदेश कार्यकारिणी में हजारीबाग के कर्मठ और पार्टी के लिए निष्ठावान नेता अमरदीप यादव को प्रदेश मंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन बीजेपी के इस नियुक्ति के साथ ही हजारीबाग के राजनीतिक गलियारे में हर्ष और उत्साह का संचार हो गया है। इस उपलब्धि पर हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने अपने सांसद सेवा कार्यालय में अमरदीप यादव का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने अमरदीप को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करते हुए पुष्पगुच्छ भेंट किया और संगठन की इस नई एवं चुनौतीपूर्ण पारी के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की।अमरदीप यादव का राजनीतिक सफर शुद्ध रूप से वैचारिक निष्ठा और जमीनी संघर्ष की कहानी है। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत वर्ष 1998 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के एक साधारण कॉलेज कार्यसमिति सदस्य के रूप में हजारीबाग एक संत कोलंबा कॉलेज से की थी। विद्यार्थी जीवन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से ओत-प्रोत अमरदीप यादव ने भाजपा संगठन में विभिन्न दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया है। उनकी सांगठनिक क्षमता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे पूर्व में झारखंड प्रदेश ओबीसी मोर्चा के लगातार तीन बार प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं, जहाँ उन्होंने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने का अतुलनीय कार्य किया।

गोली मारकर युवक की हत्या, पहचान छिपाने के लिये जला डाला शव, छिपादोहर गांव के पास से बरामद हुआ शव

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू): विश्रामपुर-इटको मुख्य पथ किनारे मंगलवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आयी है,जहां छिपादोहर कला गांव के सोनपुरवा टांड़ से एक युवक का अधजला शव बरामद किया गया है। शव की हालत इतनी भयावह थी कि खबर लिखे जाने तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है। ग्रामीणों ने सड़क किनारे गड्ढे में शव देखा और तत्काल इसकी सूचना विश्रामपुर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार दुबे पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की। बताया जा रहा है कि मृतक की उम्र लगभग 30 वर्ष के आसपास है। कमर के ऊपर का हिस्सा पूरी तरह जला होने के कारण पहचान करना मुश्किल हो रहा है। घटनास्थल से पुलिस को दो गोली के खोखे भी बरामद हुए है। एक शव के पास और दूसरा सड़क किनारे पड़ा मिला। प्रारंभिक आशंका जताई जा रही है कि युवक की पहले गोली मारकर हत्या की गयी। फिर पहचान छिपाने के उद्देश्य से उस पर पेट्रोल छिड़ककर शव को जला दिया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर एमएमसीएच भेज दिया है। मौके पर नावाडीह ओपी प्रभारी चंदन कुमार,नौगाढ़ा ओपी प्रभारी अनिल कुमार यादव,एसआई शैलभ कुमार,शिवनाथ रंजन,एएसआई विनोद राम सहित कई पुलिसकर्मी मौजूद थे। थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार दुबे ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं पर गहनता से जांच कर रही है और जल्द ही मामले का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवक की हत्या कर पहचान छुपाने के लिये शव को जला दिया गया।

मानगो के विश्वनाथ ज्वेलर्स में दिनदहाड़े 25 लाख रुपए के सोने के जेवरात की चोरी

जमशेदपुर । मानगो उलीडीह थाना अंतर्गत शंकोसाई रोड़ न.1 में रिफ्यूजी कॉलोनी के सामने स्थित विश्वनाथ ज्वेलर्स के दुकान में प्रात लगभग 11:30 बजे अपराधी ने दुकान में बैठे विश्वनाथ दत्त के बेटे अभिजीत दत्ता को झांसे में लेकर लगभग 25 लाख रुपए के सोने के जेवरात लेकर फरार हो गए । चोरी का पूरा मामला दुकान में लगे हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद है चोरी की घटना की जानकारी मिलते ही दुकानदार विश्वनाथ दत्ता ने मामले की जानकारी भाजपा के पूर्व नेता विकास सिंह को दिया जानकारी मिलते ही विकास सिंह विश्वनाथ ज्वेलर्स पहुंचे । विकास सिंह को विश्वनाथ दत्ता ने बताया कि सोमवार की शाम को उनका 16 वर्षीय बेटा अभिजीत दत्ता दुकान में था उस समय एक लड़का जो टोपी पहना हुआ था दुकान में आकर लगभग 5500 का सोने का सामान खरीद के पैसा देकर चला गया । वही लड़का मंगलवार की सुबह लगभग 11:30 बजे जब विश्वनाथ दत्ता का बेटा अभिजीत दत्ता दुकान में था उसी समय दोबारा जाकर उसे सोने की जेवरात दिखाने की बात करने लगा जब अभिजीत दत्ता ने उसे गहने रखे हुए ड्रॉल खोलकर सोने के गहने दिखाने लगा उसी समय अपराधी ने स्वयं दोनों हाथ लगाकर ड्राल से सोने की जेवर से भरा हुआ एक बक्सा निकालकर अपने पीछे पैकेट में रख लिया जिसे सीसीटीवी कैमरे के रिकॉर्डिंग में साफ देखा जा सकता है कुछ देर बाद अपराधी अभिजीत दत्ता को गुमराह करके दुकान से सोने से भरा चोरी का डब्बा लेकर फरार हो गया । थोड़ी देर बाद जब अभिजीत को इसकी जानकारी मिली तो वह अपने पिताजी को फोन करके मामले की जानकारी दिया, जानकारी मिलते ही दुकान के मालिक विश्वनाथ दत्ता दुकान पहुंचे तो वें हतब्रत हो गए क्योंकि जो बक्सा चोरी हुआ था उसमें सबसे अधिक कीमत की सोने के गहने रखे हुए थे । विश्वनाथ दत्ता ने इसकी जानकारी विकास सिंह के साथ-साथ स्थानीय उलीडीह थाने में भी दिया । मौके में पहुंचे विकास सिंह ने कहा की पूरा जिला अपराधियों के गिरफ्त में आ गया है कोई भी ऐसा दिन नहीं जिस दिन अखबार की सुर्खियां मानगो में प्रतिदिन हो रहे अपराध की कहानी से सजी नहीं हो । विकास सिंह ने मामले की जानकारी वरीय पुलिस प्रशासन को देते हुए मामले का उद्बेदन करने को कहा साथ ही यह भी कहा कि अगर उद्भेदन में देरी होगी तो स्वर्णिक समाज सड़क पर उतरने का काम करेगा । मौके में मुख्य रूप से विकास सिंह, राजेश साहू ,दीपक दत्ता, निरंजन झा नीरज साहू सहित स्थानीय लोग उपस्थित थे ।

मचान में आग लगने से हजारों रुपये की संपत्ति को पहुंचा नुकसान

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा डीह में अर्जुन राणा के मचान में आग लगने से हजारों रुपये की संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। सोमवार की देर शाम को बिजली के शॉर्ट सर्किट की वजह से मचान में रखे पुवाल में अचानक आग लग गई. घटना में लगभग 15 से 20 हजार रुपये का पुवाल जलकर राख हो गया. ग्रामीणों ने आग पर काबू पाने का काफी प्रयास किया, लेकिन आग इतना भयानक था कि सभी प्रयास असफल रहा. ग्रामीणों ने बरकट्ठा में फायर ब्रिगेड गाड़ी की मांग किया है, ताकि आग लगने पर काबू पाया जा सकें. पीड़ित अर्जुन राणा ने बताया कि बिजली विभाग के लापरवाही के कारण शॉर्ट सर्किट की वजह से यह आग लगी है. उन्होंने बिजली विभाग और स्थानीय प्रशासन से उचित मुआवजा देने की मांग किया है।

रैयतों ने अपनी निजी जमीन को सार्वजनिक सड़क निर्माण के लिए दिया दान

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सलैया गांव में रैयतों ने अपनी निजी जमीन को सार्वजनिक सड़क निर्माण के लिए दिया दान में दिया है।इसके लिए पंचायत के वर्तमान एवं पूर्व जनप्रतिनिधि, पूजा समिति के पदाधिकारियों और ग्रामीणों का अहम योगदान रहा।रैयतों से मिली जमीन पर ग्रामीणों ने श्रमदान कर वर्षों से लंबित सड़क की मांग को घंटों में बनाकर तैयार कर दिया। दरअसल गांव में पर्व त्यौहार के दौरान तालाब तक प्रतिमा विसर्जन के लिए लेजाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था।श्री वैष्णवी चैती दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में माता की प्रतिमा विसर्जन के दौरान ग्रामीणों ने जनशक्ति और इच्छाशक्ति के संगम से दशकों पुरानी रास्ते के मांग की समस्या को चंद घंटों में हल कर दिया। इस बार भी प्रतिमा विसर्जन के समय जब बाधा आई तो रैयतों ने समाज हित में अपनी निजी जमीन दान देने की घोषणा किया। ज़मीन मिलते ही ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से जेसीबी गाड़ियां और हाइवा गाड़ियों से मोरम गिराने का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू कराकर पूरा कर लिया। पूर्व मुखिया गोपाल प्रसाद ने जमीन दाताओं और ग्रामीणों की प्रसंशा करते हुए कहा कि इनका त्याग पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक है।मौके पर प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष इंद्रदेव प्रसाद, पूर्व मुखिया गोपाल प्रसाद, अधिवक्ता रामसेवक प्रसाद, भाजपा मंडल अध्यक्ष सूर्यदेव मंडल टिंकू, विधायक मीडिया प्रतिनिधि यशराज साहा, समाजसेवी केदार मंडल, पूजा समिति के अध्यक्ष मुकेश दास, कोषाध्यक्ष रोहित प्रसाद, सचिव परमेश्वर पंडित, छोटीलाल प्रसाद, राजेश प्रसाद, घमंडू महतो, राजेंद्र प्रसाद, चंद्रिका प्रसाद, राजू प्रसाद, कमल प्रसाद, रामेश्वर महतो,रामचंद्र प्रसाद चौधरी, हेमलाल महतो, प्रयाग महतो, चंद्रिका प्रसाद, सुरेश प्रसाद, लक्ष्मण प्रसाद, मुकेश प्रसाद, किशोर पंडित, सहदेव प्रसाद, बुलाकी प्रसाद, रमन प्रसाद, छोटीलाल मंडल, विकास कुमार, ज्ञानी प्रसाद, बिनोद प्रसाद, सीताराम प्रसाद समेत सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे ।

जया किशोरी ने भक्त नरसी की अटूट आस्था और प्रभु के प्रति समर्पण को किया उजागर

साकची में नानी बाई रो मायरो धार्मिक कथा का प्रथम दिन

जमशेदपुर। शहर की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था नारायणी सेवा ट्रस्ट जमशेदपुर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय भक्तों को भगवान से सीघे जोड़ने वाली नानी बाई रो मायरो धार्मिक कथा के प्रथम दिन मंगलवार को विश्वविख्यात आध्यात्मिक प्रवक्ता पूज्या सुश्री जया किशोरी जी ने व्यास पीठ से अपनी सुमधुर वाणी से भक्त नरसी मेहता के जीवन परिचय, उनके द्वारा शिव जी की आराधना से महारास के दर्शन पाने और श्री कृष्ण की भक्ति से ओत-प्रोत भजनों के माध्यम से भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने नरसी जी की अटूट आस्था और प्रभु के प्रति समर्पण को उजागर किया। कथा के आरंभ में जया किशोरी ने विवाह के बाद एक लड़की का जीवन किस तरह से बदल जाता है, इसके बारे में बताया और कथा की शुरुआत की। कहा कि नरसी जी की सादगी, प्रेममयी जीवन शैली और भगवान के नाम का सुमिरन ही इस दिव्य कथा का मुख्य सार है। साध्वी जी ने बताया कि नरसी जी बचपन से ही मूक-बधिर थे, लेकिन श्री कृष्ण की कृपा से वे बोलने लगे। साध्वी जया किशोरी जी ने अपनी सुरीली आवाज में नरसी मेहता और उनकी पुत्री नानी बाई के माध्यम से भगवान कृष्ण की निस्वार्थ भक्ति, प्रेम और अटूट आस्था की गाथा का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि भक्तों के जीवन में कितनी भी कठिनाई आये एक सच्चा भक्त भगवान को प्राप्त किये बिना नही रहता। नरसी मेहता ने गरीबी के बावजूद भगवान पर अटूट विश्वास रखा, जिसके बाद कृष्ण ने स्वयं नरसी का रूप धारण कर नानी बाई के ससुराल वालों की अपेक्षा से चार गुना अधिक मायरा भरा। यह कथा केवल एक पौराणिक प्रसंग नहीं, बल्कि विश्वास की वह शक्ति है जो नानी बाई के जीवन में चमत्कार लेकर आई। इस पावन कथा के आयोजन से घर में सुख, शांति और आध्यात्मिक विकास होता है। कथा का आरंभ होने से पहले पारंपरिक रूप से गणेश वंदना, कलश स्थापना, नवग्रह, व्यास पीठ और ठाकुर जी (श्री कृष्ण) की विधिवत पूजा-अर्चना यजमानों द्वारा की गई। कोलकाता से आये आचार्य अभिषेक तिवारी ने पूजा करायी। व्यास पीठ पर जया किशोरी के विराजमान होने के बाद पारंपरिक रूप से उनका स्वागत सत्कार किया गया। कथा का आयोजन साकची स्थित चंदूलाल अशोक कुमार भालोटिया सभागर, बोधि मंदिर मैदान (राजेन्द्र विद्यालय के बगल में) हो रहा हैं, जो 02 अप्रैल गुरूवार तक होगा। दूसरे दिन बुधवार 1 अप्रैल को जया किशोरी जी ने अपनी सुमधुर वाणी से कुमकुम पत्रिका का पहुँचना, नरसी मेहता का अंजार नगर प्रस्थान और श्रीकृष्ण नरसी मेहता मिलन की कथा का वाचन करेगी। पहले दिन मंगलवार के कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रमुख रूप से ट्रस्ट अध्यक्ष राजकुमार चंदूका, राजकुमार संघी, कैलाश सरायवाला, विजय मित्तल, अनिल नरेडी, ललित सरायवाला, नवीन पोद्दार, किशन सोंथालिया, अभिषेक भालोटिया, रोहित अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल गोल्डी, राम रतन कांवटिया, समीर दिवान, अजय खेमका, अजय अग्रवाल, नेहा सोंथालिया, मेघा चौधरी, कृतिका गुप्ता, रिंकी भालोटिया, विजय लक्ष्मी भालोटिया, स्नेहा अग्रवाल आदि का योगदान रहा। जया किशोरी जी की सुमधुर वाणी से कथा सुनने के लिए पूरा पंडाल भरा हुआ था, लगभग 6 हजार से अधिक श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

रामनवमी आयोजन की सफलता पर मंदिर समिति ने सुखदेवनगर थाना प्रभारी को किया सम्मानित

संवाददाता रांची: रामनवमी का पावन पर्व इस वर्ष भी श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक सौहार्द के साथ शांतिपूर्वक एवं भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस सफल आयोजन के उपरांत पश्चिम मुखी हनुमान मंदिर समिति द्वारा सुखदेवनगर थाना प्रभारी सुनील कुमार कुशवाहा के प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त करने हेतु सुखदेवनगर थाना पहुंचकर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर मंदिर समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने थाना प्रभारी को विधिवत चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा भगवान श्रीराम (राम लला) का पावन छाया चित्र सप्रेम भेंट कर उनके सहयोग के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। समिति ने कहा कि रामनवमी जैसे बड़े धार्मिक आयोजन को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में प्रशासन की सक्रिय भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। थाना प्रभारी सुनील कुमार कुशवाहा ने भी मंदिर समिति के साथ समन्वय स्थापित करने और भविष्य में भी ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं एवं समिति सदस्यों की अनुशासन एवं सहयोग भावना की भी सराहना की। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में मेहुल प्रसाद, दिलीप वर्मा, सुजीत कुमार, रजत शर्मा, धीरज कुमार एवं असीम पांडे सहित अन्य गणमान्य सदस्य शामिल थे। सभी ने मिलकर इस सफल आयोजन के लिए एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और समाज में शांति, सद्भाव एवं एकता बनाए रखने का संकल्प लिया। मंदिर समिति ने अंत में सभी श्रद्धालुओं, सहयोगियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया, जिनके संयुक्त प्रयास से यह पावन पर्व सफलतापूर्वक संपन्न हो सका।

सरला बिरला स्कूल में स्वास्थ्य के लिए विशेष आयोजन

संवाददाता रांची: सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में शिक्षकों के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना तथा उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा देना था। इस पहल के माध्यम से शिक्षकों को नई ऊर्जा, संतुलन और प्रेरणा प्रदान करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मधुबनी पेंटिंग कार्यशाला रही। इस कार्यशाला में शिक्षकों ने पारंपरिक मधुबनी कला की सुंदर डिजाइनों, रंगों और उसकी सांस्कृतिक महत्ता को समझा। सभी शिक्षकों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही फ्लावर डेकोरेशन सत्र भी आयोजित की गई, जिसमें शिक्षकों ने विभिन्न प्रकार के डिजाइन बनाकर अपनी कला और सृजनात्मक सोच को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में जुम्बा सत्र -'वेलनेस वॉल्ट्ज' भी रखा गया, जिसने माहौल को ऊर्जावान और आनंदपूर्ण बना दिया। इस सत्र के माध्यम से शिक्षकों ने शारीरिक व्यायाम के साथ-साथ खुशी और उत्साह का अनुभव किया। शिक्षकों के संप्रेषण कौशल को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने हेतु फोनेटिक्स वर्कशॉप्स का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त, आर्ट ऑफ लिविंग सत्र का आयोजन किया गया, जो मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित था। इस सत्र ने शिक्षकों को शांत वातावरण में आत्मचिंतन, विश्राम और मानसिक संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को उनकी रचनात्मकता और उत्साहपूर्ण भागीदारी के लिए सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्राचार्या मनीषा शर्मा ने इस बात पर विशेष बल दिया कि शिक्षकों का समग्र कल्याण अत्यंत महत्वपूर्ण है। समग्र सहभागिता रचनात्मकता को बढ़ाने तथा भावनात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसे पहल शिक्षकों को पुनः ऊर्जावान बनाते हैं, उनके मन को ताजगी प्रदान करते हैं और उन्हें नए शैक्षणिक सत्र के लिए नव ऊर्जा एवं उत्साह के साथ तैयार करते हैं।

झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा नियमावली में क्षेत्रीय भाषाओं की उपेक्षा दुर्भाग्यपूर्ण : धर्मेंद्र तिवारी (जदयू)

रांची: जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठ नेता धर्मेंद्र तिवारी ने झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) की नई नियमावली पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इस परीक्षा के आयोजन और नियमावली निर्माण में झारखंड सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। सरकार ने राज्य के युवाओं को गुमराह करने और उनके साथ धोखा करने का काम किया है। राज्य के कई हिस्सों में बोली और समझी जाने वाली क्षेत्रीय भाषाओं को समाप्त करने की मंशा से जबरन दूसरी भाषा थोपने का प्रयास किया जा रहा है, जो निंदनीय है। उन्होंने कहा कि बिहार से उत्पत्ति झारखंड की हुई है झारखंड में भी एक छोटा बिहार बसता है भाषा को लेकर इस तरह का कार्य नहीं होना चाहिए। झारखंड के पलामू, गढ़वा, लातेहार, चतरा, हजारीबाग, साहिबगंज सहित अनेक जिलों में भोजपुरी,मैथिली, मगही और अंगिका व्यापक रूप से बोली और समझी जाती हैं। इसके बावजूद जेटेट नियमावली में इन भाषाओं को शामिल नहीं किया जाना लाखों विद्यार्थियों और अभ्यर्थियों के साथ अन्याय है। भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं बल्कि संस्कृति, परंपरा, पहचान और बौद्धिक विरासत की आधारशिला होती है। इन भाषाओं की उपेक्षा करना स्थानीय विद्यार्थियों की भावनाओं की अनदेखी है। धर्मेंद्र तिवारी ने सरकार से अविलंब जेटेट नियमावली में संशोधन कर भोजपुरी, मगही,मैथिली एवं अंगिका भाषाओं को शामिल करने की मांग की है ताकि ग्रामीण और स्थानीय पृष्ठभूमि से आने वाले अभ्यर्थियों को समान और न्यायोचित अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि यदि सरकार शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो भाषा के सम्मान और विद्यार्थियों के अधिकार के लिए 10 अप्रैल से आंदोलन प्रारंभ किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

झारखंड चेम्बर और चीनी महावाणिज्य दूत दूत शू वेई के बीच बैठक

निवेश व व्यापार सहयोग बढ़ाने पर जोर

संवाददाता रांची: फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने आज चैंबर भवन में चीन के कोलकाता स्थित महावाणिज्य दूत शू वेई का स्वागत किया। उनके साथ बाई एन और सुश्री ली शुयुए भी मौजूद थे। बैठक में झारखंड और चीन के बीच व्यापार, निवेश और उद्योगों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने माना कि आने वाले समय में इन क्षेत्रों में काफी संभावनाएं हैं। झारखण्ड चैम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा यह बताया गया कि झारखंड खनिज संपदा से समृद्ध राज्य है और यहां इस्पात, खनन और इंजीनियरिंग के बड़े उद्योग हैं। साथ ही, राज्य की अच्छी लोकेशन और बंदरगाहों के पास होने से निवेश के लिए यह एक अच्छा स्थान है।

चर्चा में खास तौर पर खनन में वैल्यू एडिशन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, फूड प्रोसेसिंग, कृषि और नई ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में काम करने की संभावनाओं पर बात हुई। झारखण्ड चैम्बर ने चीन में एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भेजने का प्रस्ताव भी रखा ताकि वहां के उद्योगों से सीधा संपर्क किया जा सके और अंतरराष्ट्रीय मेलों में भाग लिया जा सके। महावाणिज्य दूत ने झारखंड के साथ व्यापार बढ़ाने में रुचि दिखाई और हर संभव सहयोग का भरोसा दिया।

चैम्बर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने झारखंड में निवेश की असीम संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यह बैठक अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने की दिशा में एक अच्छा कदम है।महासचिव रोहित अग्रवाल ने कहा कि झारखण्ड चैम्बर द्वारा राज्य में व्यापार और निवेश के नए अवसर लाने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

बैठक के अंत में दोनों पक्षों ने आगे भी संपर्क बनाए रखने और साथ मिलकर काम करने पर सहमति जताई। झारखण्ड चैम्बर के अध्यक्ष ने झारखंड को एक बेहतर निवेश गंतव्य बनाने के अपने संकल्प को दोहराया। बैठक में चैम्बर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव नवजोत अलंग और सदस्य अरुण जोशी उपस्थित थे।

सीयूजे में चीनी प्रतिनिधिमंडल का दौरा, सांस्कृतिक व शैक्षणिक सहयोग पर जोर

रांची: झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (CUJ) में चीन से आए तीन प्रतिनिधियों जू वेई, बाई आन और ली शुयुए ने डिपार्टमेंट ऑफ़ फार ईस्ट लैंग्वेज (चीनी) का दौरा किया. इस दौरान विश्वविद्यालय में उत्साह का माहौल रहा और भारत-चीन के बीच सांस्कृतिक व शैक्षणिक संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया गया.

प्रतिनिधियों का स्वागत छात्रों ने पारंपरिक तरीके से किया. रंगोली, पुष्पगुच्छ और पारंपरिक वेशभूषा के साथ अतिथियों का अभिनंदन किया गया. कार्यक्रम में कुलपति प्रो. सारंग मेढ़ेकर, डीन प्रो. अर्चना, रजिस्ट्रार के. कोसला राव, परीक्षा नियंत्रक बी. बी. मिश्रा और प्रो. मनोज कुमार सहित कई अधिकारी मौजूद रहे.

कुलपति प्रो. मेढ़ेकर ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों को नई संस्कृति समझने और वैश्विक स्तर पर सीखने का अवसर देते हैं. उन्होंने भविष्य में चीन के विश्वविद्यालयों के साथ एक्सचेंज प्रोग्राम और शोध कार्य बढ़ाने की बात कही.डीन प्रो. अर्चना ने भाषा को संस्कृति को जोड़ने वाला माध्यम बताया. वहीं रजिस्ट्रार ने कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रहा है.

चीनी प्रतिनिधि जू वेई ने भारत-चीन के सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने की जरूरत बताई और छात्रों को चीनी भाषा सीखने के लिए प्रेरित किया.इस मौके पर एक प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें चीनी कला, सुलेख और छात्रों की परियोजनाएं प्रदर्शित की गईं. फूड फेस्ट में छात्रों ने चीनी व्यंजन भी प्रस्तुत किए, जिसे मेहमानों ने खूब सराहा. इसके अलावा विश्वविद्यालय प्रशासन और प्रतिनिधिमंडल के बीच बैठक हुई, जिसमें भविष्य में सहयोग और एक्सचेंज प्रोग्राम पर चर्चा की गई.कार्यक्रम के अंत में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसने सभी का मन मोह लिया.

असम विधानसभा चुनावः मंत्री योगेंद्र प्रसाद का सालगठानी चाय बागान में पार्टी प्रत्याशी के साथ सघन जनसंपर्क अभियान

संवाददाता रांची: मंगलवार को मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के योगेंद्र प्रसाद ने असम विधानसभा चुनाव के तहत सोनारी विधानसभा क्षेत्र के सालगठानी चाय बागान में पार्टी प्रत्याशी बलदेव तेली जी के साथ सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से सीधे संवाद कर पार्टी की नीतियों, उपलब्धियों और जनहितकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि झारखंड की तरह यहाँ भी मेहनतकश लोगों को सम्मान और आदिवासी-स्थानीय समाज को उनका अधिकार मिलना जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि विकास केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि हर घर तक सुख-सुविधा और खुशहाली पहुँचाना ही असली विकास है।उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत करें और बलदेव तेली को अपना समर्थन देकर विजयी बनाएं। जनसंपर्क अभियान के दौरान लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला और सभी ने एक स्वर में विश्वास जताया कि इस बार क्षेत्र में पार्टी की प्रचंड जीत सुनिश्चित है।

रामनवमीः उत्कृष्ठ प्रर्दशन करने वाले राम भक्त हुए सम्मानित

संवाददाता रांची: महावीर मंदिर रामनवमी पूजा समिति,शांति नगर शारदा बैटरी गली द्वारा आज पिस्कामोड़ मे स्वागत समारोह का आयोजन किया गया।इस मौके पर रामनवमी झांकी शोभायात्रा मे उत्कृष्ठ प्रर्दशन करने वाले अनेक रामभक्तों को अंगवस्त्र,मोमेंटो आदि भेंटकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यअतिथि रांची के लोकप्रिय उप महापौर नीरज कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया।कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष विकास दुबे, मीडिया सचिव शिव किशोर शर्मा सहित बजरंग वर्मा, अजय कसेरा संदीप झा, मुकेश कुमार,सुनील सिंह, कार्तिक कुमार, कमल दुबे,आशीष कुमार, किशोर दुबे आदि आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम की समापन हुई। यह जानकारी महावीर मंदिर रामनवमी पूजा समिति शांतिनगर शारदा बैटरी गली के मीडिया सचिव शिव किशोर शर्मा ने दी है।

महिलाओं के आत्मविश्वास और समर्पण से झारखंड गढ़ रहा है सशक्त और आत्मनिर्भर भविष्यः मंत्री

संवाददाता रांची: रांची में आयोजित दैनिक भास्कर विमेन प्राइड अवाड्र्स 2026 में झारखंड की ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री **दीपिका पांडेय** सिंह ने आत्मविश्वास, संघर्ष और परिश्रम से समाज को नई दिशा देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया।

इस अवसर पर मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि झारखंड की महिलाएँ आज बदलाव की अग्रदूत बनकर उभर रही हैं। ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत JSLPS से जुड़ी बहनों ने स्वरोजगार से अपनी यात्रा शुरू कर आज आत्मनिर्भर उद्यमी के रूप में पहचान बनाई है। उनके उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलना पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है।

उन्होंने आगे कहा कि पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी इन महिलाओं का योगदान सराहनीय है। समूह की बहनों द्वारा पौने तीन करोड़ से अधिक फलदार एवं टिंबर के वृक्ष लगाकर न केवल अपनी आजीविका को सशक्त किया गया है, बल्कि आम जैसे उत्पादों का निर्यात कर एक हरित एवं समृद्ध भविष्य की मजबूत नींव रखी गई है। मंत्री ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएँ आज सजग, सशक्त और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। मनरेगा में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी, जहाँ 52 प्रतिशत महिलाओं तक जॉब कार्ड पहुँचा है, यह दर्शाता है कि राज्य में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिल रही है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है।

दीपिका पांडेय सिंह ने सभी सम्मानित महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि उनका संघर्ष और समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड में 99 सेवानिवृत्त कर्मियों को गरिमामय विदाई

रांची: रांची स्थित सीसीएल मुख्यालय में मार्च 2026 में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के सम्मान में भव्य एवं भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। मुख्यालय से सेवानिवृत्त पाँच कर्मियों सहित सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों से कुल 99 कर्मियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। समारोह में सेवानिवृत्त कर्मियों के सेवाकाल के अनुभवों पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीसीएल के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह ने कहा कि संगठन की असली पूंजी उसके कर्मी होते हैं और सेवानिवृत्त कर्मियों का योगदान सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र ने सेवानिवृत्ति को जीवन के नए अध्याय की शुरुआत बताया, जबकि निदेशक (योजना एवं परियोजना) अनुप हंजुरा ने कर्मियों के अनुभव को संगठन की अमूल्य धरोहर बताया। इस अवसर पर सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को शॉल, पुष्पगुच्छ और स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

आश्रम में दिव्यांग, मंदबुद्धि निराश्रितों की सेवा, कराया गया भोजन

मानव प्रभु सेवा से बढ़कर कोई कार्य नहींः संजय सर्राफ

संवाददाता रांची: परमहंस डा० संत शिरोमणी श्री श्री 108 स्वामी सदानंद जी महाराज के सानिध्य मे श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के द्वारा संचालित विगत 2 वर्षो से चल रहे पीड़ित मानव सेवा के पावन तीर्थ स्थल मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम पुंदाग के प्रांगण में सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम (सत्य-प्रेम सभागार) राँची में मनोरंजन कुमार एवं विधु जी एवं उनके परिवार के सौजन्य से आश्रम में रह रहे 45 मंदबुद्धि दिव्यांग निराश्रित प्रभु जी एवं आश्रम में रहकर उनकी सेवा करने वाले सेवादार साथियों के बीच विभिन्न व्यंजनों के साथ अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसादी का विधिवत आश्रम के किचन में भोजन बनवाकर भोजन खिलाया गया। सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि 16 मार्च से 31 मार्च तक 16 दिनों मे 3360 निराश्रित प्रभुजी एवं उनकी देखभाल करने वाले सेवादार साथियों के बीच अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसाद का वितरण किया गया। मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम सदगुरू कृपा अपना घर (सत्य-प्रेम सभागार) में-दीपक खेतान, गीता देवी शर्मा, आलोक अग्रवाल, किरण कुमारी, निर्भय कुमार सिंह, गुलाब जी,नितिन कुमार, अशोक अग्रवाल, सरोज देवी, नीरज कुमार,मधु छावनिका, अनिल खेमका,निलेश अग्रवाल, निशा शर्मा, राजकुमार जालान, के सौजन्य से सभी निराश्रित प्रभुजी को भोजन प्रसादी खिलाकर सेवा की गई। सभी ने ट्रस्ट के सदस्यों को बहुत बहुत धन्यवाद एवं अपना अमूल्य आशीर्वाद दिया। ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि इसके अलावे कई लोगों द्वारा आश्रम में रह रहे निराश्रितो, मंदबुद्धि, दीनबंधुओं के लिए खाद्य सामग्री एवं जरूरत के समान प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि सेवा कार्यों को समाज के हर वर्ग का सहयोग और प्रोत्साहन मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानव प्रभु सेवा से बढ़कर कोई कार्य नहीं है। अन्नपूर्णा सेवा के पुनीत कार्य में ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, मनोज कुमार चौधरी, निर्मल छावनिका, सज्जन पाड़िया, पुजारी अरविंद पांडे, पुरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल,सुरेश अग्रवाल,नन्द किशोर चौधरी, संजय सर्राफ, विशाल जालान, सुनील पोद्दार, मधुसूदन जाजोदिया, विष्णु सोनी, सुरेश भगत सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

सीआईएल अंतर कंपनी बैडमिंटन प्रतियोगिता में सीसीएल टीम का शानदार प्रदर्शन, विभिन्नवर्गों में हासिल की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

निदेशक ने खिलाड़ियों से भेंट कर दी बधाई

संवाददाता रांची: सीसीएलकी टीम ने सीआईएल अंतर कंपनी बैडमिंटन प्रतियोगिता 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कंपनी का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता के समापन पर विजेताओं की घोषणा 28 मार्च 2026 को की गई, प्रतियोगिता में सीसीएल की महिला टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए टीम स्पर्धा में उपविजेता (Runner-up) का स्थान प्राप्त किया। महिला टीम की खिलाड़ियों में पूजा ठाकुर, संयमी निधि, मंजू देवी एवं मिस मालती कुमारी शामिल रहीं, जिन्होंने पूरे टूर्नामेंट के दौरान उत्कृष्ट समन्वय एवं खेल कौशल का परिचय दिया।

व्यक्तिगतस्पर्धाओं में भी सीसीएल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। संयमी निधि ने महिला ओपन सिंगल्स वर्ग में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का स्थान प्राप्त किया, जबकि वेटरन पुरुष ओपन सिंगल्स वर्ग में अविनाश कुमार तिवारी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। इन उपलब्धियों से यह स्पष्ट होता है कि सीसीएल के खिलाड़ी खेल के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर हैं।

सीसीएल के निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा तथा निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र ने खिलाड़ियों से भेंटकर उन्हें जीत की बधाई दी और उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि सीसीएल प्रबंधन अपने कर्मचारियों को खेल, सांस्कृतिक एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए निरंतर प्रेरित करता है, ताकि कर्मचारियों का बहुआयामी विकास सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में भी इसी प्रकार बेहतर प्रदर्शन करते हुए सीसीएल का नाम और अधिक ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए प्रेरित किया।

सीसीएल प्रबंधन कर्मचारियों के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्ध है और खेल गतिविधियों को स्वस्थ कार्य-संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा मानता है। सीसीएल टीम की इस उपलब्धि पर कंपनी परिवार में हर्ष का माहौल है तथा सभी ने खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी हैं।

विष्णुगढ़ दुष्कर्म मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग से आजसू पार्टी ने की शिकायत

संवाददाता रांची: हजारीबाग के विष्णुगढ़ के कुसुंभा गांव में 12 वर्षीया बच्ची के साथ जघन्य दुष्कर्म एवं हत्या के मामले में आजसू पार्टी ने राष्ट्रीय महिला आयोग से शिकायत की है। 25 मार्च को हुई इस बर्बर घटना ने सबको दहला दिया था। पार्टी के महासचिव संजय मेहता ने राष्ट्रीय महिला आयोग को आवेदन भेजकर शिकायत की है। आवेदन को राष्ट्रीय महिला आयोग ने पत्र संख्या 2014111772158 के तहत स्वीकार कर लिया है। आयोग ने इस प्रकरण में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की जिम्मेवारी अवर सचिव शिवानी तोमर को सौंपी है।

आजसू पार्टी ने इस जघन्य अपराध को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाए जाने की मांग की है ताकि दोषियों को शीघ्रतम समय में कड़ी से कड़ी सजा मिल सके। संजय मेहता ने कहा है कि महिलाओं और बालिकाओं के खिलाफ होने वाले ऐसे जघन्य अपराधों में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जा सकती।

इसके अलावा, आजसू पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। पार्टी पीड़ित परिवार के साथ पूरी तरह खड़ी है और न्याय की लड़ाई में लगातार उनके साथ रहेगी।

आजसू पार्टी ने राज्य सरकार से मांग की है कि इस मामले में त्वरित, निष्पक्ष और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। पार्टी ने कहा है की पूरे झारखंड में महिलाओं की सुरक्षा और उनके सम्मान के लिए पार्टी निरंतर संघर्षर करेगी किसी भी कीमत पर दोषियों को बचने नहीं दिया जाएगा। राज्य में नाजुक कानून व्यवस्था पर पार्टी ने चिंता व्यक्त की है।

संजय मेहता ने बताया की यह घटना बहुत ही बर्बर है। आरोपी की त्वरित गिरफ्तारी के साथ परिवार को न्याय दिलाने के पार्टी प्रयासरत है। राज्य में गिरती कानून व्यवस्था पर पुलिस प्रशासन को सोचने की जरूरत है। सरकार कानून व्यवस्था संभालने में फेल हो गयी है।

संक्षिप्त खबरें...

श्री हनुमान मंदिर का प्राणप्रतिष्ठा सह यज्ञ समारोह सम्पन्न

बुढ़मू : धर्म की जय हो,अधर्म का नाश हो,प्राणियों में सद्भावना हो,विश्व का कल्याण हो आदि गगनचुंबी जयघोषों के साथ बुढ़मू प्रखंड के बरौदी गांव में नवनिर्मित श्री हनुमान मंदिर का प्राणप्रतिष्ठा सह यज्ञ समारोह मंगलवार को सम्पन्न हो गया। इससे पूर्व आचार्य रुद्रनाथ मिश्रा, नरेंद्र किशोर वैद्य व अमन वैद्य के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हनुमान जी का प्राणप्रतिष्ठा,यज्ञ मंडप में पूजन,हवन,आरती आदि अनुष्ठान संपन्न किये गये। रात्रि में हजारीबाग के कलाकारों द्वारा भक्ति जागरण का आयोजन किया गया। यज्ञ के सफल आयोजन में समिति के मोतीलाल महतो,शिवकुमार मुंडा,राजेंद्र महतो,बलराम महतो,नरेंद्र महतो,छुन्नूलाल महतो,शम्भू साहु, बिहारी महतो आदि की सराहनीय भूमिका रही।

पिठौरिया पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हत्या और मारपीट के दो अलग-अलग मामलों में 2 आरोपी गिरफ्तार

राँची। पिठौरिया थाना पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों के वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पहला मामला थाना कांड संख्या 169/22 (दिनांक 27.10.2022, धारा 302/34 भादवि) से जुड़ा है, जिसमें हत्या के आरोपित ईदुल अंसारी, पिता इनामुल अंसारी, ग्राम मदनपुर कोकदोरो, थाना पिठौरिया को गिरफ्तार किया गया है। दूसरा मामला थाना कांड संख्या 165/25 (दिनांक 16.12.2025, धारा 126(2)/115(2)/109/3(5) बीएनएस) से संबंधित है, जिसमें जब्बार अंसारी, उम्र 56 वर्ष, पिता स्वर्गीय अफरुद्दीन अंसारी, ग्राम सांगा सियार टोली, थाना पिठौरिया को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में उपस्थापित किया गया।

सड़क हादसे में युवक की मौत, पतरातु घूमने जा रहे थे तीन दोस्त

पिठौरियाः पिठौरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत टीओपी के पास मंगलवार सुबह लगभग 6:00 को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक युवक अपने दो दोस्तों के साथ अलग-अलग बाइक से पतरातु घूमने के लिए रांची से निकला था। बताया जा रहा है कि युवक अपनी बाइक (JH 01FU 6236) से जैसे ही टीओपी के समीप पहुंचा, तभी एक तेज रफ्तार ट्रेलर (NL 01AH 3355) ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की उम्र लगभग 25 से 26 वर्ष बताई जा रही है। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई।
सूचना मिलते ही पिठौरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

साउथ प्वाइंट स्कूल में सीबीएसई द्वारा आयोजित "स्ट्रेचनिंग असेस्मेंट एवं इवाल्युसन प्रेक्टिसेस" का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

जमशेदपुर। साउथ प्वाइंट स्कूल पटमदा के प्रांगण में शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सीबीएसई द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में सीबीएसई के द्वारा रिसोर्स पर्सन के रुप में श्रीमती जसबीर कौर गिल प्राचार्या ए.आई.डब्लू.सी उच्च विद्यालय व श्रीमती प्रियंका सिंह साउथ प्वाइंट स्कूल ने भाग लिया। इस मौके पर विद्यालय प्राचार्य अरुण कुमार सिंह के द्वारा अतिथियों को पौधा एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य अरुण कुमार सिंह ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि सीबीएसई के द्वारा विभिन्न विषयो पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कराया जाता हैं इस तरह के आयोजन से शिक्षको के अंदर आत्मविश्रवास के साथ साथ बच्चों की पढ़ाई की कला की विकास होती हैं।

उपद्रवियों ने आम बागवानी लगाई आग, सैकड़ों आम के पौधे जल कर नष्ट, लगाया न्याय का गुहार

कोयलांचल संवाद संवाददाता, सिमरिया(चतरा): प्रखंड क्षेत्र के टूटिलावा गांव में उमेश रजक पिता परमेश्वर रजक का बागवानी में कुछ उपद्रवियों ने आग लगा दिया ।जिससे बागवानी में लगाए गए आम के पौधे जल कर नष्ट हो गया।जिसे लेकर भुक्तभोगी उमेश रजक ने सिमरिया थाना और प्रखंड कार्यालय को लिखित आवेदन देकर घटना की जानकारी दी है और सिमरिया थाना प्रभारी से उक्त उपद्रवियों को चिन्हित कर गिरफ्तारी की मांग की है। घटना को लेकर उमेश रजक ने बताया कि मुझे मनरेगा योजना के तहत आम बागवानी वर्षा ऋतु में मिला था।जहां मैं आम के पौधों को बखूबी अपनी निजी भूमि पर लगा कर तार से घेराबंदी किया था। परंतु बीते रात्रि अज्ञात उपद्रवियों द्वारा मेरा बागवानी में पेट्रोल डाल कर आग के हवाले कर दिया। चुकी बागवानी के इर्द गिर्द सूखे महुआ आदि का पत्ता बिखरा पड़ा था ।जिसका लाभ उठाते हुए उपद्रवियों ने आम के 112 पौधे को आग के हवाले कर दिया है।घटना को लेकर मैं प्रखंड कार्यालय को भी लिखित शिकायत किया हूं।

पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में वार्षिक उत्सव सह खेल दिवस मनाया

तमाड़ः पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय सलगाडीह तमाड़ में वार्षिक उत्सव सह खेल दिवस 2026 मनाया गया। इस अवसर पर अध्यक्षता वार्डन वैशाली मिश्रा एवं संचालन अंशकालिक शिक्षक पिंटू मोदक एवं शिक्षिका शिल्पी कुमारी ने संयुक्त रूप कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य तमाड़ दिलीप सेठ, उप प्रमुख तमाड़ शकुंतला खंडित, मुखिया अनीता देवी, विधायक प्रतिनिधि ऋषिकेश महतो, समाजसेवी लक्ष्मण सिंह मुंडा, लेखपाल गणपति महतो द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुरूआत किया गया। छात्रों के द्वारा कार्यक्रम में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कराटे का भी प्रदर्शन किया गया। खेल में विजेता टीम एवं छात्राओं को अतिथियों के द्वारा ट्रॉफी एवं मैडल देकर सम्मानित किया गया तथा गेम शिक्षिका अनस्थीसिया लुगुन को विशेष मेडल एवं ट्रॉफी देकर सम्मान किया गया।

लोहरदगा में होगा ऐतिहासिक सत्याग्रह, ट्रेड बिल के खिलाफ एकजुट हुए नेता और कार्यकर्ता

लोहरदगाः जिले में प्रस्तावित सत्याग्रह कार्यक्रम को लेकर आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि लोहरदगा में होने वाला सत्याग्रह ऐतिहासिक होगा और इसे व्यापक जनसमर्थन के साथ सफल बनाया जाएगा।
बैठक में मौजूद सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एकजुटता दिखाते हुए कार्यक्रम को जनआंदोलन का रूप देने का संकल्प लिया।
बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मोहम्मद दानिश अली ने की। उन्होंने कहा कि यह सत्याग्रह केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि किसानों, मजदूरों और युवाओं के हक की लड़ाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में लाए गए ट्रेड बिल में किसानों, मजदूरों और युवाओं के हितों को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया है, जिससे देश के बड़े वर्ग को नुकसान उठाना पड़ सकता है।
बैठक में वक्ताओं ने कहा कि इस बिल के माध्यम से बड़े कॉर्पोरेट घरानों को फायदा पहुंचाने की कोशिश की जा रही है, जबकि देश के किसान और मजदूर, जो अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, उन्हें कमजोर किया जा रहा है। युवाओं के रोजगार और भविष्य को लेकर भी इस बिल में कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया है, जिससे बेरोजगारी की समस्या और गहरा सकती है।
नेताओं ने यह भी चिंता जताई कि स्टील सेक्टर से जुड़े ड्रिलिंग और संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से देश को दीर्घकालिक नुकसान होगा। इससे न केवल प्राकृतिक संसाधनों का क्षरण होगा, बल्कि भारत की आर्थिक स्थिति पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
उन्होंने कहा कि यदि इस तरह की नीतियां जारी रहीं, तो देश की अर्थव्यवस्था कमजोर होगी और तकनीकी आत्मनिर्भरता भी प्रभावित हो सकती है।
प्रदेश महासचिव फहद खान, इमरान आजाद, विधानसभा अध्यक्ष आसिफ इमाम, गुलाम जिलानी, उपाध्यक्ष इमरोज अंसारी, आफताब अंसारी, महासचिव एरिक कुजुर, महासचिव फैयाज अंसारी, राजा अंसारी, विधानसभा उपाध्यक्ष अदनान अल्तमश, मलेकूज जफर समेत कई नेताओं ने अपने विचार रखते हुए कहा कि यह सत्याग्रह जनता की आवाज को बुलंद करने का एक मजबूत माध्यम बनेगा।
इसके अलावा विभिन्न प्रखंडों के अध्यक्षों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें कैरो प्रखंड अध्यक्ष जाहिद अंसारी, कुडू प्रखंड अध्यक्ष अल्ताफ अंसारी, किस्को प्रखंड अध्यक्ष आकिब अंसारी, लोहरदगा प्रखंड अध्यक्ष जाहिद अंसारी, सेन्हा प्रखंड अध्यक्ष मुदस्सिर अंसारी । NSUI जिला अध्यक्ष मनोवर अंसारी सहित कई युवा नेताओं ने भी कार्यक्रम को लेकर उत्साह व्यक्त किया।
बैठक में प्रखंड उपाध्यक्ष रिजवान अंसारी, जियाउद्दीन अंसारी, मोबिन अंसारी, आफताब अंसारी समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि यह सत्याग्रह जनहित की रक्षा के लिए एक निर्णायक कदम होगा और इसे ऐतिहासिक बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। अंत में यह निर्णय लिया गया कि सत्याग्रह की तैयारियों को लेकर अलग-अलग जिम्मेदारियां तय की जाएंगी और जल्द ही इसकी तिथि एवं विस्तृत रूपरेखा की घोषणा की जाएगी।

बिजली के नंगे तार से गाय की मौत, मुआवजे के लिए ग्रामीणों का प्रदर्शन

महिंद्रा टाइटेनियम वर्कशॉप के द्वारा रोड़ अवैध कब्जा से परेशान है राहगीर

ओरमांझीः ओरमांझी प्रखंड क्षेत्र के इरबा में बिजली के खंभे से झूल रहे नंगे तार की चपेट में आने से एक गरीब किसान की गाय की मौत हो गई। घटना के चार दिन बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर महिंद्रा टाइटेनियम सर्विसिंग वर्कशॉप, इरबा गेट के बाहर तेज धुप में प्रदर्शन किया।
ग्रामीणों और पशुपालक ने घंटों तक वर्कशॉप के सामने डटे रहकर मुआवजे की मांग की। ग्रामीणों का आरोप था कि संबंधित वर्कशॉप द्वारा NHAI की जमीन पर अवैध कब्जा कर सड़क को बाधित कर दिया गया है, जिससे आवागमन में परेशानी हो रही है। साथ ही गांव का पानी सड़क पर बहने से स्थिति और भी खराब हो गई है।
इस संबंध में NHAI कार्यालय से संपर्क करने पर अधिकारियों ने बताया कि वर्कशॉप को पहले भी अतिक्रमण हटाने का नोटिस दिया गया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों ने गाय की मौत के लिए वर्कशॉप प्रबंधन की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया।
सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। समाजसेवी शाकिर अंसारी ने बताया कि पीड़ित पशुपालक पिछले तीन दिनों से मुआवजे के लिए सर्विसिंग सेंटर का चक्कर काट रहा था, लेकिन उसे केवल आश्वासन मिल रहा था।
पुलिस और ग्रामीणों की मौजूदगी में प्रबंधन से बातचीत के बाद कंपनी ने मुआवजे के रूप में एक गाय देने पर सहमति जताई। प्रबंधक ने 10 दिनों के भीतर गाय उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया, जिसके बाद ग्रामीणों का प्रदर्शन समाप्त हुआ। मौके पर मुख्य रूप से मंसूर अंसारी, रिजवान अंसारी, साबिर अंसारी,साजिद अंसारी,एजाज अंसारी,आदिल हुसैन,तोहीद आलम सहित अनेकों ग्रामीण शामिल थे।

जीएम संजय कुमार सहित 14 सेवानिवृत्त सीसीएल कर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

कथारा : सीसीएल कथारा आफिसर्स क्लब में मंगलवार को सेवानिवृत्त सीसीएल कर्मियों की विदाई को लेकर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें कथारा जीएम संजय कुमार सहित 14 सेवानिवृत्त सीसीएल कर्मियों को भावभीनी विदाई दी गई। जिसमें बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।
समारोह के दौरान जिएम संजय कुमार खुद सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को शॉल ओढ़ाकर, पुष्पगुच्छ एवं उपहार स्वरूप भेंट कर सम्मानित किया ।इस अवसर पर जिएम संजय कुमार ने अपने संबोधन दौरान कर्मियों के लंबे कार्यकाल, ईमानदारी एवं समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि इन कर्मियों ने अपने कार्यों से संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
कहा कि सेवा निवृत्ति जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, लेकिन समाज और संगठन के प्रति उनका अनुभव हमेशा मार्गदर्शक बना रहेगा। वहीं, सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपने कार्यकाल के अनुभव साझा करते हुए सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।
समारोह के अंत में सभी के उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की कामना की गई साथ ही जीवन भर कमाई गई पूंजी को सही जगह उपयोग करने की सलाह दी गई ताकि भविष्य में दिक्कत ना हो।
संबोधन दौरान जिएम संजय कुमार ने जानकारी देते बताया कि कथारा क्षेत्र आज जिस स्थिति में है आगे बहुत ही स्वर्णिम होगा ।बताया कि आने वाले दिन में क्षेत्र को नए वाशरी एवं नई परियोजना भी शामिल होगा। कार्यक्रम का संचालन सुचारू रूप से किया गया और वातावरण भावुकता से भरा रहा।
सेवानिवृत्त कर्मियों में जिएम के अलावे जेहाल मंडल,केदार प्रजापति,सिबन दुषाद,जगदीश राम , रामेश्वर गोप, एमडी मुख्तार आलम,मनोहर तुरी,बिलखी देवी, एमडी आज़ाद, इलियास अंसारी, जोगेंद्र राय,जय नारायण बहादुर, रामाशीष सिंह शामिल हैं।

आनंद मार्ग एवं मारवाड़ी सम्मेलन कदमा शाखा द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित , 60 यूनिट रक्त संग्रह व 100 पौधा दान किया गया

जमशेदपुर । आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल पूर्वी सिंहभूम एवं जिला मारवाड़ी सम्मेलन कदमा शाखा द्वारा जमशेदपुर ब्लड सेंटर में रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया , जिसमें ईश्वर कोटि के मनुष्यों ने 60 यूनिट रक्तदान किया और उनके बीच 100 पौधा का वितरण भी किया गया । वहीं मौके पर सुनील आनंद ने कहा कि भगवान कृष्ण के कर्म योग के भाव में सभी रक्तदाताओं ने रक्तदान किया । कर्म योग का भाव है बिना किसी फल की आशा किए जो भी कार्य किया जाता है वह निष्काम कर्म कहा जाता है जिसमें भगवान साक्षी रहते हैं , वही है भगवान कृष्ण का कर्म योग । जितने भी रक्तदाता निःस्वार्थ भाव से रक्तदान करते हैं वह सभी लोग ईश्वर कोटि के मनुष्य हैं , कारण इस रक्तदान करने में रक्तदाता का किसी प्रकार का कोई भी स्वार्थ नहीं रहता परम पुरुष के छोटे-छोटे बच्चों के कष्ट निदान के लिए रक्तदान करते हैं इसलिए इस तरह के मनुष्य को ईश्वर कोटि के मनुष्य कहा गया है। रक्त दाताओं के बीच समीर सरकार, मारवाड़ी सम्मेलन के जिला अध्यक्ष मुकेश मित्तल ,कदमा शाखा अध्यक्ष पवन अग्रवाल, उपाध्यक्ष मनोज खेमका ,महासचिव विनोद अग्रवाल ,कोषाध्यक्ष दीपू रंगबाजिया, नरेश कुमार गुप्ता अशोक अग्रवाल, शरद अग्रवाल ,दीपू रंगबाजिया ,मनोज खेमका ,महावीर अग्रवाल ,संतोष गर्ग ,विजय गोयल, विनोद अग्रवाल,मुकेश गुप्ता ,अजय पटवारी ,मनोज अग्रवाल एवं टाटा वर्कर्स यूनियन कमेटी मेंबर ज्ञान रंजन श्रीवास्तव ने भी रक्तदाताओं को पौधा एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

कंप्यूटर विज्ञान (एआई) जुड़ी विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है - प्रधानाचार्य

खलारी- सरस्वती विद्या मंदिर करकटटा खलारी मैं मैं आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम प्रधानाचार्य कार्यशाला 30 मार्च से 1 अप्रैल 2026 मंगलवार को दूसरे दिन विधिक शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों संपन्न हुई इस कार्यक्रम की शुरुआत वंदना से की गई जिसके पश्चात कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जुड़ी विषय पर कार्यशाला में कार्यक्रम आयोजित किया गया इस प्रशिक्षण रिसोस पर्सन एक्स्ट्मार्क्स एजुकेशन के विषय प्रशिक्षण विकास कुमार दिए । इस प्रशिक्षण सत्र के पश्चात विद्यालय के भौतिक संसाधनों एवं स्थायी वस्तु पंजी का मिलान कर उसे अधतन किया गया यह कार्यक्रम संजीव के द्वारा संपन्न कराया गया वही कक्षानुसार एवं आचार्यवार समय सारिणी का निर्माण पुरुषोत्तम एवं गोविंद द्वारा संयुक्त रूप से किया गया ।
इसके अतिरिक्त आगामी शैक्षणिक सत्र 2026 - 27 के लिए वार्षिक कार्य योजना का भी निर्माण किया गया कार्यशाला के अंतिम सत्र में प्रधानाचार्य ने दिनभर की गति गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आचार्य के साथ विचार विमर्श किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए इस अवसर पर विद्यालय के सभी आचार्य एवं दीदी उपस्थित रहे कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ किया गया ।

बुढ़मूः अस्त्र शस्त्र प्रतियोगिता सह मेला का आयोजन किया गया

बुढ़मू : श्री महावीर मंडल उरूगुट्टू के तत्वाधान में रामनवमी के अवसर पर उरूगुट्टू बाजारटांड़ में अस्त्र शस्त्र प्रतियोगिता सह मेला का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उदघाटन मुख्य अतिथि पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, जिप अध्यक्ष निर्मला भगत,जिप सदस्य सुषमा देवी,आजसू के कार्यकारी अध्यक्ष हकीम अंसारी ने किया। मौके पर पूर्व सांसद ने कहा कि रामनवमी हमे असत्य पर सत्य के विजय का संदेश देता है। कार्यक्रम में बुढ़मू,खलारी,रामगढ़, हजारीबाग, चान्हो,लातेहार,चतरा समेत अन्य जगहों के 75 अखाड़ेधारियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में सभी अखाड़ेधारियों ने अपने करतब से दर्शकों का मन मोह लिया। मौके पर श्री महावीर मंडल टेंडर रातू प्रथम,फ्रेंड्स क्लब जगरनाथपुर द्वितीय व सरना टोली पुंदाग तृतीय स्थान पर रहे। बाकी सभी अखाड़ों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में समिति के अध्यक्ष लाल अमन शाहदेव, सुबोध पांडेय,रामदयाल महतो,पिंटु पांडेय, राजनाथ लोहरा,प्रदीप पांडेय,अमृत महतो,हरिहर महतो,भोला महतो,मनोज महतो आदि की सराहनीय भूमिका रही।

"प्रोजेक्ट डिवाइस" से मिला खोया हुआ मोबाइल

पाकुड़ः नव वर्ष के अवसर पर पाकुड़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे "Project Device" अभियान के तहत गुमशुदा और चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को लौटाने की दिशा में लगातार सफलता मिल रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से कुल 21 मोबाइल फोन बरामद कर संबंधित मोबाइल धारकों को थाना स्तर पर सुपुर्द किया गया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नगर थाना से 8, महेशपुर थाना से 3, लिट्टीपाड़ा थाना से 1, मुफस्सिल थाना से 2, हिरणपुर थाना से 3, अमड़ापाड़ा थाना से 1 और पाकुड़िया थाना से 3 मोबाइल बरामद किए गए हैं। इससे पहले भी पुलिस द्वारा 7 जनवरी 2026 को 5 और 19 मार्च 2026 को 19 मोबाइल बरामद कर कुल 24 मोबाइल उनके धारकों को लौटाए जा चुके हैं। लगातार मिल रही इस सफलता से आम लोगों में पुलिस के प्रति भरोसा बढ़ा है। बरामद मोबाइलों में विभिन्न कंपनियों के स्मार्टफोन शामिल हैं, जिन्हें लंबे समय से खोया या चोरी हुआ बताया गया था। पुलिस ने तकनीकी सहायता और सतत प्रयास से इन मोबाइलों को ट्रेस कर बरामद किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि "Project Device" के तहत आगे भी यह अभियान लगातार जारी रहेगा और जिले में गुमशुदा या चोरी हुए अन्य मोबाइल फोन को बरामद कर उनके असली मालिकों तक पहुंचाया जाएगा। इस अभियान में विभिन्न थाना प्रभारी एवं पुलिसकर्मियों की सक्रिय भूमिका रही, जिनके संयुक्त प्रयास से यह सफलता संभव हो सकी।

दनूआ घाटी में अनियंत्रित कंटेनर पलटा, चालक घायल, जाम के बाद यातायात हुआ बहाल

कोयलांचल संवादसंवाददाता, चौपारण(हजारीबाग): थाना क्षेत्र के दनूआ घाटी स्थित महानेटांड़ कट के पास मंगलवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया, जब एक अनियंत्रित कंटेनर (एन एल 01 ए जी 0462) अचानक पलट गया। हादसे में कंटेनर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद कंटेनर सड़क के बीचों-बीच पलट जाने से दोनों ओर से वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई, जिससे लंबा जाम लग गया और यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही चौपारण थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया, वहीं जाम उच्च हटाने के लिए क्रेन मंगाई गई। काफी मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त कंटेनर को सड़क किनारे हटाया गया, जिसके बाद धीरे-धीरे यातायात सामान्य हो सका। घायल चालक को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौपारण भेजा गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

दो पक्षों में हिंसक झड़प, चार मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त, एक घायल, रेफर

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चौपारण (हजारीबाग): प्रखंड क्षेत्र के पवई गांव में सरकारी जमीन को लेकर मंगलवार सुबह हुई मारपीट की घटना ने क्षेत्र में तनाव का माहौल पैदा कर दिया। इस मामले में दोनों पक्षों की ओर से चौपारण थाना में आवेदन दिया गया है। एक पक्ष ने जहां जानलेवा हमला और मारपीट का आरोप लगाया है, वहीं दूसरे पक्ष ने भी मारपीट व लूटपाट की शिकायत दर्ज कराई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पवई निवासी विक्रम कुमार साव (पिता – मनोज साव) ने अपने आवेदन में बताया कि 31 मार्च 2026 को सुबह करीब 7:30 बजे वे अपने साथियों—मोहित कुमार साव, श्रवण कुमार यादव, मनित कुमार साव, सुनील कुमार साव, शिवा कुमार साव एवं संदीप कुमार साव—के साथ प्राथमिक विद्यालय पवई की सरकारी जमीन पर कथित अतिक्रमण की सूचना पर वहां जा रहे थे। सभी अलग-अलग मोटरसाइकिलों से भिंड के रास्ते स्कूल की ओर बढ़ रहे थे। इसी दौरान आरोप है कि भिंड के पास पहले से घात लगाए बैठे अशोक सिंह उर्फ रामप्रताप सिंह, पवन कुमार सिंह, प्रवीण कुमार सिंह, ज्वाला प्रताप सिंह, बहादुर सिंह, मनोज सिंह, भानुप्रताप सिंह, जगदीश सिंह, सचिन कुमार सिंह, अंकित सिंह, सागर सिंह, शुभम कुमार सिंह, सुनील कुमार सिंह एवं रोहित कुमार सिंह (सभी निवासी ग्राम पवई) ने एकमत होकर हमला कर दिया। आरोप है कि सभी ने लाठी-डंडों से मारपीट की तथा चार मोटरसाइकिलों को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना में श्रवण कुमार यादव (पिता – घनश्याम यादव) गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें आनन-फानन में सामुदायिक अस्पताल चौपारण ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार, घायल श्रवण यादव दिव्यांग हैं। घटना के दौरान शोर-शराबा सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी गाली-गलौज करते हुए वहां से चले गए। पीड़ित पक्ष ने सभी नामजद आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं दूसरे पक्ष के पवन कुमार सिंह ने भी थाना में आवेदन देकर आरोप लगाया है कि संजय साव, सुनील साव, प्रेम साव, विक्रम कुमार साव, मोहित साव, उमेश साव एवं कृष्णा साव ने उनके साथ मारपीट की तथा गले से सोने की चेन छीन ली। उन्होंने भी पूर्वाग्रह से प्रेरित होकर घटना को अंजाम देने का आरोप लगाते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में प्रशासन ने बताया कि दोनों पक्षों से आवेदन प्राप्त हुआ है और मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद दोषियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें...

शादीशुदा महिला से बीच सड़क गैंगरेप की कोशिश

नालन्दा. बिहार के नालंदा में एक शादीशुदा महिला के साथ सरेआम गैंगरेप की कोशिश की गई। बीच सड़क कुछ बदमाशों ने महिला को गलत ढंग से पकड़ लिया। रेप की कोशिश का बदमाशों ने वीडियो भी बनाया। महिला ने जब थाने में इसकी शिकायत की तो आरोपियों ने गंदा वीडियो वायरल कर दिया। मामला सीएम नीतीश के गृह जिले नालंदा के नूरसराय थाना इलाके का है। पीड़िता ने थाने में शिकायत की है। पुलिस ने 2 आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। महिला शादीशुदा है। उसके 2 बच्चे हैं। उसका पति रोजगार के सिलसिले में महाराष्ट्र के नासिक में रहता है। वो अपने सास-ससुर के साथ नूरसराय थाना इलाके के एक गांव में रहती है। महिला के मुताबिक 26 मार्च की शाम वो घर से राशन लाने के लिए निकली। राशन लेकर वो घर लौट रही थी, तभी गांव के ही तीन लड़कों ने अंधेरे का फायदा उठाकर उसे पकड़ लिया। तीनों ने उसके साथ रेप करने की कोशिश की, लेकिन महिला ने किसी तरह खुद को बचा लिया।

अनंत सिंह के भतीजों को हाईकोर्ट से मिली बेल

पटना. मोकामा से बाहुबली विधायक अनंत सिंह के दोनों भतीजों राजवीर और कर्मवीर को पटना हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। अनंत सिंह की गिरफ्तारी के बाद दोनों ने पटना सिविल कोर्ट में एंटीसिपेटरी बेल फाइल की थी। यहां से रिजेक्ट होने के बाद हाईकोर्ट में अर्जी लगाई गई थी। अब पटना हाई कोर्ट ने दोनों को अग्रिम जमानत दे दी है। इनके खिलाफ भदौर थाने में दुलारचंद की हत्या में शामिल होने का आरोप था। शिकायत दर्ज कराई गई थी। बचाव पक्ष की वकील कुमार हर्षवर्धन ने बताया कि जस्टिस प्रभात कुमार सिंह के कोर्ट में सुनवाई हुई।

पटना-गैस कटर से एटीएम मशीन काटकर 30 लाख की चोरी: 3 नकाबपोश चोर सीसीटीवी में कैद

दानापुर. पटना के दानापुर के शाहपुर थाना क्षेत्र के ढिबरा मोड़ के पास मंगलवार सुबह एटीएम से 30 लाख रुपये की चोरी की गई है। चोरों ने गैस कटर का इस्तेमाल कर एसबीआई बैंक के गार्ड रहित एटीएम को निशाना बनाया। इसका एक छोटा सा वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में सुबह 4 बजे तीन नकाबपोश बदमाश एटीएम में घुसते दिख रहे। सबसे पहले सीसीटीवी कैमरों पर स्प्रे कर उसे निष्क्रिय कर दिया। इसके बाद गैस कटर से एटीएम के कैश चैंबर को काटना शुरू कर दिया। मशीन से छेड़छाड़ होते ही एसबीआई के हेड ऑफिस को इसकी सूचना मिल गई। बैंक अधिकारियों ने तत्काल दानापुर और शाहपुर थाने की पुलिस को सूचित किया। दानापुर और शाहपुर थानाध्यक्ष दलबल के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन पुलिस के पहुंचने से कुछ मिनट पहले ही चोर लगभग 30 लाख रुपये लेकर फरार हो चुके थे। चोरों की पूरी वारदात एटीएम मशीन में लगे कैमरे में कैद हो गई, जिसका फुटेज भी सामने आया है। सीसीटीवी में साफ दिख रहा है कि तीनों चोर पेशेवर अंदाज में दस्ताने पहने हुए गैस कटर से कैश चैंबर काट रहे थे। एटीएम चोरी की सूचना मिलते ही दानापुर एएसपी शिवम धाकड़ और सिटी एसपी पश्चिमी भानु प्रताप सिंह भी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली।

पटना में बाइक सवार एएसआई को ऑटो ने मारी टक्कर

पटना. पटना में मंगलवार को ऑटो ने एएसआई को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि अधिकारी हवा में उछलकर सड़क पर गिर गए और उनकी बाइक घीसटती हुई आगे चली गई। हादसे में एएसआई की वर्दी फट गई। सिर और हाथ में गंभीर चोट लगे हैं। सड़क पर गिरने के बाद एएसआई मनोज कुमार कुछ देर के लिए सड़क पर पड़े रहे। थोड़ी देर बाद जब राहगीर जुटे तो उन्हें उठाया और उन्हें पानी पिलाया। इसके बाद किसी तरह एएसआई कोतवाली थाने पहुंचे। घटना जीपीओ पुल पर हुई है। घायल एएसआई मनोज कुमार सिंह ने बताया कि कोतवाली थाने केस से संबंधित रिव्यू होना था।

बिहार की अदालतों को उड़ाने की धमकी देने वाला गिरफ्तार: मैसूर से पकड़ाया लुईस लॉ ड्रॉपआउट

पटना. पटना सिविल कोर्ट, हाईकोर्ट समेत बिहार-झारखंड की अदालतों, एयरपोर्ट, शैक्षिक संस्थानों और ट्रेन को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला श्रीनिवास लुईस (47) गिरफ्तार हो गया है। दिल्ली की साइबर पुलिस ने श्रीनिवास को कर्नाटक के मैसूर वृंदावन लेआउट से पकड़ा है। श्रीनिवास लॉ की पढ़ाई कर चुका है। इसने दिल्ली हाईकोर्ट के जज को भी धमकी दी थी। श्रीनिवास पर पटना समेत बिहार में 50 केस दर्ज हैं। पूरे देश में श्रीनिवास पर ई-मेल से 1100 केस हैं। उसके पास से लैपटॉप और कई इलेक्ट्रॉनिक गैजेट बरामद किए गए हैं। आरोपी वीपीएन का इस्तेमाल करता था। इससे आईपी एड्रेस विदेश का दिखता था। साइबर सेल ने डीएनएस लीक और सर्वर डेटा के जरिए असली भारतीय आईपी ट्रैक किया। इसके बाद लोकेशन पुख्ता हुई।

मैट्रिक में फेल होने पर दिव्यांग छात्रा ने की आत्महत्या

बाढ़. पटना के बाढ़ में मंगलवार दोपहर एक दिव्यांग छात्रा ने सुसाइड कर लिया है। वो मैट्रिक की परीक्षा में फेल हो गई थी। मैथ्स में क्रॉस लगने के कारण छात्र अंजली कुमारी (15) काफी तनाव में थी। उसे पिछले 2 साल से दिव्यांगता पेंशन भी नहीं मिली थी। अंजली दोनों पैरों से दिव्यांग है। अंजली अपने कमरे में थी। दरवाजा अंदर से बंद था। घर के लोग आराम कर रहे थे। काफी देर तक अंजली से कमरे से बाहर नहीं आई तो परिवार के सदस्यों ने दरवाजा खटखटाया, पर अंदर से अंजली ने कोई जवाब नहीं दिया। परिजन दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे तो अंजली की लाश बेड पर पड़ी थी। घटना बाढ़ थाना अंतर्गत बुढनीचक गांव की है। अंजली ने सुसाइड कैसे किया, फिलहाल क्लियर नहीं है। पड़ोसी ने बताया कि पुलिस को बिना सूचना दिए जुगाड़ गाड़ी से शव को उमानाथ ले जाया गया, जहां धार्मिक प्रक्रिया पूरी कर शव को सती स्थान के पास से गंगा में प्रवह कर दिया गया।

भागलपुर में लूट, पटना से आरोपी अरेस्ट

भागलपुर. भागलपुर के घोघा थाना क्षेत्र में लूटकांड हुआ था। इस मामले में वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले इस कांड में शामिल सात बदमाशों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। 31 जनवरी 2026 को मिर्जाचौकी-मुंगेर फोरलेन के पास राहुल कुमार से हथियार का भय दिखाकर मोबाइल फोन और अन्य सामान लूट लिया गया था। घटना के बाद पीड़ित की ओर से घोघा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया था, जिसे आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

जहानाबाद में तालाब में डूबी बच्ची, मौत

जहानाबाद. जहानाबाद जिले के धाना डीह गांव में तालाब में डूबने से चार वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब बच्ची अन्य बच्चों के साथ खेल रही थी। जानकारी के अनुसार, आकाश कुमार की पुत्री पल्लवी कुमारी अपने घर के पास स्थित सूर्य मंदिर के समीप खेल रही थी। खेलते-खेलते वह अपने साथियों के साथ तालाब के पास पहुंच गई, जहां अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह तालाब में गिर गई। घटना के समय मौजूद अन्य बच्चों ने पल्लवी को न देख शोर मचाना शुरू कर दिया। उन्होंने तुरंत परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिवार के लोग और आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और बच्ची को तालाब से बाहर निकाला।

जहानाबाद में 19 वर्षीय युवक की मौत

जहानाबाद.. जहानाबाद जिले में एक सड़क दुर्घटना में लगभग 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब युवक काम पर जा रहा था। मृतक की पहचान स्वर्गीय चंरीका पासवान के पुत्र मुन्ना कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मुन्ना कुमार अपने घर से काम के लिए निकले थे। रास्ते में एक तेज रफ्तार अनियंत्रित चार पहिया वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक सड़क किनारे गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को तुरंत जहानाबाद के सदर अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों ने बताया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही युवक की हालत गंभीर थी।

किशनगंज एसडीपीओ ने गर्लफ्रेंड के लिए खरीदी जमीन: पटना के भी डीएसपी रह चुके हैं गौतम कुमार; सहरसा डीआरडीए के ठिकानों पर भी ईओयू की रेड

किशनगंज (बिहार). बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने मंगलवार को किशनगंज के एसडीपीओ गौतम कुमार के बिहार से बंगाल तक के ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई किशनगंज के अलावा पूर्णिया, अररिया, पटना और पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में की गई। किशनगंज में ईओयू की टीम सुबह करीब साढ़े 8 बजे ही गौतम कुमार के घर और ऑफिस पहुंची। वहीं, दोपहर 12 बजे से गौतम कुमार के कार्यालय पर छापामारी शुरू हुई। करीब 8 से 10 घंटे तक छापेमारी चलने के बाद शाम 4 बजे ईओयू की टीम हर जगह से निकल गई। तीन गाड़ी में ईओयू टीम के 12 लोग पहुंचे थे। टीम ने कागजात, दस्तावेज और बाकी सामान की जांच की। एसडीपीओ गौतम कुमार के खिलाफ आय से 1 करोड़ 94 लाख अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है, जो उनकी आय से लगभग 60.27% अधिक है। गौतम कुमार फिलहाल किशनगंज में ही हैं। एसडीपीओ ने अपनी गर्लफ्रेंड शगुफ्ता खातून के नाम कई जमीन खरीदी थी। हालांकि, बाद में शगुफ्ता ने गौतम के बेटों को सभी जमीन गिफ्ट कर लौटा दिया

अवैध बालू खनन से काली कमाई का आरोप

था। इधर, सहरसा डीआरडीए वैभव कुमार के ठिकानों पर भी ईओयू ने दबिश दी है। वैभव कुमार के मुजफ्फरपुर, सहरसा समेत 6 ठिकानों पर रेड की। वैभव कुमार पर 2 करोड़ 41 लाख 14 हजार की आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में कार्रवाई की गई है।

गौतम कुमार वर्तमान में किशनगंज जिले में एसडीपीओ के पद पर तैनात हैं। इससे पहले, वे पटना में बीएमपी-5 में डीएसपी के रूप में कार्यरत थे। गौतम कुमार का सहरसा में पुश्तैनी घर है। पटना में घर बना रखा है। जबकि पूर्णिया में ससुराल है। आरोप है कि हाल के दिनों में उन्होंने जिले में अवैध बालू खनन, लॉटरी माफिया, तस्करी और लूट के कई मामलों में सक्रिय भूमिका निभाई थी, जिससे कई बड़े गिरोहों का भंडाफोड़ हुआ था। इससे काली कमाई का आरोप है। ये रेड किशनगंज के हाउसिंग कॉलोनी स्थित घर और पूर्णिया के कोरठबाड़ी स्थित उनके ससुराल में चल रही है। सूत्रों के मुताबिक ससुराल से भारी मात्रा में जेवरात मिले हैं। कैश गिनने की मशीन भी मंगाई गई है। जांच में सामने आया की गौतम कुमार ने अपने महिला मित्र शगुफ्ता खातून के नाम कई जमीन खरीदे थे, लेकिन बाद में शगुफ्ता ने डीएसपी के बेटों को सभी जमीन गिफ्ट कर दिया था। जानकारी के अनुसार गौतम कुमार पुलिस विभाग में 1994 बैच के दारोगा के रूप में पदस्थापित हुए थे। साल 1996 में उनकी पहली पोस्टिंग बतौर दारोगा के रूप में किशनगंज में ही हुई थी। पदोन्नति पाकर डीएसपी बने। अपने लंबे कार्यकाल के दौरान उन्होंने अधिकतर समय सीमांचल के चार जिलों किशनगंज, अररिया, पूर्णिया और कटिहार में ही सेवा दी। बताया जा रहा है कि छापेमारी के दौरान कई जमीन के कागजात, बैंक खातों की जानकारी, निवेश के दस्तावेज, महंगी गाड़ियां और सोने-चांदी के आभूषण से संबंधित दस्तावेज बरामद किए गए हैं। टीम उनके परिजनों और करीबी लोगों के नाम पर खरीदी गई संपत्तियों की भी जांच कर रही है।

18 से 20 जमीन के डीड बरामद

इस दौरान जांच टीम को बड़ी संख्या में जमीन से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। प्रारंभिक जांच में करीब 18 से 20 जमीन के डीड बरामद किए गए हैं, जिससे बड़े पैमाने पर संपत्ति अर्जित करने के संकेत मिल रहे हैं। छापेमारी के दौरान लगभग 29 ग्राम सोना भी बरामद हुआ है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 5 लाख रुपए बताई जा रही है। हालांकि, टीम को किसी प्रकार का नकद पैसा नहीं मिला है। जांच में यह भी सामने आया है कि उनके नाम पर आधा दर्जन से अधिक बैंक खाते संचालित हैं। सहरसा के अलावा पूरे बिहार में उनसे जुड़े कुल 6 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई, जिसमें पैतृक आवास, कार्यालय और अन्य स्थान शामिल हैं। फिलहाल ईओयू की टीम दस्तावेजों की गहन जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई जारी है।

कांग्रेस के जिलाध्यक्षों की आएगी दूसरी लिस्ट: राजेश राम बोले- सूचि में कई जाति, समूह-वर्ग के लोग छूटे

पटना. कांग्रेस ने कल बिहार में जिलाध्यक्षों की घोषणा की थी, जिसमें से अधिकतर सवर्ण जाति के हैं, इसपर बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि जिसकी जितनी हिस्सेदारी उसकी उतनी भागीदारी, ये कॉन्सेप्ट जारी रहेगा। कहा, मैं भी मानता हूं कि इस सूची में कई ऐसे जाति, समूह, वर्ग के लोग हैं, जो छूटे हुए हैं। इस सूची में कुछ वर्गों की हिस्सेदारी छूटी है जिनके नाम को आगे बढ़ाकर हम सुधार करेंगे और दूसरी सूची आएगी। पहले हमारे 40 जिलाध्यक्ष थे, मगर अभी संशोधन किया गया है। जहां विधानसभा की संख्या ज्यादा है, वहां पर काम को स्मूथ करने के लिए 13 जिला में डिवीजन किया गया है, जिसके परिणाम स्वरूप 53 जिलाध्यक्ष इस बार बनाए गए हैं।

3 अप्रैल को पटना में कांग्रेस का बड़ा आंदोलन

बिहार कांग्रेस ने घोषणा की है कि 2 अप्रैल को बिजली बिल की बढ़ोतरी

को लेकर पूरे राज्य में प्रखंड स्तर पर पार्टी प्रदर्शन करेगी। वहीं, 3 अप्रैल को पटना में बड़े आंदोलन की तैयारी है। बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि मैं यूं ही गरीबों को ठगने नहीं दूंगा। 1 अप्रैल से बिहार सरकार द्वारा बिजली बिल के दरों में बढ़ोतरी की जा रही है। वहीं एलपीजी क्राइसिस भी चल रहा है। पहले एलपीजी का मतलब 'लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस' होता था और अब इसका मतलब 'ले पाओगे' है। राजेश राम ने कहा, नीतीश कुमार और गरीब कल्याण की एक साथ विदाई, भाजपा आई, गरीबों पर गाज गिराई। गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को आर्थिक बोझ के नीचे दबाने की तैयारी है। चुनाव में इन लोगों ने गरीबों के लिए बड़े पैकेज की घोषणा की और उसमें भी हमारी घोषणाओं को कॉपी किया था। चुनाव के दौरान बिहार सरकार ने 125 मिनट फ्री बिजली की घोषणा की थी और अब इस घोषणा को विलोपित कर दिया है। इसके अंतर्गत घरेलू उपभोक्ता से 10% से अधिक और व्यावसायिक उपभोक्ता से 20% से अधिक डर की वसूली करेगी। सरकार ने बिहार की जनता को ठगा और लुभा करके वोट ले लिया।

सरकार सनातन धर्म पालन करने वालों की रक्षा नहीं कर सकी

दूसरी ओर नालंदा में हुई भगदड़ को लेकर राजेश राम ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा और जदयू की सरकार सनातन धर्म का पालन करने वालों को भी रक्षा देने में असफल है। अपने आप को सनातन धर्म का अनुयायी मानने वाली भाजपा भी आज भक्तों की रक्षा नहीं कर सकी। इसके लिए मैं संवेदना प्रकट करता हूं।

स्कॉर्पियो ने 2 बहनों को रौंदा, 50 मीटर घसीटा: एक की मौत, दूसरी गंभीर

छपरा. छपरा में 2 बहनों को एक स्कॉर्पियो ने रौंद दिया। इस दौरान एक लड़की स्कॉर्पियो के अंदर फंस गई, जिसे करीब 50 मीटर तक घसीटा। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों लड़कियों को सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक लड़की की मौत हो गई। जिसकी मौत हुई है उसका नाम खुशी कुमारी है। दूसरी लड़की अदिती का पीएमसीएच में इलाज चल रहा है। उसकी स्थिति गंभीर बनी है। घटना रामनवमी के दिन की है। इसका सीसीटीवी मंगलवार को सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो के नीचे एक लड़की फंसी है और गाड़ी तेज रफ्तार से आगे बढ़ रही है। कुछ दूरी पर लड़की उछल कर सड़क पर गिरती है। इसके बाद स्कॉर्पियो सवार भाग जाता है। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गुरकुल महिया गांव की है। ये घटना रामनवमी की है। गुरकुल महिया गांव की रहने वाली दोनों चचेरी बहनें खुशी कुमारी और अदिति कुमारी सुबह घर से पूजा करने निकली थीं। घर से करीब 400 मीटर की दूर पर शिव मंदिर है। मंदिर में पूजा के बाद दोनों लौट रही थीं। इसी दौरान अचानक पीछे से तेज रफ्तार स्कॉर्पियो आई और उन्हें रौंदते हुए आगे बढ़ गई। खुशी स्कॉर्पियो के अंदर फंसी गई, जबकि अदिति को साइड से टक्कर लगी। गंभीर रूप से घायल दोनों बहनों को अस्पताल पहुंचाया गया और घटना की सूचना पुलिस को दी गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और परिजन अस्पताल पहुंचे। इलाज के दौरान सदर अस्पताल में खुशी की मौत हो गई। वहीं, डॉक्टरों ने अदिति की गंभीर हालत को देखते हुए पीएमसीएच रेफर कर दिया। जहां उसका इलाज चल रहा है। मृतका के चचेरे भाई संजीत कुमार ने बताया कि दोनों प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थीं। रामनवमी के दिन वे शिव मंदिर में पूजा करने गई थीं और पूजा करने के बाद घर लौट रही थीं, तभी यह हादसा हुआ। यातायात थाना प्रभारी रामबालक यादव ने बताया कि इस मामले में परिजनों के बयान पर अज्ञात वाहन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। अभी तक वाहन की पहचान नहीं हो सकी है। हम लोग अलग-अलग जगहों पर लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रहे हैं, लेकिन स्कॉर्पियो का रजिस्ट्रेशन नंबर स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहा है।

ईरान-इजरायल युद्ध के बीच पेट्रोल की किल्लत: समस्तीपुर में लोग बोले- सिर्फ एक पंप पर मिल रहा तेल

समस्तीपुर. समस्तीपुर में ईरान-इजरायल के बीच जारी जंग के कारण पेट्रोल की किल्लत हो गई है। तेल नहीं आने के कारण कई पेट्रोल पंप बंद हो गए हैं। जहां पर तेल उपलब्ध है, वहां पर लंबी लाइन लगी हुई है। जिससे गाड़ी मालिकों की परेशानी बढ़ गई है। लोग कभी इस पेट्रोल पंप तो कभी उस पेट्रोल पंप पर तेल के लिए दौड़ लगा रहे हैं। स्थानीय संजीव का कहना है कि मोहनपुर रोड के एक पंप पर तेल मिल रहा है। इस कारण पूरे इलाके की भीड़ यहीं जुट गई है। ये युद्ध का असर हो सकता है। एक ग्राहक ने पंप पर कहा कि सभी पंप बंद है। मैं बेगुसराय से आया हूं और यहां तेल ले रहा हूं। सरकार को इस पर ध्यान देना पड़ेगा। शहर के बीचो-बीच स्थित स्टेशन रोड के पेट्रोल पंप पर सोमवार शाम 5 बजे से पेट्रोल नहीं मिल रहा है। जिस कारण शहर वासी को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यहां पेट्रोल लेने के लिए पहुंचने वाले लोगों ने कहा कि इस पेट्रोल पंप पर कभी ऐसी स्थिति नहीं हुई थी। कल शाम से लोग परेशान हैं। लोगों को पेट्रोल नहीं मिल रहा है। पेट्रोल पंप के कर्मियों का कहना है कि पेट्रोल नहीं आने के कारण आपूर्ति नहीं की जा रही है।

शहर के मोहनपुर पेट्रोल पंप पर लंबी लाइन

शहर के मोहनपुर रोड स्थित पेट्रोल पंप पर पेट्रोल उपलब्ध है। जिस कारण सुबह से ही यहां पर लोगों की लंबी लाइन लगी हुई है। लोगों का कहना है कि शहर में कहीं भी पेट्रोल उपलब्ध नहीं है। सिर्फ इसी पेट्रोल पंप पर लोगों को तेल मिल रहा है। जिस कारण पूरे इलाके की भीड़ यहां पर जुट गई है। भीड़ की वजह से पेट्रोल पंप की व्यवस्थापक को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सभी कर्मियों को उक्त स्थल पर लगाया गया है। पंप के कर्मी संजीव का कहना है कि पेट्रोल की कोई किल्लत नहीं है। लोग पैनिक नहीं हो।

अनंत सिंह बोले- बिहार से शराबबंदी खत्म हो

पटना. मोकामा से जदयू विधायक और बाहुबली अनंत सिंह दुलारचंद हत्याकांड में जेल से बाहर आने के बाद लगातार एक्टिव हैं। वो अपने गांव में 3 अप्रैल को दंगल भी करवा रहे हैं। भास्कर से बातचीत में उन्होंने कहा कि बिहार से शराबबंदी खत्म करने की मांग की। उन्होंने कहा, 'बिहार से शराबबंदी खत्म होनी चाहिए। शराबबंदी की वजह से यहां के युवा गलत नशा कर रहे हैं।' इसके साथ ही उन्होंने सीएम के बेटे निशांत की तारीफ की और सीएम के लिए बेहतर बताया। बीजेपी की तरफ से अनंत सिंह ने सम्राट चौधरी को बेहतर और अच्छा बताया। उन्होंने ये भी कहा कि वे अपने बेटे अभिनव को IPS बनाना चाहते हैं। वहीं, अभिनव ने कहा, 'अभी 12वीं की परीक्षा खत्म हुई है। आगे हायर स्टडीज करेंगे और अपने पिता के सपने को पूरा करने की कोशिश करेंगे।' अनंत ने कहा कि नीतीश कुमार की पार्टी से मुख्यमंत्री के लिए निशांत कुमार बेहतर विकल्प होंगे। वहीं, अगर बीजेपी से सीएम बनता है तो सम्राट चौधरी अच्छे नेता हैं। उन्होंने निशांत कुमार की तारीफ करते हुए कहा कि उनमें काफी टैलेंट है और पढ़ाई के समय उनका कोई मुकाबला नहीं था।

पटना में खाली सिलेंडर लेकर सड़क पर बैठे उपभोक्ता: गैस नहीं मिलने पर 300 लोगों ने सड़क किया जाम

फुलवारीशरीफ. पटना के फुलवारी शरीफ में मंगलवार को गैस सिलेंडर न मिलने पर उपभोक्ता नाराज हो गए और 2 किमी तक सड़क जाम कर दिया। सुबह 7 से 9 बजे तक लोगों ने नाराजगी जताई। उपभोक्ता गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी पहुंचे थे। जहां उन्हें बताया गया कि ट्रक नहीं आया है। जिसके बाद उनका गुस्सा भड़क गया। 300 की संख्या में लोग खाली सिलेंडर के साथ सड़क पर बैठ गए और ट्रैफिक पूरी तरह से रोक दिया। पटना एम्स के पास नवादा मोड़ काली मंदिर के नजदीक नेशनल हाईवे पर गाड़ियों की लाइन लग गई। इस वजह से राहगीरों को परेशानी हुई। उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि गैस बुकिंग का मैसेज तो मिल जाता है, लेकिन सिलेंडर की डिलीवरी समय पर नहीं होती। सुबह से लाइन में खड़े थे, लेकिन सिलेंडर नहीं मिला। एजेंसी के गोदाम पर भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह समस्या नई नहीं है, बल्कि थोड़े-थोड़े दिनों पर ऐसी स्थिति बन जाती है। नंबर आने के बावजूद सिलेंडर न मिलना आम बात हो गई है। कुछ उपभोक्ताओं ने

यह भी आरोप लगाया कि एजेंसी के कर्मचारी मनमानी करते हैं और कई जगहों पर चोरी-छिपे ऊंची कीमत पर गैस सिलेंडर बेचे जा रहे हैं, जबकि पंजीकृत उपभोक्ताओं को समय पर गैस नहीं मिल रहा है। सड़क जाम की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया, लेकिन उपभोक्ता अपनी मांगों पर अड़े रहे। उन्होंने गैस वितरण व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग की। उपभोक्ताओं ने प्रशासन से मांग की है कि गैस वितरण व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, ताकि आम लोगों को बार-बार इस तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। थाना प्रभारी गुलाम सहवाज आलम ने कहा कि पुलिस ने लोगों को समझाया है। उन्हें कहा गया है कि गैस सिलेंडर आते ही वितरण किया जाएगा। एजेंसी की मालिक रविंद्रन ने कहा कि भुगतान कर दिया गया है, पर ट्रक नहीं आने से परेशानी हो गई है। पुलिस से आग्रह है कि अपनी सुरक्षा में वितरण कराएं।

मुंगेर में मैट्रिक-इंटर टॉपर्स को किया गया सम्मानित: छात्रों के जवाब से संतुष्ट दिखे डीएम

मुंगेर. मुंगेर में मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा के टॉपर्स तथा टॉप-टेन में शामिल छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणिकर ने एक कार्यक्रम में इन विद्यार्थियों को मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने सभी छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और उनके प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद, उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह और जिला शिक्षा पदाधिकारी कुणाल गौरव सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित थे। समारोह में छात्रों की उपलब्धियों को सराहा गया। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि मुंगेर के छात्र-छात्राओं ने मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा में

शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है, जो पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है।

छात्राओं के बेहतर प्रदर्शन की प्रशंसा

उन्होंने विशेष रूप से छात्राओं के बेहतर प्रदर्शन की प्रशंसा की। जिलाधिकारी ने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा साबित कर रही हैं और शिक्षा के माध्यम से समाज को नई दिशा दे रही हैं। उनकी सफलता शिक्षित और सशक्त समाज के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का प्रमाण है। जिलाधिकारी ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित करें और बेटा-बेटी में कोई भेदभाव न करें। उन्होंने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि इस संकल्प को सफल बनाने के लिए समाज के हर वर्ग को आगे आना चाहिए।

छात्रों के जवाब से संतुष्ट दिखे डीएम

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने छात्रों से सवाल भी पूछे, जिनके जवाब से वे संतुष्ट दिखे। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद और अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय रहने की सलाह दी, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। उन्होंने कहा कि ये छात्र ही देश का भविष्य हैं और राष्ट्र निर्माण में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इस वर्ष मैट्रिक परीक्षा में उच्च विद्यालय मँझगाय की राखी कुमारी ने 478 अंक (95.6 प्रतिशत) प्राप्त कर जिला टॉपर का स्थान हासिल किया है। वहीं उच्च विद्यालय लोहची के ऋतिक कुमार दूसरे स्थान पर और गांधी उच्च विद्यालय के लोकेश भारद्वाज तीसरे स्थान पर रहे। इसके अलावा शांभवी कुमारी ने चौथा, श्वेता कुमारी ने पांचवां और सोनाली प्रिया ने छठा स्थान प्राप्त किया। सातवें स्थान पर प्रीति कुमारी, मोनाली कुमारी, श्यामा कुमारी, प्रिया कुमारी और कोमल कुमारी रहीं। इंटरमीडिएट परीक्षा में कला संकाय में चंद्रशेखर सिंह बालिका उच्च विद्यालय की खुशी पाण्डेय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उत्क्रमित उच्च विद्यालय शाहजहां की प्रवीण और रामपुर की नाज खातून संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान पर रहीं, जबकि रामपुर की कहकशा प्रवीण ने तृतीय स्थान हासिल किया। वाणिज्य संकाय में टाउन उच्च विद्यालय +2 के पंकज कुमार ने पहला, रिया कुमारी केशरी ने दूसरा और आरडीएसवाई कॉलेज की रितिका कुमारी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं विज्ञान संकाय में उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय हेमजापुर की साक्षी कुमारी प्रथम, गवर्नमेंट इंटर कॉलेज मुंगेर के सिद्धांत कुमार द्वितीय और उच्च विद्यालय चंदनपुरा जमालपुर के सागर कुमार तृतीय स्थान पर रहे। समारोह के अंत में सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी गई और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की

रुपये की गिरावट रोकने रिजर्व बैंक के एक्शन से बैंकों पर दबाव

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले में लगातार गिरता चला जा रहा है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत 95.30 के स्तर तक पहुंच गई है। इस वर्ष डॉलर के मुकाबले रुपए में करीब 11 प्रतिशत की गिरावट हुई है। पिछले 14 वर्षों में यह सबसे बड़ी गिरावट है। इस स्थिति को संभालने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कड़ा कदम उठाते हुए बैंकों की नेट ओपन रुपया (एनओपी) पर 100 मिलियन डॉलर की सीमा तय कर दी है। आरबीआई के निर्देश के अनुसार, सभी अधिकृत विदेशी मुद्रा डीलरों को 10 अप्रैल से प्रत्येक कारोबारी दिन के अंत में अपनी ओपन पोजीशन इस तय सीमा के भीतर रखनी होगी। इससे पहले बैंकों को अपनी कुल पूंजी के 25 प्रतिशत तक डॉलर मुद्रा रखने की छूट थी। जिससे बैंकों और डीलरों के लिए डॉलर रखने की कोई सीमा नहीं थी। रिजर्व बैंक द्वारा डॉलर की सीमा निर्धारित कर दिए जाने के कारण अब रुपए के मुकाबले डॉलर की मांग कम होगी। रिजर्व बैंक ने डॉलर और रुपए की सट्टेबाजी को रोकने के लिए यह कदम उठाया है। जिस तरह से डॉलर की कीमत बढ़ रही थी उसके साथ ही सट्टेबाजी में डॉलर मुद्रा का उपयोग हो रहा था जिसके कारण रुपए में अकारण गिरावट देखने को मिल रही थी। वित्त मंत्रालय और रिजर्व बैंक का मानना है की सीमा निर्धारित कर दिए जाने से सट्टेबाजी में रोक लगेगी। कुछ बड़े निवेशक डॉलर का उपयोग सट्टेबाजी के लिए कर रहे थे। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, रिजर्व बैंक के इस फैसले से बैंकों और ट्रेडर्स को डॉलर मे निवेश को कम करना पड़ेगा, जिससे डॉलर की मांग कम होगी, इससे रुपये को मजबूती मिलेगी। रिजर्व बैंक की इस कार्रवाई से कई दुष्प्रभाव भी देखने को मिल सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, बैंकों को 30 से 45 अरब डॉलर की पोजीशन को कम या समाप्त करना पड़ सकता है, भविष्य में डॉलर की कमी से डीलरों, बैंकों और आयातकों को नुकसान हो सकता है। हाल ही में रुपए में मजबूती जरूर आ जाएगी, लेकिन भविष्य में इसका बड़ा दुष्प्रभाव भी देखने को मिल सकता है। डॉलर मुद्रा को लेकर छोटे लेन-देन में इसका दुष्प्रभाव पड़ेगा। वहीं डॉलर मुद्रा में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। जिससे बाजार में अस्थिरता बढ़ने का खतरा है। रिजर्व बैंक ने जो सीमा निर्धारित की है, पूर्व में किए गए अनुबंध और डॉलर के लेन-देन पर इसका असर पड़ना तय है। बैंकों को इस कारण भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। सभी बैंक एक साथ डॉलर मुद्रा को इस सीमा पर लाने की कार्रवाई करते हैं, तो बाजार में डॉलर की आपूर्ति अचानक बढ़ेगी। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत में सुधार आएगा। आगे चलकर यह स्थिति भविष्य के लिए जटिल हो सकती है। बैंकों ने आरबीआई से समय सीमा को बढ़ाने की मांग की है। बैंकों ने पुराने लेनदेन और डॉलर मुद्रा के निवेश पर इस सीमा से बाहर रखने की मांग की है। बैंकों का सुझाव है, नए सौदों पर यह नियम लागू किए जाएं, ताकि धीरे-धीरे डॉलर मुद्रा के लेन-देन को लेकर संतुलन बनाया जा सके।

आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार, आरबीआई का यह कदम जरूरी था। सट्टेबाजी के कारण डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार गिर रहा था। रिजर्व बैंक ने एक ही बार में हथौड़ा पटक दिया है। इस सीमा को चरणबद्ध तरीके से लागू करना ज्यादा प्रभावी साबित हो सकता है। बैंकों की मांग नाजायज नहीं है। शेयर बाजार और बैंकों के निवेश में वह आकर्षण नहीं था जो डॉलर मुद्रा पर था जिसके कारण भारत में डॉलर मुद्रा को लेकर सट्टेबाजी बड़ी मात्रा में हो रही थी। रिजर्व बैंक की इस कार्रवाई से डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरावट को रोकने में मदद मिलेगी, लेकिन यह मदद कितने समय तक रहेगी इसका कोई आकलन रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय द्वारा नहीं किया गया। इसे जल्दबाजी में उठाया गया एक कदम माना जा सकता है। वित्त मंत्रालय और रिजर्व बैंक को इस पर गंभीरता से विचार विमर्श करने की जरूरत है। भारत के आयात-निर्यात व्यापार में एवं अन्य लेन-देन में डॉलर मुद्रा का अपना वजूद है। भारत में यदि डॉलर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं होगा, ऐसी स्थिति में और भी कई तरीके की मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। बैंकों द्वारा यदि डॉलर मुद्रा की निकासी बहुत कम समय में की गई तो ऐसी स्थिति में बैंकों को भारी नुकसान हो सकता है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज संसद के अंदर जिस तरह से विश्वास के साथ कहा है कि रुपए की गिरावट को थामने के लिए सरकार कार्यवाही कर रही है। इसका असर बाजार में देखने को मिला है। यह कितने समय तक रहेगा, इसको लेकर तरह-तरह की आशंकाएं भी जताई जा रही हैं।

मूर्ख दिवसः हमारा मजाक न बने किसी की पीड़ा का कारण

विश्वभर में 1 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'मूर्ख दिवस' केवल एक साधारण दिन नहीं बल्कि हंसी, उल्लास और हल्के-फुल्के मजाक का ऐसा अवसर है, जो लोगों को रोजमर्रा की तनावपूर्ण जिंदगी से कुछ पल के लिए राहत प्रदान करता है। इस दिन छोटे-बड़े, बच्चे-बुजुर्ग, सभी एक-दूसरे के साथ मजाक करते हैं और बिना किसी दुर्भावना के हंसी-ठिठोली के माध्यम से माहौल को खुशनुमा बना देते हैं। इस दिवस की सबसे खास बात यह है कि इस दिन किए जाने वाले मजाक आमतौर पर हानिरहित होते हैं। लोग ऐसी कल्पनात्मक या मनगढ़ंत बातें प्रस्तुत करते हैं, जिन पर सामने वाला आसानी से विश्वास कर ले और बाद में जब सच्चाई सामने आए तो दोनों पक्ष हंसी में डूब जाएं। कई बार तो बड़े-बड़े बुद्धिमान और चतुर लोग भी इस दिन मजाक का शिकार बन जाते हैं, जिससे वातावरण और भी मनोरंजक हो उठता है। यह परंपरा केवल आम लोगों तक सीमित नहीं रही है बल्कि बड़े मीडिया संस्थान, प्रतिष्ठित कंपनियां और नामी ब्रांड भी इस दिन अनोखे और रचनात्मक 'प्रैंक्स' के जरिए लोगों का मनोरंजन करते हैं। इतिहास में कई रोचक उदाहरण मिलते हैं। 1957 में बीबीसी ने 'स्पेगेटी ट्री' की खबर प्रसारित की, जिसमें बताया गया कि स्विट्जरलैंड में पेड़ों पर स्पेगेटी उगती है। हजारों लोगों ने इस पर विश्वास कर लिया। इसी तरह 1996 में बर्गर किंग ने 'लेफ्ट-हैंड व्हॉपर' बर्गर की घोषणा कर लोगों को चौंका दिया। डिजिटल युग में यह परंपरा और भी व्यापक हो गई है। सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए ऐसे मजाक कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं। हालांकि, कभी-कभी लोग सच्ची खबरों को भी 'अप्रैल फूल' समझकर नजरअंदाज कर देते हैं और बाद में पछताते हैं।

मूर्ख दिवस की उत्पत्ति को लेकर विभिन्न मत हैं। एक प्रचलित धारणा के अनुसार, प्राचीन समय में कई देशों में नया वर्ष 1 अप्रैल से शुरू होता था। जब कैलेंडर प्रणाली में बदलाव हुआ और नए साल की शुरुआत 1 जनवरी से होने लगी, तब भी कुछ लोग पुरानी परंपरा का पालन करते रहे। ऐसे लोगों का मजाक उड़ाने के लिए 1 अप्रैल को 'मूर्ख दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा। धीरे-धीरे यह परंपरा मनोरंजन का माध्यम बन गई। भारतीय संस्कृति में भले ही यह परंपरा पश्चिम से आई हो लेकिन इसके मूल में निहित भावना (हंसी, आनंद और आपसी मेलजोल) भारतीय जीवन मूल्यों से भी मेल खाती है। आज की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली में जहां लोगों के पास हंसने का समय भी कम हो गया है, वहां यह दिन एक सुखद अवसर प्रदान करता है। हालांकि, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि मजाक की सीमा शालीनता और संवेदनशीलता के भीतर ही होनी चाहिए। किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने, अपमान करने या नुकसान पहुंचाने वाला मजाक इस दिवस की भावना के विपरीत है। मूर्ख दिवस का उद्देश्य किसी को नीचा दिखाना नहीं बल्कि सबको साथ लेकर हंसना और खुशियां बांटना है। वास्तव में, शुद्ध हास्य न केवल मानसिक तनाव को कम करता है बल्कि आपसी संबंधों को भी मजबूत बनाता है। यह मन में सकारात्मकता और भाईचारे की भावना का संचार करता है। ऐसे में मूर्ख दिवस आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। अंततः कहा जा सकता है कि मूर्ख दिवस केवल मजाक का दिन नहीं बल्कि जीवन में खुशियों के छोटे-छोटे पल तलाशने और उन्हें साझा करने का उत्सव है। यदि इसे शालीनता और सद्भाव के साथ मनाया जाए तो यह दिन सचमुच हंसी के अनमोल पलों से जीवन को सराबोर कर सकता है।

संकट की घड़ी में मददगार है साथ हिन्दुस्तान का

> भारत ने अपने कार्यों से यह साबित किया है कि वह केवल एक उभरती आर्थिक शक्ति नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार और संवेदनशील राष्ट्र भी है। वसुधैव कुटुम्बकम् केवल एक श्लोक नहीं, बल्कि भारत की विदेश नीति का आधार बनता जा रहा है। जब दुनिया विभाजन और प्रतिस्पर्धा की ओर बढ़ रही है, भारत सहयोग और साझेदारी का रास्ता दिखा रहा है। ऐसे समय में भारत का यह कदम न केवल पड़ोसी देशों के लिए राहत है, बल्कि पूरे विश्व के लिए एक संदेश भी है कि सच्ची शक्ति वही है, जो दूसरों को संभालने में काम आए। भारत की इस नीति में एक खास बात यह है कि इसमें रणनीतिक हित और मानवीय दृष्टिकोण दोनों का संतुलन है। एक ओर जहां भारत अपने पड़ोसियों की मदद करके क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करता है, वहीं दूसरी ओर वह मानवीय मूल्यों को भी प्राथमिकता देता है।

मनोज कुमार अग्रवाल

संकट भरे विश्व युद्ध के कगार पर खड़ी दुनिया में भारत अपने मित्र पडोसी देशों के लिए संकटमोचक बड़े भाई की भूमिका निबाह रहा है। तनाव के इस दौर में, जब पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष ने पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति को झकझोर दिया है, ऐसे समय में भारत ने एक बार फिर अपनी परंपरागत नीति विश्व एक परिवार के आदर्श को व्यवहार में उतारकर दिखाया है। ईरान-इजरायल युद्ध के बीच दुनिया भर के देश में तेल और एलपीजी गैस की किल्लत से दो चार हो रहे हैं. हालांकि, भारत जैसे मित्र देशों के लिए ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद नहीं किया है. भारत में लगातार तेल और एलपीजी की आपूर्ति हो रही है. अभी तक कई जहाज भारत पहुंच भी चुके हैं. लेकिन भारत के कई पड़ोसी देशों में हालात बहुत चिंताजनक है. श्रीलंका भी इन दिनों तेल की आपूर्ति को लेकर चिंतित है. ऐसी स्थिति में श्रीलंका की मदद भारत कर रहा है। आपको बता दें कि युद्ध और होरमुज स्टेट में बढ़ते तनाव के कारण तेल और एलपीजी की सप्लाई बाधित हो रही है, जिससे दुनिया के कई देश गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। इस वैश्विक उथल-पुथल के बीच भारत ने अपने पड़ोसी देशों के लिए एक भरोसेमंद और जिम्मेदार साथी के रूप में भूमिका निभाई है। हालांकि भारत का यह रवैया कोई नया नहीं है। सदियों से भारतीय सभ्यता सर्वे भवन्तु सुखिनः जैसे सिद्धांतों पर अमल की रही है। आज जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं टूट रही हैं और देश अपने-अपने हितों में सिमटते नजर आ रहे हैं, भारत ने इसके विपरीत एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाया है, जहां केवल राष्ट्रीय हित ही नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और सहयोग भी प्राथमिकता में हैं।

आपको पता है कि मौजूदा घटनाक्रम में श्रीलंका को भारत द्वारा 38,000 मीट्रिक टन पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति इसी सोच का प्रमाण है। इसमें 20,000 मीट्रिक टन डीजल और 18,000 मीट्रिक टन पेट्रोल शामिल है। यह आपूर्ति ऐसे समय में की गई, जब श्रीलंका पश्चिम एशिया से तेल की आपूर्ति बाधित होने के कारण गंभीर संकट में था। श्रीलंका के राष्ट्रपति कुमारा दिसानायके और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई बातचीत के बाद यह सहायता तुरंत भेजी गई। यह केवल एक कूटनीतिक कदम नहीं, बल्कि आपसी विश्वास और सहयोग का प्रतीक है। इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर और श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ के बीच भी बातचीत हुई थी, जिसने इस सहयोग को और मजबूत आधार दिया। भारत ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के माध्यम से यह आपूर्ति सुनिश्चित की, जिससे श्रीलंका में ऊर्जा संकट को तत्काल राहत मिली। भारत की नेबरहुड फर्स्ट नीति केवल एक कूटनीतिक नारा नहीं, बल्कि एक सक्रिय और प्रभावी रणनीति के रूप में सामने आई है। श्रीलंका के अलावा भारत ने बांग्लादेश और मालदीव जैसे देशों को भी समय-समय पर ऊर्जा सहायता प्रदान की है। बांग्लादेश में भी हालात चुनौतीपूर्ण हैं।याद रहे भारत ने बांग्लादेश को अतिरिक्त 5,000 टन डीजल की सप्लाई की है. इस तरह हाल के दिनों में भारत से बांग्लादेश को कुल 15,000 टन डीजल मिल चुका है. ईरान-अमेरिका-इजरायल तनाव और होर्मुज स्टेट में व्यवधान के कारण वहां ईंधन संकट गहराता जा रहा है। ऐसे में भारत ने अतिरिक्त 5,000 टन डीजल की आपूर्ति कर तत्काल राहत पहुंचाई थी। हाल के समय में कुल 15,000 टन डीजल की आपूर्ति भारत द्वारा की जा चुकी है। यह सहयोग केवल संकट प्रबंधन नहीं है, बल्कि दीर्घकालिक रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने का माध्यम भी है। ऊर्जा क्षेत्र में यह साझेदारी आने वाले समय में दक्षिण एशिया की स्थिरता और विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जब दुनिया के कई देश अपने संसाधनों को सुरक्षित रखने में लगे हैं, भारत ने अपने संसाधनों को साझा करने का रास्ता चुना है। यह संवेदनशीलता और जिम्मेदारी भारत को वैश्विक मंच पर अलग पहचान देती है। श्रीलंका के नेताओं चाहे वह सांसद नमल राजपक्षे हों या हां डी सिल्वा ने भारत की इस मदद की खुलकर सराहना की है। यह सराहना केवल शब्दों तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत की बढ़ती साख और विश्वास को दर्शाती है। भारत ने पहले भी संकट के समय श्रीलंका की मदद की है, चाहे वह आर्थिक संकट हो या प्राकृतिक आपदा। यही निरंतरता भारत को एक विश्वसनीय मित्र बनाती है। वर्तमान स्थिति केवल एक क्षेत्रीय संकट नहीं है, बल्कि यह वैश्चिक ऊर्जा सुरक्षा का प्रश्न बन चुका है। होमुंज स्ट्रेट, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है, वहां तनाव का सीधा असर वैश्विक बाजारों पर पड़ रहा है। इस स्थिति में भारत का सक्रिय हस्तक्षेप न केवल पड़ोसी देशों को राहत दे रहा है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता को भी बनाए रखने में मदद कर रहा है। यह कदम यह भी दर्शाता है कि भारत केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार ऊर्जा साझेदार भी है। हालांकि तत्काल राहत देना जरूरी है, लेकिन इस संकट ने एक बड़ा सवाल भी खड़ा किया है कि क्या दक्षिण एशिया को ऊर्जा के मामले में अधिक आत्मनिर्भर नहीं होना चाहिए? श्रीलंका ने खुद स्वीकार किया है कि इस तरह के संकट से निपटने के लिए दीर्घकालिक रणनीति की आवश्यकता है। भारत इस दिशा में भी सहयोग कर सकता है चाहे वह नवीकरणीय ऊर्जा हो, क्षेत्रीय ग्रिड कनेक्टिविटी हो या ऊर्जा भंडारण की व्यवस्था। यदि हम हाल के इतिहास पर नजर डालें, तो कोविड-19 महामारी के दौरान भी भारत ने दुनिया के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया था। वैक्सीन मैत्री पहल के तहत भारत ने 100 से अधिक देशों को 30 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन की आपूर्ति की। यह केवल एक स्वास्थ्य पहल नहीं थी, बल्कि वैश्विक मानवता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण थी। इस अभियान के माध्यम से भारत ने यह दिखाया कि वह केवल अपने नागरिकों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए जिम्मेदार है। यह नीति आज भी ऊर्जा संकट जैसे मामलों में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। हकिकत यह है कि आज के समय में नेतृत्व केवल शक्ति प्रदर्शन से नहीं, बल्कि संकट में साथ खड़े होने से तय होता है। भारत ने अपने कार्यों से यह साबित किया है कि वह केवल एक उभरती आर्थिक शक्ति नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार और संवेदनशील राष्ट्र भी है। वसुधैव कुटुम्बकम् केवल एक श्लोक नहीं, बल्कि भारत की विदेश नीति का आधार बनता जा रहा है। जब दुनिया विभाजन और प्रतिस्पर्धा की ओर बढ़ रही है, भारत सहयोग और साझेदारी का रास्ता दिखा रहा है। ऐसे समय में भारत का यह कदम न केवल पड़ोसी देशों के लिए राहत है, बल्कि पूरे विश्व के लिए एक संदेश भी है कि सच्ची शक्ति वही है, जो दूसरों को संभालने में काम आए। भारत की इस नीति में एक खास बात यह है कि इसमें रणनीतिक हित और मानवीय दृष्टिकोण दोनों का संतुलन है। एक ओर जहां भारत अपने पड़ोसियों की मदद करके क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करता है, वहीं दूसरी ओर वह मानवीय मूल्यों को भी प्राथमिकता देता है। ऊर्जा संकट में सहायता देकर भारत ने यह सुनिश्चित किया कि उसके पड़ोसी देशों में आर्थिक और सामाजिक अस्थिरता न बढ़े, क्योंकि इसका असर पूरे क्षेत्र पर पड़ सकता है। कहा जाता है कि सच्चा मित्र वही होता है जो मुश्किल समय में साथ खड़ा हो। भारत ने बार-बार इस कहावत को सही साबित किया है। चाहे कोविड-19 का संकट हो या वर्तमान ऊर्जा संकट, भारत ने हमेशा अपने पड़ोसियों और दुनिया के साथ खड़े होकर यह संदेश दिया है कि वह केवल एक राष्ट्र नहीं, बल्कि मानवता का सच्चा साथी है। जनवरी 2021 में, भारत ने चक्रवात यासा से प्रभावित फिजी द्वीप को मानवीय सहायता प्रदान की।

डिजिटलीकरण की रफ्तार और 'डिजिटल जहर' का खतरा

> इस डिजिटल लत के दुष्परिणाम भी स्पष्ट रूप से सामने आ रहे हैं। मसलन, ध्यान में कमी, चिड़चिड़ापन, नींद की समस्या, पढ़ाई में गिरावट, सामाजिक दूरी, अकेलापन, मानसिक तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। यहां पाठकों को बताता चलूं कि हाल ही में राज्यसभा में भी इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया गया, जहां यह बताया गया कि कई बच्चे प्रतिदिन 7-8 घंटे मोबाइल स्क्रीन पर बिता रहे हैं। इससे उनकी शिक्षा, सामाजिक जीवन और नींद पर गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।विशेषज्ञों ने इस स्थिति को 'डिजिटल गुलामी' तक करार दिया है, क्योंकि बच्चे मोबाइल के बिना स्वयं को असहज महसूस करते हैं।

सुनील कुमार महला

आज हमारा देश भारत तेजी से डिजिटाइजेशन की ओर अग्रसर है, और कहना ग़लत नहीं होगा कि इसमें स्मार्टफोन विशेषकर एंड्रॉयड का सबसे बड़ा योगदान है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वैश्विक स्तर पर जहां एंड्रॉयड उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 3.9 अरब (390 करोड़) है, वहीं भारत में वर्ष 2025–2026 के अनुमान के अनुसार कुल स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 75 करोड़ (750 मिलियन) तक पहुंच चुकी है। इनमें से लगभग 89%-90% स्मार्टफोन एंड्रॉयड आधारित हैं। अर्थात सरल शब्दों में कहें तो भारत में करीब 65-70 करोड़ लोग एंड्रॉयड फोन का उपयोग कर रहे हैं।यह भी कहा जा सकता है कि आज हर 10 में से लगभग 9 लोग एंड्रॉयड फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। वास्तव में, हमारे देश में सस्ते डेटा प्लान, किफायती स्मार्टफोन और डिजिटल सेवाओं का विस्तार इस तेज़ी के प्रमुख कारण हैं। हालांकि, इस डिजिटल क्रांति का एक चिंताजनक पहलू भी सामने आ रहा है- 'डिजिटल जहर' अर्थात मोबाइल और स्क्रीन की बढ़ती लत, जो विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के लिए गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। आंकड़े इस समस्या की भयावहता को स्पष्ट करते हैं। क्या यह चिंताजनक बात नहीं है कि हमारे देश में 0-5 वर्ष के बच्चे प्रतिदिन औसतन 2.2 घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित सुरक्षित सीमा से लगभग दोगुना है। वहीं, 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चे भी औसतन 1.2 घंटे स्क्रीन देखते हैं, जबकि उनके लिए स्क्रीन टाइम शून्य होना चाहिए।

इतना ही नहीं, यदि हम यहां पर स्कूल जाने वाले बच्चों की बात करें, तो एक अध्ययन के अनुसार 62.5% बच्चों में मध्यम से उच्च स्तर की स्क्रीन लत पाई गई है, और उनका औसत स्क्रीन टाइम लगभग 4 घंटे प्रतिदिन है। एक अन्य रिपोर्ट बताती है कि भारत के 74% छात्र रोजाना 2 घंटे से अधिक स्क्रीन का उपयोग करते हैं, जिनमें से 21% बच्चे 4 घंटे से भी अधिक समय मोबाइल, गेमिंग या सोशल मीडिया पर बिताते हैं। लगभग 70% माता-पिता का मानना है कि उनके बच्चे वीडियो और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के आदी हो चुके हैं। और भी चिंता की बात यह है कि 64% बच्चे सोशल मीडिया और गेमिंग के आदी हैं, जबकि केवल 20% बच्चों में किसी प्रकार की डिजिटल लत नहीं पाई गई है।एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार आज के समय में भारत में लगभग 90% किशोरों के पास स्मार्टफोन की पहुंच है और 76% बच्चे मनोरंजन के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 ने भी डिजिटल लत को बच्चों और युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा बताया है, क्योंकि यह उनकी पढ़ाई, एकाग्रता और व्यवहार पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है।

इस डिजिटल लत के दुष्परिणाम भी स्पष्ट रूप से सामने आ रहे हैं। मसलन, ध्यान में कमी, चिड़चिड़ापन, नींद की समस्या, पढ़ाई में गिरावट, सामाजिक दूरी, अकेलापन, मानसिक तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। यहां पाठकों को बताता चलूं कि हाल ही में राज्यसभा में भी इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया गया, जहां यह बताया गया कि कई बच्चे प्रतिदिन 7-8 घंटे मोबाइल स्क्रीन पर बिता रहे हैं। इससे उनकी शिक्षा, सामाजिक जीवन और नींद पर गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।विशेषज्ञों ने इस स्थिति को 'डिजिटल गुलामी' तक करार दिया है, क्योंकि बच्चे मोबाइल के बिना स्वयं को असहज महसूस करते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय में सोशल मीडिया पर लाइक्स और कमेंट्स की होड़ बच्चों में हीन भावना, तनाव और अवसाद को बढ़ा रही है, वहीं ऑनलाइन बुलिंग जैसी समस्याएं भी उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही हैं। हाल ही में एक अमेरिकी अदालत ने भी यह माना है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का डिजाइन इस प्रकार बनाया जाता है कि उपयोगकर्ता बार-बार उन्हें इस्तेमाल करें, जिससे लत की प्रवृत्ति बढ़ती है। इस बढ़ती समस्या के समाधान के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए हैं। राज्यसभा में राष्ट्रीय स्तर पर नीति बनाने, स्कूलों में 'डिजिटल हेल्थ' को पाठ्यक्रम में शामिल करने और सोशल मीडिया तथा गेमिंग कंपनियों पर सख्त नियम लागू करने की मांग की गई है। साथ ही, अभिभावकों को यह सलाह दी गई है कि वे बच्चों पर केवल प्रतिबंध लगाने के बजाय उनसे खुलकर संवाद करें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें खेल-कूद तथा रचनात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करें।

अंततः, यह स्पष्ट है कि डिजिटल लत अब केवल एक आदत नहीं, बल्कि समाज के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने जहां अभिव्यक्ति और सूचना के नए द्वार खोले हैं, वहीं उनका अत्यधिक उपयोग बच्चों और किशोरों के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास को प्रभावित कर रहा है। यदि समय रहते प्रभावी और संतुलित कदम नहीं उठाए गए, तो इसका असर आने वाली पीढ़ियों पर गहरा और दीर्घकालिक होगा। इसलिए सरकार, शैक्षणिक संस्थान, अभिभावक और समाज-सभी को मिलकर जागरूकता, संतुलित उपयोग और सकारात्मक संवाद के माध्यम से इस 'डिजिटल जहर' से बच्चों और युवाओं को बचाने की दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे।

हर परिस्थिति में मुस्कराने की कला... दुःख में सुख खोजने का जीवन-दर्शन

कांतिलाल मांडोत

जीवन अपने आप में एक अनवरत प्रवाह है, जिसमें सुख और दुःख दोनों ही साथ-साथ चलते हैं। जैसे दिन और रात का क्रम कभी रुकता नहीं, उसी प्रकार जीवन में प्रसन्नता और पीड़ा का आना-जाना भी स्वाभाविक है। मनुष्य सामान्यतः सुख की इच्छा करता है और दुःख से बचना चाहता है, परंतु यह सत्य है कि दुःख भी जीवन का अभिन्न अंग है। यदि हम केवल सुख की अपेक्षा करें और दुःख आने पर विचलित हो जाएँ, तो हम जीवन के वास्तविक स्वरूप को समझ ही नहीं पाते। जीवन का सौंदर्य इसी में है कि हम हर परिस्थिति में संतुलन बनाए रखें और मुस्कराते हुए आगे बढ़ते रहें। मनुष्य को प्रकृति ने विवेक और बुद्धि का अद्भुत वरदान दिया है। यही कारण है कि वह कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी समाधान खोज सकता है। यदि वह चाहे तो दुःख को भी सीख में बदल सकता है और पीड़ा को प्रेरणा में परिवर्तित कर सकता है। जिस प्रकार गंदगी से ऊर्जा उत्पन्न की जा सकती है और अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएँ बनाई जा सकती हैं, उसी प्रकार मनुष्य अपने जीवन के दुःखों को भी सकारात्मक दिशा दे सकता है। यह सब उसकी सोच और दृष्टिकोण पर निर्भर करता है। दुःख का मूल कारण बाहर नहीं, बल्कि भीतर छिपा होता है। जब मनुष्य अपने कर्तव्यों से विमुख हो जाता है, जब वह असावधानी और प्रमाद में जीने लगता है, तब वह स्वयं अपने दुःखों का कारण बनता है। प्रमाद का अर्थ है, वास्तविकता को न समझना, गलत को सही मान लेना और अपने विवेक का उपयोग न करना। जब हम अपने भीतर के इस प्रमाद को पहचान लेते हैं और उससे ऊपर उठने का प्रयास करते हैं, तब हम अपने जीवन को नई दिशा दे सकते हैं। यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि रोना या विलाप करना किसी समस्या का समाधान नहीं है। दुःख आने पर यदि हम निराश होकर बैठ जाएँ, तो हम स्वयं को और अधिक कमजोर बना लेते हैं। इसके विपरीत यदि हम धैर्य और साहस के साथ परिस्थितियों का सामना करें, तो वही दुःख हमारे लिए शक्ति का स्रोत बन सकता है। जो व्यक्ति कठिनाइयों में भी मुस्कराना सीख लेता है, वही सच्चे अर्थों में जीवन का आनंद उठा पाता है। इतिहास और धर्मग्रंथों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जिन्होंने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और समता का परिचय दिया। उन्होंने अपने दुःखों को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया, बल्कि उन्हें आत्मविकास का माध्यम बनाया। यही कारण है कि वे आज भी आदर्श के रूप में स्मरण किए जाते हैं। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि दुःख स्थायी नहीं होते, वे भी समय के साथ समाप्त हो जाते हैं। इसलिए हमें उनसे घबराने के बजाय उनका सामना करना चाहिए। जीवन में असफलता और कठिनाई का आना भी उतना ही आवश्यक है जितना सफलता का। यदि जीवन में केवल सुख ही सुख हो, तो उसका कोई विशेष महत्व नहीं रह जाता। दुःख ही वह भूमि है, जहाँ से सुख के पुष्प खिलते हैं। जैसे कीचड़ में कमल खिलता है, उसी प्रकार दुःख की परिस्थितियाँ ही हमें मजबूत बनाती हैं और सफलता का वास्तविक मूल्य समझाती हैं। इसलिए हमें दुःख को शत्रु नहीं, बल्कि मित्र की तरह स्वीकार करना चाहिए, जो हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। समत्व भाव का अर्थ है, हर परिस्थिति में संतुलित रहना। जब हम सुख में अत्यधिक उत्साहित नहीं होते और दुःख में अत्यधिक विचलित नहीं होते, तब हम समत्व की अवस्था में पहुँचते हैं। यह अवस्था हमें आंतरिक शांति प्रदान करती है और हमें स्थिर बनाती है। समत्व का अभ्यास करने से हम जीवन के उतार-चढ़ाव को सहजता से स्वीकार कर पाते हैं।

हनुमान जयंती

भगवान राम के सबसे बड़े भक्त हैं हनुमान

ज्योतिषीयों के सटीक गणना के अनुसार हनुमान जी का जन्म 58 हजार 112 वर्ष पहले त्रेतायुग के अन्तिम चरण में चैत्र पूर्णिमा को मंगलवार के दिन चित्रा नक्षत्र व मेष लग्न के योग में सुबह 6.03 बजे भारत देश में आज के झारखण्ड राज्य के गुमला जिले के आंजन नाम के छोटे से पहाड़ी गाँव के एक गुफा में हुआ था,कहा जाता है किवर्षों की घोर तपस्या के बाद माता अंजना ने एक विलक्षण बुद्धि के बालक को जन्म दिया। चत्रै शुक्ल पूर्णिमा मंगलवार को मध्य रात्रि में अंजना के गर्भ से भगवान शिव अपने रुद्रदेह को त्याग कर वानररुप हनुमान बन कर अवतरित हुए। भगवान शिव ने ग्यारहवें रुद्र के रुप में अंजना के गर्भ से जन्म लिया, इसलिये शास्त्रों में हनुमानजी को रुद्रावतार कहा गया है।

माता अंजना पूर्वजन्म में पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा थी। रावण जब देवलोक गया तो इसके रूप और तेज को देख कर मोहित हो गया। रावण ने कामुक होकर इसका हाथ पकड़ लिया। अपना हाथ छुड़ा कर क्रोधित पुंजिकस्थली सीधे ब्रह्माजी के पास गई और कहा, 'आपका वरदान पाकर ऐसे दुष्ट स्वभाव के लोग देवलोक में विचरण करते रहते हैं और आपके शरणागतों के साथ अत्याचार, अनाचार करते हैं।' ब्रह्माजी ने रावण से कहा, 'यदि आज के बाद तुम किसी परायी स्त्री को बुरी नजर से देखोगे तो तुम्हारे सिरके टुकड़े-टुकड़े हो जायेंगे।' अप्सरा इससे संतुष्ट नहीं हुई। उसने ब्रह्माजी से कहा, 'मैं इससे स्वयं बदला लूँगी।'अत्रि मुनि के शाप के कारण इसी पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा ने कुंजर वानर के यहाँ जन्म लिया जिसका नाम अंजना (अंजनि) रखा गया। अंजना का विवाह वानरराज केसरी से हुआ। केसरी राक्षसों को मार कर ऋषियों की रक्षा किया करते थे। ऋषियों ने प्रसन्न होकर केसरीजी को आशीर्वाद दिया कि तुम्हारा होने वाला बालक बल, बुद्धि और विद्या से परिपूर्ण होगा। बड़ा होकर श्रीराम का अनन्य भक्त बनेगा व सारे संसार में पूजनीय एवं वंदनीय होगा।अंजना और केसरी सुमेरु पर्वत से किष्किंधा चले गये। अंजना ने मतंग ऋषि के आश्रम में एक हजार वर्ष तक तपस्या की। इसके बाद सौ वर्ष तक वैंकटेश्वर पर्वत पर तपस्या की। इस अवधि में केसरीजी ने उन्हें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। जब अंजना तपस्या कर रही थी तो त्रिदेव उनके पास पहुँचे। अंजना ने उनसे वरदान माँगा कि मेरे होने वाले पुत्र की सभी शक्तियाँ आपकी शक्तियों से बढ़ कर हों । पुत्र इस संसार में असुरों का नाश करे और देवताओं की रक्षा करे। त्रिदेव ने तथास्तु कह दिया।सृष्टि के संहारक भगवान रुद्र ने अपने प्रिय हरि की अधिकाधिक सेवा करने व कलिकाल में भक्तों की रक्षा करने के लिये पवनदेव के पुत्र और वानरराज केसरी के क्षेत्रज पुत्र के रुप में अवतरित होने का निर्णय लिया। पवनदेव ने भी अंजना को वरदान दिया कि मैं अपनी बलरुपी वह शक्ति जिससे तीनों लोक कंपायमान हो जाते हैं, तुम्हारे पुत्र को प्रदान करुँगा।जन्म के समय इनका नाम मारुति रखा गया। यह माना जाता है कि, भगवान शिव ने पृथ्वी पर मनुष्य के रुप पुनर्जन्म 11वें रुद्र अवतार के रुप में हनुमान वनकर जन्म लिया; क्योंकि वे अपने वास्तविक रुप में भगवान श्री राम की सेवा नहीं कर सकते थे। मारुति को भूख लगी लेकिन कुछ खिलाने-पिलाने के लिये अंजना माता घर पर नहीं थी। उसी समय उदयाचल से उदित हो रहे अरुणाम सूर्य को मारुति ने मीठा फल समझ लिया। वे तुरन्त आकाश में उड़े और सूर्य तक पहुँच गए। मारुति को सूर्य की ऊष्मा से बचाने के लिये पवनदेव उसी समय भी पीछे-पीछे चल रहे थे।राहु भी अपनी सेना सहित वहाँ पहुँच गया। मारुति ने इसे भी मीठा फल समझ लिया और उस पर लपके। राहु शिकायत करने इन्द्रदेव के पास पहुंच गया। इस बीच मारुति ने राहु की राक्षसी सेना का अंत कर दिया। मारुति ने सूर्य को मीठा फल समझ कर अपने मुख में रख लिया। इन्द्र ने मारूति पर वज्र से प्रहार किया तो वे मूर्छित हो गये। यह देखकर पवनदेव को क्रोध आ गया। उन्होंने तुरन्त प्राणवायु का संचार बंद कर दिया। चारों ओर हाहाकार मच गया। ब्रह्माजी सभी देवताओं के साथ पवनदेव के पास पहुँचे। उन्हांने मारुति को स्पर्श किया तो उन्हें होश आ गया।मारुति को बाल्यावस्था में ही इन्द्र, कुबरे यम, वरुण, ब्रह्मा आदि देवताओं ने अनेकों वरदान दियेऔर आशीर्वाद दिया कि तुम पर सभी अस्त्र-शस्त्र प्रभावहीन रहेंगे। देवताओं ने इन्हें इच्छा मृत्यु का वरदान भी दिया। सूर्यदेव ने गुरु बनकर विद्याज्ञान देने का वचन दिया। ब्रह्माजी ने पवनदेव से कहा, 'तुम्हारा पुत्र शत्रुओं पर हमेशा भारी पड़ेगा, युद्ध मेंअजेय रहेगा। श्रीराम-रावण युद्ध में अपनाशौर्य दिखा कर श्रीराम को अति प्रसन्नता प्रदान करेगा।' बाल-लीला करते समय मारुति ने राहु की सेना और साठ हजार मंदार नाम के राक्षसों का भी संहार कर दिया। इसलिये इनका एक नाम''राक्षसान्तक'' भी है।इन्द्र के वज्र प्रहार से मारुति की हनु (जबड़ा) टेढ़ी हो गई। हनु वक्र हो जाने से इनका नाम हनुमान हो गया। ऐसे कार्य जो मनुष्य को ब्रह्म से विमुख करते हैं, उनका हनन कर सही मार्ग की ओर अग्रसर करने वाले को भी हनु (हनन करने वाला) कहते हैं। अपनी इस विशेषता के कारण भी ये हनुमान हैं।पाँच वर्ष की अल्प आयु में हनुमान विद्या अध्ययन के लिये अपने गुरु सूर्यदेव के पास पहुँच गए। सूर्यदेव ने मन में बालकों का खेल समझ कर बहाना किया। उन्होंने हनुमान से कहा, 'मेरा तेज बहुत प्रचंड एवं असहनीय है। पीठ के पीछे बैठा कर शिक्षा नहीं दी जा सकती है। मेरे रथ में तुम्हारे बैठने के लिये प्रचुर स्थान उपलब्ध नहीं है। शिष्य तो गुरु के चरणों में बैठा हुआ ही अच्छा लगता है। लेकिन स्थानाभाव के कारण यह सम्भव नहीं है।' प्रखर बुद्धि हनुमान को कहना पड़ा,'गुरुदेव आपका वेग तो मेरे एक कदम के बराबर है।' मैं आपको अपनी पीठ नहीं दिखाऊँगा।हनुमान ने भास्कर की ओर मुख करके पीठ की तरफ पैरों से प्रसन्नमन आकाशमार्ग में बालकों के खेल के समान गमन किया। मैं पीछे-पीछे पैर रख कर सदा आपके सन्मुख ही बना रहूँगा। आप कहते हैं कि आपका तेज असहनीय है, इसे मैं हर लूँगा और आप मेरे तेज से प्रकाशमान रहेंगे।हनुमान ने चौदह विद्याएँ चौदह दिन में सीख ली। इससे सूर्यदेव का तेज कम हो गया। गुरुशिष्य से प्रश्न पूछते थे लेकिन शिष्य द्वारा दिये गये उत्तर को समझ नहीं पाते थे। सूर्यदवे सोचनेलगे, इस चंचल वानर को विद्या प्रदान करने का वचन मैंने क्यों दिया होगा? अन्ततः सूर्यदेव ने श्रीहरि से विनती की, मेरे गुरु-पद की लाज अब आपके हाथ में है। श्रीहरि ने हनुमान को समझाया कि गुरु को पूरा सम्मान दो, शास्त्रों की मर्यादा रखो। तुम्हारी विद्या को इस संसार मेंलुप्त करनेवाला न कोई है और न कोई होगा।अपनी शिक्षा को जारी रखो। पुनः अपने गुरु के पास जाओ, उनकी मर्यादा का सम्मान करो। इस तरह श्रीहरि ने गुरु और शिष्य के बीच समन्वय स्थापित करा दिया। हनुमान ने अठ्ठारह मास तक अपने गुरु से शिक्षा ग्रहण की। इस अवधि मेंअपने गुरु को पूर्ण सम्मान दिया। गुरु की मर्यादा और सम्मान का पूर्ण खयाल रखा। हनुमान ने जिस आश्चर्यपूर्णतरीके से विद्याध्ययन किया वह वास्तव में तीनां लोकां को चकित कर देने वाला है।शिक्षा ग्रहण के इस अचरज भरे खेल को देखकर इन्द्रादि लेकपाल, विष्णु, रुद्र और ब्रह्मा की आँखें चौंधिया गई ।शिक्षा पूर्ण होते ही हनुमान ने विनम्र होकर अपने गुरु से गुरु-दक्षिणा माँगने के लिये निवेदन किया तो सूर्यदेव ने कहा,' मेरा पुत्र सुग्रीव वानररुप में तुम्हें मिलेगा। जब तक उसे प्रभु श्रीराम नहीं मिलें तब तक तुम उसकी रक्षा करना।' अपने गुरु की आज्ञा को हनुमान ने पूर्ण सम्मान प्रदान करते हुए आगे चल कर वानरराज सुग्रीव को भी पूर्ण सम्मान प्रदान किया, उनकी रक्षा की और उन्हें ब्रह्म से मिलाकर हमेशा के लिए भयमुक्त भी किया।हनुमान बचपन में बहुत चंचल थे और ऋषि-मुनियों के आश्रम में जाकर उन्हें बहुत परेशानकरते थे। उनकी इस चंचलता से माता-पिता भी बहुत परेशान थे। दण्ड के रुप में अंगिरा और भृगुवंशियों ने हनुमान को अपनी शक्तियाँ दीर्घकाल तक भूलने का शाप दे दिया। साथ ही यह भी अवगत करा दिया कि यदि कोई तुम्हें तुम्हारी शक्तियों का स्मरण करायेगा तो शक्तियाँ पुनः प्राप्त हो जायेंगी। भृगु ऋषियों द्वारा दिये गये इस शाप की जानकारी केवल जामवंतजी को ही थी। इस शाप के बाद हनुमान का व्यवहार बहुत ही सौम्य और शिष्ट हो गया।सुग्रीव के सचिव पद से ही प्रारम्भ होती है हनुमान चरित्र की यात्रा। यहीं इन्हांने अपने स्वामी श्रीराम को पहचाना और उनके दास बन गये। जामवंत हनुमान से कहते हैं- 'हे बलवान! क्या चुप साध रखी है, पवन पुत्र हो, बल में पवन के समान हो, बुद्धि, विवेक और विज्ञान की खान हो।श्रीराम के कार्य के लिये तुम्हारा अवतार हुआ है। जगत मेंऐसा कौन सा कठिन काम है जो तुमसेन हो सके।' यह सुनकर हनुमानजी पर्वत के आकार के अत्यन्त विशालकाय हो गये। जामवंत के मार्गदर्शन ने हनुमानजी की लघुता को प्रभुता में सुप्तावस्था से जाग्रत अवस्था में आ गयीं।परिवर्तित कर दिया। हनुमानजी की सभी शक्तियाँ हनुमानजी, श्रीरामजी के दास्यभक्ति रस में ऐसे डूबे कि स्वयं भगवान श्रीराम हनुमानजी केकृतज्ञ होकर स्वयं को उनका आजीवन ऋणी मान बैठे। हनुमान राक्षसान्तक हैं मनुष्यान्तक नहीं, इसका उदाहरण महाभारत का युद्ध है। हनुमान अर्जुनके रथ की ध्वजा पर बैठे हैं, गुरु द्रोणाचार्य और भीष्म पितामह के शस्त्र प्रहारां से पाण्डव सेनाभयभीत है। हताश-निराश अर्जुन, हनुमान से कहते हैं, 'आप इनके अस्त्र-शस्त्रों से इतने भयभीत क्यों हैं? 'हनुमान कहते हैं,' कौरवों की सेना में वीर तो हैं पर ऐसे वीर नहीं हैं जिनसे मैं युद्ध कर सकूँ। मेरी गर्जना को सुन कर तीनों लोकां के राक्षस काँपने लगते हैं। इस युद्ध में वीर तो हैं परराक्षस नहीं हैं। मनुष्यों पर बल प्रयोग और अपना पराक्रम प्रकट करने में बहुत संकोच हो रहा है। क्योंकि मैं मनुष्यान्तक नहीं हूँ।'''भारत में पारथ के रथकेतु कपिराज'' हनुमान ने भीषण गर्जना करने से मना कर दिया।उन्होंने कहा, 'मैं अपनी किलकारी को भीम की गर्जना में मिला दूँगा। मेरी किलकारी का असरकौरव सेना पर ही होगा। आसपास मेंरह रहे अन्य सभी प्राणी-भयमुक्त बने रहेंगे।' हनुमान कीकिलकारी और भीम की गर्जना से कौरव सेना मूर्छित हो गयी। मूर्छा अर्जुन को भी आयी लेकिन उन पर हनुमानजी की कृपादृष्टि थी इसलिये बेहोश नहीं हुए। हनुमानजी ने कहा,' हे अर्जुन! मैं कौरवों की सेना पर प्रहार नहीं करुँगा। मैं भीम की गर्जना और तुम्हारे गाण्डीव की टंकार के साथ अपनी किलकारी मिला दूँगा जिससे कौरव सेना भयभीत हो जायेगी और तुम आसानी से उनका संहार कर सकोगे।' हनुमान दिव्य अस्त्रां से अर्जुन की रक्षा करते रहे। भीष्मपितामह, द्रोणाचार्य औरकर्ण जैसे महान वीरों को भी कहना पड़ा, 'हे पवनसुत! हमारी रक्षा करो।' अन्ततः पाण्डव विजयी हुए। यदि हनुमानजी नहीं होते तो पाण्डवों की हार सुनिश्चित थी। हनुमानजी ने कौरव सेना पर प्रहार नहीं किया, किसी भी मनुष्य का संहार नहीं किया, क्योंकि हनुमान राक्षसान्तक हैं मनुष्यान्तक नहीं।कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को भी हनुमानजी का जन्म महोत्सव मनाया जाता है। लंका विजय के बाद जब श्रीराम अयोध्या लौटे तो उनके साथ वानर भालू भी थे। अयोध्या से विदा करते समय सीतामाता ने इन्हें यथायोग्य पारितोषिक दिये। कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी के दिन सीतामाता ने अपनी रत्नजड़ित मोतियों की बहुमूल्य माला हनुमानजी को पहनायी। इस माला के मोतियों में रामनाम नहीं था। वे इस पारितोषिक से संतुष्ट नहीं हुए।वे मणियों को तोड़ते और फेंक देते । वहाँ उपस्थित समुदाय को यह अनुचित लगा। उनका कहना था, ब्रह्मचारी हैं इसलिये मणियांका महत्त्व नहीं समझते। माला तोड़ कर जनकनन्दिनी का अपमान कर रहे हैं। ज्ञानिनामग्रगण्य हैं लेकिन कपि संस्कार नहीं छूट सकता। इनके बारे में जो कुछ भी कहा जा रहा था वह विभीषणजी को अच्छा नहीं लगा। विभीषणजी ने उनका हाथ पकड़ कर कहा, 'बहुमूल्य मणिमाला को क्यों तोड़ रहे हो?' हनुमान ने कहा, 'यह माला आपके लिये बहुमूल्य हो सकती है मेरे लिये नहीं। जिसमें रामनाम नहीं हो वह मेरे लिये व्यर्थ है।' सभी ने आश्चर्य से उनकी ओर देखा तो उन्होंने अपने नखों से अपने वक्षःस्थल को विदीर्ण कर उपस्थित समुदाय को अपने हृदय में राम-लक्ष्मण और सीता के साक्षात दर्शन करा दिये। आश्चर्यचकित होकर सभी ने एक स्वर में श्रीरामोपासक हनुमान का जयघोष किया।हनुमानजी के चेहरे पर निराशा के भाव देख कर सीतामाता ने अपने ललाट पर लगा सौभाग्य का प्रतीक इन्हें देते हुए कहा,' इससे बढ़कर बहुमूल्य वस्तु मेरे पास नहीं है। इसे सहर्ष स्वीकार कर धारण करो और सदैव अजर-अमर रहो।' इसलिये कुछ लोग कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को भी इनका जन्मोत्सव मनाते हैं व इन्हें सौभाग्य का प्रतीक सिंदूर एवं तेल चढ़ाते हैं।सीतामाता पूजा-पाठ करके बाहर निकली तो हनुमान ने उन्हें प्रणाम किया। माँ ने आशीर्वाद दिया तो वे माँ के मुख को निहारने लगे। उन्हांने माँ की माँग में सिन्दूर की लाली देखी तो जिज्ञासावश पूछ लिया,' माँ आपकी माँग मेंयह लाली क्यों ? 'माता ने हँस कर कहा, 'तुम ब्रह्मचारी हो इसलिये समझ नहीं सकोगे। यह प्रत्येक नारी के लिये सौभाग्य का प्रतीक है। इससे तुम्हारे प्रभु प्रसन्न होते हैं। माँग में सिन्दूर लगाने से स्वामी दीर्घायु होते हैं।' हनुमानजी ने मन ही मन सोचा जब माँ की इतनी सी सिन्दूर लालिमा से प्रभु प्रसन्न हो जाते हैं, दीर्घायु हो जाते हैं तो इसे पूरे शरीर पर लगाने से प्रभु का असीम प्रेम मिल सकता है।

प्रभु का असीम अनुग्रह पाने के लिये व उनकी दीर्घायुष्य कामना के लिये इन्हांने अपने सारे शरीर में सिंदूर पोत लिया। जब श्रीराम ने हनुमान को देखा तो कहा, 'तुम्हारा यह भेष मुझे अच्छा लगा।' हनुमान उनके चरणों में गिर कर बोले, 'प्रभु ऐसे ही शरारत सूझ गई थी।' प्रभु श्रीराम ने उनके मस्तक पर हाथ रख कर आशीर्वाद दिया और अपने भक्त के भोलेपन को देख कर कहा, 'बहुत रुचिकर लग रहा है तुम्हारा यह स्वरुप।'जनक नन्दिनी भी उन्हें देख कर मुस्कुरायी और आशीर्वाद देते हुए बोली, 'अच्छे लग रहे हो।'हनुमानजी का मुख प्रसन्नता से खिल उठा। तभी से इनका एक नाम ''सिन्दूरूरूरारुण विग्रह'' भी है।हनुमानजी अजर-अमर हैं। वर्तमान काल में 28वें महायुग के सत्य त्रेता और द्वापर बीत कर 28वां कलयुग चल रहा है। इस कलयुग में ''रबि बालबरन-तनु'' उदयकाल के सूर्य के समान लाल देहधारी हनुमान अदृश्यरुप में रहते हुए यहाँ-वहाँ विचरण करते रहते हैं। जहाँ-जहाँ रामकथा होती है वहाँ ये अवश्य जाते हैं, क्योंकि ये रामकथा से कभी तृप्त ही नहीं होते हैं। अदृश्य रह कर ही ये अपने भक्तों की सहायता करते रहते हैं। भगवान राम के सबसे बड़े भक्त हनुमानजी अजर-अमर हैं भगवान राम के सबसे बड़े भक्त हैं हनुमान

देश का इकलौता मंदिर आंजन धाम, जहां मां अंजनी की गोद में हैं हनुमान

झारखंड के गुमला जिले से 21 किलोमीटर दूर आंजन धाम मनोरंजन के लिए अच्छी जगह है. घने जंगल व पहाड़ इस क्षेत्र की सुंदरता बढ़ाते हैं. भगवान हनुमान का जन्म यहां होने के कारण यह विश्व विख्यात है. यहां माता अंजनी के गर्भ से भगवान हनुमान का जन्म हुआ था. इस वजह से इसकी ख्याति दूर-दूर तक है. यहां देखने के लिए कई प्राचीन धरोहर हैं. पहाड़ की चोटी पर भगवान हनुमान का मंदिर है. यह पूरे देश में पहला मंदिर है, जहां माता अंजनी की गोद में भगवान हनुमान बैठे हुए हैं. यहां की हसीन वादियां दिल को रोमांचित करती हैं. इस क्षेत्र के लोग आज भी खुद को हनुमान का वंशज मानते हैं. यह ऋषिमुनियों की तपोभूमि भी रही है. पहाड़ पर स्थित मुख्य मंदिर पर चढ़ने से आसपास के गांवों का नजारा काफी सुंदर दिखता है.

पहाड़ पर स्थित मंदिर तक पहुंचने के लिए तीन रास्ते हैं. एक रास्ता बीच से है, जो पक्की सीढ़ी की बनी हुई है. वहीं बायीं और दाहिनी ओर से ऊपर मंदिर जाने के लिए एक-एक रास्ता है. जिसमें बीच वाले सीढ़ीनुमा रास्ते एवं बायीं ओर के पगडंडी वाले रास्ते में रूफ फ्रेमिंग (शेड) का निर्माण किया गया है. मंदिर में चबूतरा एवं मंदिर के ऊपर बांस छत बनाने एवं रंगरोगन सहित अन्य फिनिशिंग का काम चल रहा है. मंदिर की सीढ़ी पर चढ़ने पर बांस की छत सुंदरता बढ़ाती है.

आंजन गांव स्थित मंदिर में अंजनी माता, भगवान हनुमान, राधा कृष्ण, राम लक्ष्मण व सीता समेत भगवान शिव की प्रतिमा स्थापित है. यहां 360 शिवलिंग व उतने ही तालाब हैं. आंजन पहाड़ी पर स्थित चक्रधारी मंदिर में आठ शिवलिंग दो पंक्तियों में स्थापित हैं. मंदिर के नीचे सर्प गुफा है. पहले गुफा में मिट्टी का एक टीला था, गुफा पूरी तरह बंद था और वहीं सांप को देखा जाता था, लेकिन दो साल पहले गुफा के रास्ता को खोल दिया गया है. 15 सौ फीट से अधिक लंबी गुफा के अंदर रास्ता है. आंजन गुमला से 21 किमी दूर है. गांव तक जाने के लिए पक्की सड़क है. गांव के बाद मुख्य मंदिर तक जाने के लिए भी सड़क बन गयी है. यहां ठहरने की व्यवस्था नहीं है. गुमला में होटल में रुका जा सकता है. वहां जाने के लिए पानी व खाने पीने के समान साथ में लेकर जाना होगा. यह पूरा इलाका ग्रामीण क्षेत्र है. आने जाने के लिए टेंपो की सुविधा है. अपनी सुविधा से जाना होगा. आंजनधाम जाने पर समय का पूरा ख्याल रखें.

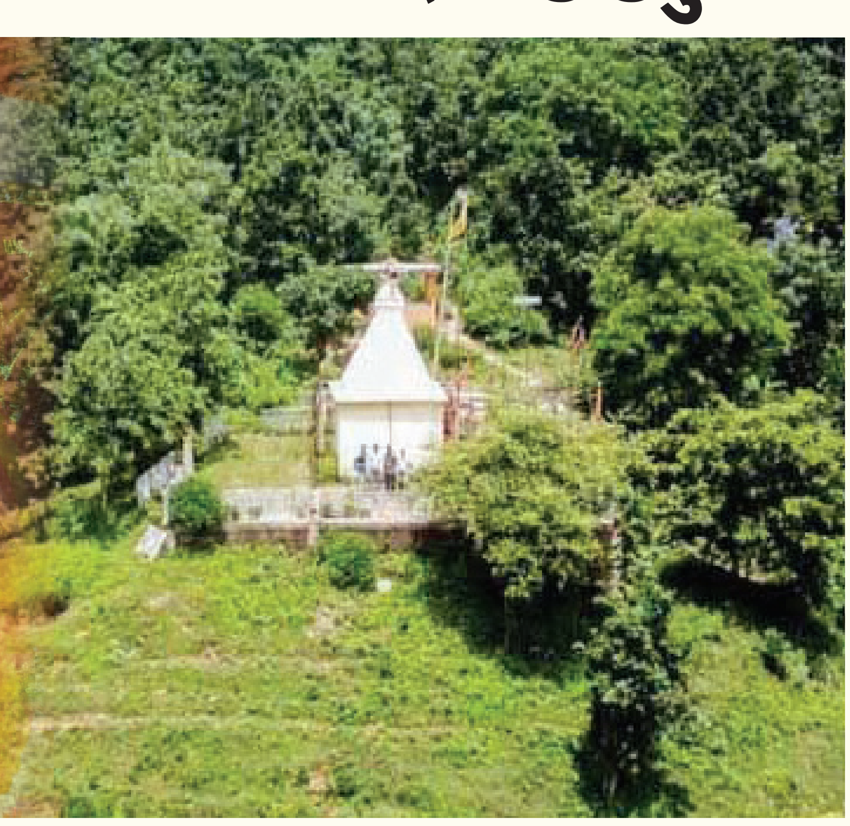

ईरान युद्ध से भारत की जीडीपी को झटका! ईवाई का अनुमान- 1% तक घट सकती है ग्रोथ

ईरान युद्ध अगर अगले वित्त वर्ष तक जारी रहता है, तो भारत की रीयल जीडीपी ग्रोथ में करीब 1 फीसदी की कमी आ सकती है, जबकि खुदरा महंगाई दर करीब 1.5 फीसदी तक उछल सकती है। ईवाई की एक रिपोर्ट में यह जानकारी में सामने आई है। ईवाई की इकॉनमी वॉच रिपोर्ट के अनुसार, टेक्सटाइलस, पेंट, केमिकलस, फर्टिलाइजर्स, सीमेंट और टायर जैसे रोजगार-प्रधान सेक्टर्स पर इसका सीधा असर पड़ सकता है। इन सेक्टर्स में रोजगार या आय में कमी आने से कुल मांग भी कमजोर हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक तेल बाजार में उतार-चढ़ाव से सप्लाई और डिमांड दोनों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। भारत अपनी करीब 90 फीसदी कच्चे तेल की जरूरत आयात करता है और नेचुरल गैस व फर्टिलाइजर्स के लिए भी काफी हद तक आयात पर निर्भर है। इसलिए ऐसे बाहरी झटकों को लेकर भारतीय अर्थव्यवस्था ज्यादा संवेदनशील है। कच्चे तेल और ऊर्जा से जुड़े मजबूत संबंधों के चलते इसका असर कई अन्य क्षेत्रों तक फैल सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने वैश्विक कच्चे तेल और ऊर्जा बाजार को काफी प्रभावित किया है, जिसमें आपूर्ति, भंडारण, परिवहन और कीमतों पर असर पड़ा है। भले ही संघर्ष जल्द खत्म हो जाए, लेकिन इन व्यवधानों को सामान्य होने में समय लग सकता है। ईवाई ने कहा, अगर ईरान युद्ध का असर पूरे FY27 तक बना रहता है, तो भारत की रीयल जीडीपी ग्रोथ करीब 1 फीसदी घट सकती है, जबकि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर लगभग 1.5 फीसदी बढ़ सकती है। ईवाई ने फरवरी में अपनी रिपोर्ट में FY27 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.8 से 7.2 फीसदी के बीच रहने का अनुमान जताया था। ईवाई के अनुसार, इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार को मजबूत काउंटर-साइक्लिकल नीति अपनाने की जरूरत पड़ सकती है। इसमें बड़े और औद्योगिक राज्यों को भी शामिल करना जरूरी होगा। साथ ही FY26 में बनाए गए इकॉनमिक स्टेबलाइजेशन फंड (ESF) को और मजबूत करने की आवश्यकता हो सकती है। सरकार पहले ही 1 लाख करोड़ रुपये का ESF बना चुकी है, जो वैश्विक जोखिमों से निपटने के लिए वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है।

पश्चिम बंगाल में अधिकारियों के ट्रांसफर पर निर्वाचन आयोग को कोर्ट से राहत

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के ट्रांसफर को चुनौती देने वाली जनहित याचिका कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मंगलवार को खारिज कर दी। निर्वाचन आयोग को राहत प्रदान करते हुए कोर्ट ने कहा कि मतदान से पहले प्रशासनिक तबादलों पर कोई रोक नहीं है। दरअसल याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए दावा किया था कि मुख्य सचिव, गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों के बड़े पैमाने पर तबादले राज्य के प्रशासनिक कामकाज को प्रभावित करेंगे और निर्वाचन आयोग के आदेशों को निरस्त किया जाना चाहिए। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने याचिका खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि निर्वाचन आयोग के अधिकारी अपने निर्णय लेने में स्वतंत्र हैं और उन्हें मनमाने तौर पर चुनौती नहीं दी जा सकती। यहां बताते चलें कि पश्चिम बंगाल में 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में आयोजित होगा। प्रथम मतदान 23 अप्रैल को और अंतिम 29 अप्रैल को होगा, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। अदालत का यह निर्णय निर्वाचन आयोग के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है, क्योंकि चुनाव से पहले प्रशासनिक स्थिरता बनी रहती है।

सूरत की बिल्डिंग में आग, 5 की मौतः इनमें चार महिलाएं, एक बच्चा शामिल, घर में रखा था 8 टन साड़ियों का स्टॉक

सूरतः गुजरात के सूरत में एक मकान में मंगलवार दोपहर को आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 4 महिलाएं और एक बच्चा शामिल है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। पड़ोसियों से मिली जानकारी के मुताबिक, शहर के लिंबायत इलाके का यह मकान एक व्यापारी का है, जिसमें करीब 8 टन साड़ियों का स्टॉक रखा हुआ था। इससे घर में पैदल चलने तक की जगह नहीं बची थी। इसी के चलते आग इतनी तेजी से भड़की कि किसी को बचने का मौका नहीं मिला।

मृतकों के नाम

शाहनाज बेगम अंसारी (उम्र 65 वर्ष)
हुसा बेगम अंसारी (उम्र 18 वर्ष)
शबीन अंसारी (उम्र 28)
परवीन अंसारी (उम्र 19)
शुभान अंसारी (उम्र 4)

अवैध गोदामों पर होगी कार्रवाईः घटना की सूचना मिलते ही सूरत नगर निगम (एसएमसी) के मेयर दक्षेश मावानी मौके पर पहुंचे. उन्होंने इस घटना को अत्यंत दुखद बताते हुए कहा, "घर में भारी मात्रा में कपड़ा रखा था, जिसने बचाव कार्य को असंभव बना दिया." मेयर ने घोषणा की है कि एसएमसी और पुलिस की टीमें अब सभी रिहायशी इलाकों का सर्वे करेंगी. यदि किसी भी आवासीय इमारत में व्यवसायिक या खतरनाक सामान पाया जाता है, तो उसे तुरंत सील कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

अवैध रिश्ते से जन्मी संतान को भी पेंशन का अधिकार, हाईकोर्ट का अहम फैसला

पहली पत्नी को कानूनी हकदार मानते हुए भी बेटी के अधिकार को दी मान्यता, फैसला बन सकता है नजीर

कोलकाता,(ईएमएस)। कोलकत्ता हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है, कि अवैध रिश्ते से जन्मी संतान को भी पेंशन का अधिकार मिल सकता है। अदालत का यह निर्णय भविष्य में ऐसे मामलों के लिए एक अहम नजीर बन सकता है। यह मामला पूर्वी रेलवे में कार्यरत एक गेटमैन से जुड़ा था, जिसने अपनी पहली पत्नी को बिना तलाक दिए दूसरी शादी कर ली थी। रिटायरमेंट के बाद उसने अपनी सर्विस और पेंशन बुक में पहली पत्नी और बेटे के बजाय दूसरी पत्नी और उससे जन्मी बेटी का नाम दर्ज करा दिया। पहली पत्नी ने इस फैसले को चुनौती देते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया। महिला का कहना था कि उसे मिर्गी की बीमारी के चलते पति ने छोड़ दिया और बिना जानकारी दिए दूसरी शादी कर ली। उसने यह भी आरोप लगाया कि 2012 के बाद से उसे कोई गुजारा भत्ता नहीं मिला, जबकि पहले उसे हर महीने 1000 रुपये देने का आदेश था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष यह स्पष्ट हुआ कि दंपति के बीच कानूनी रूप से तलाक नहीं हुआ था।

बीजेपी का केरलम में एम्स का वादाः बुजुर्गों-महिलाओं को 3000 पेंशन; असम में बांग्लादेशी मुस्लिमों की कब्जाई जमीन वापस लेने की घोषणा

नई दिल्लीः केरलम के तिरुवनंतपुरम में मंगलवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने पार्टी का मेनिफेस्टो जारी किया। भाजपा ने केरलम में एम्स बनाने और तिरुवनंतपुरम से कन्नूर तक हाई-स्पीड रेलवे नेटवर्क विकसित करने का वादा किया है। घोषणापत्र में जरूरतमंद महिलाओं को 'भक्ष्य आरोग्य सुरक्षा कार्ड' देने का वादा किया गया है, जिसके तहत हर महीने 2500 दवाइयों और राशन के लिए दिए जाएंगे। 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों, विधवाओं और जरूरतमंद महिलाओं को 3000 मासिक पेंशन देने की घोषणा की गई है।

भाजपा ने इससे पहले असम के लिए भी मेनिफेस्टो (संकल्प पत्र) जारी किया। इसमें लव जिहाद पर एक्शन, घुसपैठियों से कब्जाई जमीन वापस लेने, राज्य में यूसीसी लागू करने, युवाओं को 5 साल में 2 लाख नौकरियां देने का वादा किया है। पत्र में कुल 31 वादे किए गए हैं।

नबीन बोले- केरलम में कमल खिलेगा, हमारा वोट शेयर 2% से 20% हुआ

केरलम में नितिन नबीन ने कहा- राज्य में भाजपा का वोट शेयर 2% से बढ़कर 20% हो गया है, जो इसकी लगातार प्रगति को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य अब केवल 'केरल' से 'विकसित केरलम' में बदलने की आकांक्षा रखता है। इस बार भाजपा केरलम में कमल खिलाएगी।

नितिन नबीन बोले- यूडीएफ और एलडीएफ ने लोगों की प्रगति में रुचि नहीं दिखाई

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने मेनिफेस्टो जारी होने पर कहा- आज हम यहां 'विकसित

केरलम' का घोषणापत्र प्रस्तुत करने के लिए जमा हुए हैं। यूडीएफ और एलडीएफ ने कभी भी केरलम के लोगों की प्रगति में रुचि नहीं दिखाई है।

केरलम में भाजपा का हर घर दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने का वादा

भाजपा ने केरल में गरीब परिवारों को हर साल दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने का वादा किया है, जो ओणम और क्रिसमस के मौके पर मिलेंगे। साथ ही हर घर को हर महीने 20 हजार लीटर मुफ्त पानी देने की बात कही गई है। इसके अलावा सबरीमाला और गुरुवायूर जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए देवस्वम बोर्ड में सुधार करने की बात कही गई है। पार्टी ने अपने घोषणापत्र में तमिलनाडु को पानी और केरल की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी वादा किया है।

असम सीएम बोले- जब तक दुनिया में बांग्लादेश है तब तक घुसपैठिए रहेंगे

गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मीडिया से बात करते हुए कहा- जब तक इस दुनिया में बांग्लादेश मौजूद है, तब तक घुसपैठिए आते ही रहेंगे। हमें घुसपैठियों के खिलाफ लड़ाई जारी रखनी होगी। उन्हें खत्म करने का कोई डेडलाइन नहीं दे सकते। यह एक निरंतर चलने वाली लड़ाई है।

ममता का ईसी को लेटर, लिखा- बीजेपी वोटर हाईजैकिंग की साजिश कर रही

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को लेटर लिखकर भाजपा पर 'वोटर हाईजैकिंग' की साजिश का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि बड़ी संख्या में फर्जी फॉर्म-6 आवेदन देकर बाहरी लोगों को मतदाता सूची में जोड़ने की कोशिश हो रही है। ममता बनर्जी ने कहा कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी के ऑफिस और विभिन्न जिलों में बड़ी संख्या में आवेदन जमा किए जा रहे हैं, जो सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा नहीं लगते। उनके मुताबिक, यह लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा हमला है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जहां 60 लाख से ज्यादा असली मतदाता आवेदन लंबित हैं, वहीं फर्जी आवेदनों को तेजी से निपटाया जा रहा है। साथ ही SIR प्रक्रिया में खामियों के कारण 200 से अधिक लोगों की मौत का भी जिक्र किया।

मुख्यमंत्री ने चुनाव आयोग से इस प्रक्रिया को तुरंत रोकने, सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने और अंतिम मतदाता सूची (28 फरवरी 2026) के बाद किसी भी फर्जी नाम को जोड़ने से रोकने की मांग की है।

कैग रिपोर्ट- कई जवानों को समय पर वेतन-भत्ते नहीं मिलेः सेना से जुड़े काम के रिकॉर्ड डिजिटल करने की सिफारिश

नई दिल्लीः कम्प्ट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल ऑफ इंडिया (कैग) की डिफेंस पर रिपोर्ट सोमवार को संसद में पेश की गई। इसमें कई मिलिट्री अस्पतालों के रखरखाव में कमी की ओर भी इशारा किया गया है। यह भी बताया गया है कि काफी संख्या में सेना के जवानों को उनके वेतन-भत्ते समय पर और सही तरीके से नहीं मिले। रिपोर्ट के मुताबिक, सेना के निर्माण कार्यों से जुड़े साइट रिकॉर्ड्स ठीक से नहीं रखे गए। इससे काम की क्वालिटी और ठेकेदार की जिम्मेदारी तय करना मुश्किल हुआ। ऑडिट ने सिफारिश की है कि रक्षा मंत्रालय साइट रिकॉर्ड्स को डिजिटाइज करे। साइट रिकॉर्ड्स में काम की प्रगति, मेटेरियल और टेस्ट रिपोर्ट से जुड़ी जानकारी रिकॉर्ड होती हैं। वहीं कैग सरकारी खर्च और कामकाज का ऑडिट करने वाली संस्था है।

रिपोर्ट में 3 हिस्सों की जांच की गई...

- सेना के वेतन-भत्ते से जुड़े सिस्टम और भुगतान की प्रक्रिया
- निर्माण कार्यों में काम की निगरानी और गुणवत्ता
- रक्षा मंत्रालय के तहत चल रहे मिलिट्री अस्पतालों का कामकाज

अलग-अलग सिस्टम के बीच तालमेल बेहतर नहीं

- रिपोर्ट के मुताबिक प्रोविजनल फाइनल सेटलमेंट ऑफ अकाउंट्स की समीक्षा तय समय पर नहीं हुई। इसके कारण रिटायरमेंट के समय अधिकारियों, जूनियर कमीशंड ऑफिसर्स और दूसरे रैंक के कर्मियों से एक साथ बड़ी राशि की वसूली हुई। आईटी सिस्टम में जरूरी नियम शामिल नहीं होने से कई जवानों को वेतन और भत्ता समय पर और सही तरीके से नहीं मिले।
- पीटीओ (प्रिविलेज टिकट ऑर्डर) यानी छुट्टी पर जाने के लिए मिलने वाले टिकट जारी करने में देरी हो रही है। एचआरएमएस सिस्टम में जानकारी सही से नहीं मिल रही, इसलिए कई आवेदन खारिज हो रहे हैं। ऑडिट ने कहा है कि अलग-अलग सिस्टम के बीच तालमेल बेहतर किया जाए। रिजेक्ट मामलों की निगरानी के लिए ऑटोमेटेड सिस्टम बनाया जाए।
- रक्षा मंत्रालय के तहत मिलिट्री अस्पतालों में कई दिक्कतें मिलीं। कई अस्पताल की इमारतें पुरानी हैं, लेकिन उनकी नियमित जांच नहीं हुई। जून 2022 में लैंसडाउन के एक मिलीट्री अस्पताल का हिस्सा गिर गया था। कई जगह एचवीएसी (हीटींग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग) और फायरफाइटिंग सिस्टम भी अधूरे हैं।
- रिपोर्ट के मुताबिक आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल स्टोर्स डिपो मिलिट्री अस्पतालों की जरूरत की दवाएं पूरी नहीं दे पाया। कॉमन ड्रग लिस्ट की दवाएं भी पर्याप्त नहीं थीं। दो डिपो में दवाओं को समय पर बदला नहीं गया, जिससे 13.52 करोड़ की दवाएं फंसी रहीं।

बिना लाइसेंस X-ray मशीनें चल रही थी

ऑडिट में पाया गया कि कई जगह बायो-मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट नियमों का पालन नहीं हुआ। मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी से जुड़े डाक्यमेंट्स भी नहीं रखे गए। कुछ अस्पतालों में बिना लाइसेंस के X-ray मशीनें चलाई जा रही थी। सात कमांड्स की समीक्षा में वेस्टर्न कमांड में सबसे ज्यादा नियमों का उल्लंघन मिला। रिपोर्ट के मुताबिक, रक्षा मंत्रालय ने कुछ सुधार शुरू किए हैं, लेकिन कई समस्याएं अभी भी बनी हुई हैं।

आंतकी लोन का कबूलनामा, दिल्ली के कारोबारी-धार्मिक स्थल थे टारगेट पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली पुलिस ने लश्कर-ए-तैबा (एलईटी) के ऑपरेटिव शब्बीर अहमद लोन को गाजीपुर से गिरफ्तार किया, इसके बाद हुई पूछताछ में पाकिस्तान की अंतर-सेवा खुफिया एजेंसी (आईएसआई) समर्थित आतंकी साजिश के बारे में अहम चौंकाने वाले खुलासे हुए है। जांच में सामने आया हैं कि लोन और उसके सहयोगियों ने दिल्ली के व्यावसायिक और धार्मिक स्थलों की रेकी की थी। इसमें कालकाजी मंदिर, लोटस टेंपल, छतरपुर मंदिर और कनॉट प्लेस शामिल थे। रेकी का वीडियो पाकिस्तान भेजा गया, जिसमें लोन की पहचान हुई।

आंतकी लोन ने जांच एजेंसियों की पूछताछ में बताया कि आईएसआई प्रतिरोध मोर्चा (टीआरएफ) की तर्ज पर आतंकी संगठन बनाने की योजना बना रहा था। लोन का नियमित संपर्क पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैबा के संचालकों, आसिफ डार और सुमामा बाबर से था। वहां एन्क्रिप्टेड चैट के माध्यम से निर्देश प्राप्त करता था और बाद में एक विशिष्ट मोबाइल नंबर का उपयोग शुरू किया, जिससे जांचकर्ताओं को नेटवर्क का पता लगा। लोन ने लश्कर-ए-तैबा के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया, जिसमें छोटे हथियारों, ग्रेनेड, राइफल, रॉकेट लॉन्चर, हल्की मशीनगन और आईईडी का प्रशिक्षण शामिल था।

जांच में सामने आया कि आईएसआई ने लोन को बांग्लादेश में ऑपरेशनल सेल स्थापित करने के लिए भेजा। मार्च 2025 में लोन अपने परिवार के साथ भारत-बांग्लादेश सीमा पार करके सैदपुर में बस गया और वहां भारत में हमले की योजना बनाने के लिए अड्डा स्थापित किया। लोन ने अपनी पहचान छुपाने के लिए स्थानीय बांग्लादेशी महिला से शादी की और जम्मू-कश्मीर के बाहर के राज्यों से युवाओं को भर्ती कर भारत के अंदर हमलों के लिए तैयार किया। शब्बीर अहमद लोन का आतंकी इतिहास लंबा है। इसके पहले 2007 में गिरफ्तार किया था, जब उसके पास एके-47 राइफल और हथगोला मिला। 2015 में आंतकी लोन श्रीनगर में फिर से गिरफ्तार हुआ। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, लोन आईएसआई के हैंडलर्स के संपर्क में था और हाल ही में पकड़े गए मॉड्यूल का हैंडलर था। यह मॉड्यूल दिल्ली और कोलकाता में राष्ट्र-विरोधी पोस्टर चिपकाने में भी शामिल था।

बेंगलुरु में इंजीनियर कपल ने सुसाइड कियाः पति फ्लैट में फंदे से लटका मिला, पत्नी 17वीं मंजिल से कूदी

बेंगलुरुः बेंगलुरु के कोथनूर इलाके के अपार्टमेंट में एक इंजीनियर कपल के सुसाइड का मामला सामने आया है। पहले पति का शव फ्लैट के बंद कमरे में मिला। कई बार दरवाजा खटखटाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला तो पत्नी ने सिक्योरिटी और पड़ोसियों को बुलाया। दरवाजा तोड़ने पर पति का शव फंदे से लटका मिला। इसके कुछ ही मिनट बाद पत्नी फ्लैट से बाहर निकलीं और उसी अपार्टमेंट की 17वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। मृतकों की पहचान तेलंगाना के सिद्दीपेट निवासी भानु चंदर रेड्डी कुंटा (32) और उनकी पत्नी शाजिया (31) के रूप में हुई है।

भानु चंदर सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे। शाजिया आईबीएम में काम करती थीं। रेड्डी ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें उन्होंने अपनी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में बताया। साथ ही लिखा कि उनकी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार न ठहराया जाए।

कपल शादी से पहले लिव-इन रिलेशनशिप में रहे

पुलिस के अनुसार, कपल की शादी को लगभग नौ साल हो चुके थे। इससे पहले दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में रह चुके थे। सूत्रों ने पुलिस को बताया कि शादी के बाद उनके बीच अक्सर विवाद होते रहते थे। हालांकि, दोनों परिवार उनके रिश्ते से अनजान थे। बेंगलुरु पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और उनकी मौत के कारणों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या पति के स्वास्थ्य समस्याओं ने इस घटना में कोई भूमिका निभाई। इसके अलावा रिश्तों में तनाव और मानसिक दबाव और अन्य पहलुओं को भी खंगाला जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और आगे की जांच के बाद ही मौत की असली वजह और पूरा घटनाक्रम स्पष्ट हो सकेगा।

बेंगलुरु के घर में दो महिलाओं के शव मिले, दो घायल

इसी बीच, बेंगलुरु के बाहरी इलाके के घर में दो अन्य महिलाओं के गले कटे हुए शव पाए गए। जबकि परिवार के दो अन्य सदस्य घायल अवस्था में थे। पुलिस के अनुसार, घटना बढ़ते कर्ज के कारण आत्महत्या की कोशिश लगती है। पुलिस ने बताया कि आशा (55) और उनकी बेटी वर्षिता (32) घर में मृत पाई गईं। आशा का बेटा मोहन (27) और 10 साल का पोता मयंक गौड़ा घायल अवस्था में बच गए और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

नेटफ्लिक्स, गेम एवं डिजिटल सर्विस भारत में होंगी महंगी

वैश्विक व्यापार संधि की बैठक में नहीं हुआ समझौता

मुंबई,(ईएमएस)। जिनेवा में हुई वैश्विक व्यापार संधि से जुड़ी बैठक में सदस्य देशों के बीच डिजिटल सेवाओं पर शुल्क को लेकर सहमति नहीं बन सकी। विश्व व्यापार संगठन के तहत पिछले 28 वर्षों से इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क नहीं लगाने की व्यवस्था लागू थी, लेकिन इस बार इसे आगे बढ़ाने पर आम राय नहीं बन पाई। ऐसे में अब सदस्य देशों को डिजिटल सेवाओं पर शुल्क लगाने का अधिकार मिल सकता है। इस फैसले का असर भारत सहित कई देशों पर पड़ने की संभावना है। यदि भारत सरकार डिजिटल सेवाओं पर सीमा शुल्क लागू करती है, तो नेटफ्लिक्स, स्पॉटिफाई, ऑनलाइन गेम डाउनलोड, सॉफ्टवेयर और अन्य स्ट्रीमिंग सेवाएं महंगी हो सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार को अब तक इस व्यवस्था के कारण सालाना करीब 4,700 करोड़ रुपये के संभावित राजस्व का नुकसान हो रहा था। शुल्क लगाने से यह राजस्व वसूला जा सकेगा। हालांकि, डिजिटल प्लेटफॉर्म कंपनियां अतिरिक्त कर या शुल्क का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल सकती हैं, जिससे आम लोगों को ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी।

मुनाफे के चक्कर में ग्राहकों को भूली कंपनीः क्राफ्ट हाइंज को सुधारेंगे नए सीईओ कैहिलेन

नई दिल्लीः जब स्टीव कैहिलेन को क्राफ्ट हाइंज का सीईओ बनाया गया, तो काम साफ था- कंपनी को दो हिस्सों में तोड़ना। लेकिन महज छह हफ्ते के भीतर उन्होंने वह फैसला पलट दिया। उन्होंने बोर्ड को समझाया, वॉरेन बफे के उत्तराधिकारी ग्रेग एबेल को फोन किया और कहा, 'यह कंपनी ठीक हो सकती है, तोड़ने की जरूरत नहीं है।' यह कोई छोटा फैसला नहीं था। लगातार 9 तिमाहियों से घटती बिक्री, शेयर में गिरावट और उपभोक्ताओं का सस्ते ब्रांड्स की तरफ जाना, सब कुछ क्राफ्ट हाइंज के खिलाफ था। ऑस्कर मेयर, फिलाडेल्फिया क्रीच चीज, जेल-ओ, कूल-एड जैसे दशकों पुराने ब्रांड्स की पहचान तो है, लेकिन जैसा कैहिलेन खुद कहते हैं, 'लोग टी-शर्ट खरीदना चाहते हैं, प्रोडक्ट नहीं। हमें दोनों बिकवाने हैं।' 60 साल के कैहिलेन फूड इंडस्ट्री के पुराने खिलाड़ी हैं। इससे पहले वो केलॉग कंपनी को दो हिस्सों में बांट चुके थे। स्नैक्स वाला हिस्सा केलानोवा बना और मार्स ने उसे 36 अरब डॉलर (अभी के हिसाब से 3.4 लाख करोड़ रुपए) में खरीद लिया। यानी कंपनी तोड़ने का अनुभव उनके पास था, लेकिन इस बार उन्होंने वो नहीं किया जो उनसे उम्मीद थी। उनका तर्क सीधा था- अगर अभी तोड़ा, तो दोनों हिस्से कमजोर निकलेंगे। पहले कंपनी को मजबूत करो, फिर विकल्प खुले रहेंगे। चुनौतियां कम नहीं हैं। वजन घटाने वाली दवाओं ने लोगों की खाने की आदतें बदल दी हैं। अमेरिका में 'अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड' पर राजनैतिक बहस छिड़ी है। ईरान युद्ध से तेल की कीमतें बढ़ रही हैं, जो सप्लाई चेन को प्रभावित कर सकती हैं। कैहिलेन मानते हैं कि बीते 10 वर्षों में कंपनी ने उपभोक्ताओं को नजरअंदाज किया और सिर्फ मुनाफे पर ध्यान दिया। यही सबसे बड़ी गलती थी। लेकिन कैहिलेन आश्वस्त नजर आते हैं।

समुद्र से पानी व बिजली, भारत का अनोखा प्रयोगः लक्षद्वीप के कवरत्ती में बन रहा दुनिया का हाइब्रिड प्लांट, जो समुद्री पानी से पेयजल और बिजली बनाएगा

हैदराबाद : दुनिया की करीब आधी आबादी साल में कम से कम एक महीने गंभीर जल संकट का सामना करती है. पानी का ज्यादा इस्तेमाल जल दिवालियापन की ओर ले जा रहा है. इसी साल जनवरी में आई यूएनई-आईएनडब्ल्यूईएच की रिपोर्ट में ऐसी ही हैरान करने वाली जानकारियां सामने आईं थीं. इसमें यह भी बताया गया था दुनिया में हर 4 में से एक व्यक्ति को पीने के लिए शुद्ध पानी नहीं मिल रहा है. ऐसे हालात में लोगों की निगाहें समुद्र की ओर हैं. भारत अब इसमें अनूठा प्रयोग करने जा रहा है. पेयजल की कमी को पूरा करने के लिए ऑस्ट्रेलिया, इजराइल समेत कई देश समुद्र के पानी को पीने लायक बना रहे हैं. भारत भी इसका हिस्सा है. डिशवेयर डॉट नेट के डेटा के अनुसार भारत ने काफी पहले ही इस दिशा में कदम आगे बढ़ा दिए थे. इसके तहत 1960 में गुजरात के भावनगर में केंद्रीय नमक और समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान की शुरुआत की गई थी. अब अपना देश इसमें काफी आगे निकल चुका है. लक्षद्वीप के कवरत्ती में दुनिया का अनोखा प्लांट तैयार हो रहा है.

प्रेस इंफार्मेशन ब्यूरो के अनुसार यह प्लांट समुद्र के तापमान के अंतर से बिजली पैदा करेगा. इसी दौरान वह इसी प्रक्रिया में समुद्री पानी को पेयजल में भी बदलने का काम करेगा. पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (एनआईओटी) ने इस क्रांतिकारी तकनीक पर काम शुरू किया है. इस साल के अंत तक यह दुनिया के लिए नजीर बन जाएगा. यह दुनिया का पहला ऐसा हाइब्रिड प्लांट होगा जो 24 घंटे लगातार समुद्र के पानी को पीने लायक बनाने के साथ ही बिजली भी पैदा करेगा. यह प्लांट ओटीईसी तकनीक पर काम करता है. प्लांट की खासियत क्या है?, दुनिया के अन्य देशों से यह तकनीक कितनी अलग है?, प्लांट की क्षमता कितनी है?, यह एक दिन में कितने पेयजल और कितनी बिजली का उत्पादन कर सकेगा?, दुनिया के अन्य कौन से देश समुद्री पानी को पीने लायक बना रहे हैं?, दुनिया में पेयजल को लेकर क्या स्थिति है?. ये सुविधा किस तरह से लक्षद्वीप को लाभ पहुंचाएगी?, क्या इससे भारत के द्वीपों का भविष्य उज्जवल होगा.

प्रेस इंफार्मेशन ब्यूरो की प्रेस रिलीज के अनुसार लक्षद्वीप के कवरत्ती में बन रहा यह प्लांट खास टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करता है. यह समुद्र की सतह पर गर्म पानी और गहरे समुद्र में पाए जाने वाले ठंडे पानी के बीच के तापमान के अंतर का इस्तेमाल करके बिजली बनाएगा. समुद्र के नेचुरल थर्मल ग्रेडिएंट का इस्तेमाल करके यह एक ही समय में बिजली और पीने का पानी दोनों बना देगा. इसके लिए 3.8 किमी लंबी पाइप लाइन बिछाई जा रही है. 900 मिमी व्यास वाली इसी पाइप के सहारे सतह से करीब एक हजार मीटर से पानी ऊपर लाया जाएगा. यह पाइप हाई-डेंसिटी पॉलीइथाइलीन की बनी है. इस प्लांट से समुद्र के किनारे द्वीपों में रहने वाले लोगों को पीने के लिए भरपूर साफ पानी मिल सकेगा. बिजली बनाने के लिए डीजल जनरेटरों पर निर्भरता कम होगी. यह प्लांट काफी बिजली भी पैदा करेगा. इससे पर्यावरण को भी कोई नुकसान नहीं होगा. यह तकनीक सस्ती ऊर्जा का नया विकल्प खोल देगी. इसके अलावा टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा. ओटीओसी प्लांट की सफलता भारत के अन्य द्वीपों के लिए पेयजल का नया विकल्प खोल देगी.

दुबई में कुवैती तेल टैंकर को उड़ाया, समुद्र में भारी मात्रा में तेल रिसाव से बढ़ा संकट

दुबई,(ईएमएस)। संयुक्त अरब अमीरात के दुबई बंदरगाह से एक बेहद चिंताजनक खबर सामने आई है, जिसने खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आज मंगलवार को कुवैत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन ने आधिकारिक पुष्टि की कि उनके एक विशाल कच्चे तेल के टैंकर, अल साल्मी, पर सीधा हमला किया गया है। कुवैत ने इस हमले के लिए सीधे तौर पर ईरान को जिम्मेदार ठहराया है। जिस समय यह हमला हुआ, टैंकर पूरी तरह से कच्चे तेल से भरा हुआ था और बंदरगाह पर खड़ा था। हमले के तुरंत बाद जहाज में भीषण आग लग गई, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। प्रशासन को अब इस बात का डर सता रहा है कि यदि टैंकर से भारी मात्रा में तेल का रिसाव होता है, तो यह समुद्र के पारिस्थितिकी तंत्र और पर्यावरण के लिए एक बड़ी आपदा साबित हो सकता है।

इस हमले के बाद पूरे क्षेत्र में युद्ध जैसे हालात पैदा हो गए हैं और तनाव चरम पर पहुंच गया है। एक तरफ जहां दुबई में जहाज को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुवैत की सेना ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है। कुवैती सैन्य अधिकारियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से जानकारी दी कि उनके एयर डिफेंस सिस्टम ने देश की सीमा में घुसने का प्रयास कर रहे दुश्मन के कई मिसाइलों और ड्रोनों को हवा में ही मार गिराया है। इस घटनाक्रम को वर्तमान में जारी ईरान-इजरायल संघर्ष की बढ़ती तपिश और क्षेत्रीय अस्थिरता से जोड़कर देखा जा रहा है।

राहत की बात यह है कि दुबई मीडिया ऑफिस ने पुष्टि की है कि टैंकर पर लगी भीषण आग को अब पूरी तरह से काबू कर लिया गया है। राहत और बचाव दलों की कड़ी मशक्कत के बाद लपटों को बुझा दिया गया, जिससे एक संभावित बड़ा विस्फोट टल गया। फिलहाल दुबई प्रशासन की विशेष टीमें और सुरक्षा एजेंसियां स्थिति की बारीकी से जांच कर रही हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार और वैश्विक सुरक्षा संगठन इस पूरे घटनाक्रम पर पैनी नजर बनाए हुए हैं, क्योंकि इस हमले का सीधा असर वैश्विक तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा पर पड़ सकता है। जांच दल अब यह सुनिश्चित करने में जुटे हैं कि तेल रिसाव को रोका जा सके और स्थिति को जल्द से जल्द सामान्य किया जाए।

सऊदी, यूएई, कुवैत और बहरीन ने कहा- ईरान की हार न हो जाए तब तक हमले जारी रखे अमेरिका

सऊदी अरब, यूएई, कुवैत और बहरीन ने निजी कूटनीतिक वार्ताओं में स्पष्ट किया है कि वे तब तक युद्ध विराम या सैन्य ऑपरेशन रोकने के पक्ष में नहीं हैं, जब तक कि ईरान के नेतृत्व में कोई बड़ा और स्थायी बदलाव न हो जाए। यह मांग ऐसे समय में आई है जब राष्ट्रपति ट्रंप युद्ध को और विस्तार देने या किसी समझौते पर पहुंचने के बीच दुविधा की स्थिति में हैं। कुल मिलाकर पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष के बीच सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के नेतृत्व में अमेरिका के खाड़ी सहयोगियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान जारी रखने के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया है।

अमेरिकी और इजरायली अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी सामने आई है कि खाड़ी देश इस युद्ध को तेहरान के वर्तमान शासन को निर्णायक रूप से कमजोर करने या पूरी तरह खत्म करने के एक ऐतिहासिक अवसर के रूप में देख रहे हैं। इन देशों का तर्क है कि एक महीने तक चले हवाई हमलों के बावजूद ईरान का धार्मिक नेतृत्व अभी पूरी तरह पंगु नहीं हुआ है, इसलिए सैन्य कार्रवाई को बीच में रोकना रणनीतिक भूल होगी।गौरतलब है कि इस भीषण जंग में अब तक 3,000 से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। रविवार शाम एयर फ़ोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने भी स्वीकार किया कि सऊदी अरब, कतर, यूएई, कुवैत और बहरीन जैसे देश इस मामले में बेहद कड़ा और आक्रामक रुख अपना रहे हैं। विशेष रूप से यूएई इस गठबंधन में सबसे सख्त रवैया रखने वाले देश के रूप में उभरा है। रिपोर्टों के अनुसार, यूएई राष्ट्रपति ट्रंप पर जमीनी हमले का आदेश देने के लिए जोर डाल रहा है। यूएई की इस नाराजगी की मुख्य वजह ईरान की ओर से दागी गई 2300 से अधिक मिसाइलें और ड्रोन हमले हैं, जिन्होंने मिडिल-ईस्ट में व्यापार और पर्यटन के एक सुरक्षित केंद्र के रूप में उसकी वैश्विक छवि को खतरे में डाल दिया है। कुवैत और बहरीन भी सैन्य दबाव बनाए रखने के पक्ष में खड़े दिखाई दे रहे हैं। दूसरी ओर, सऊदी अरब ने अमेरिका को तर्क दिया है कि यदि युद्ध को इस मोड़ पर समाप्त किया गया, तो भविष्य में कोई अच्छा समझौता संभव नहीं हो पाएगा। सऊदी अरब का मानना है कि इस संघर्ष का अंतिम समाधान तभी होगा जब ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह निष्क्रिय कर दिया जाए, उसकी बैलिस्टिक मिसाइल क्षमताओं को नष्ट किया जाए और क्षेत्रीय प्रॉक्सी समूहों के लिए तेहरान के समर्थन को जड़ से खत्म किया जाए। हालांकि, खाड़ी देशों के इस आक्रामक रुख के बीच ओमान और कतर जैसे देश अभी भी कूटनीतिक समाधान और बातचीत का समर्थन कर रहे हैं। फिलहाल, इन देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों का उपयोग हमलों के लिए किया जा रहा है, जिससे ट्रंप प्रशासन पर सहयोगियों की मांगों को मानने का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

वैचारिक मतभेदों पर खुलकर बोलीं उषा वेंस, पति के हर विचार से सहमत होना जरूरी नहीं

वाशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका की सेकंड लेडी उषा वेंस ने अपने पति और देश के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ अपने रिश्तों और वैचारिक भिन्नता को लेकर बेहद बेबाकी से अपनी राय रखी है। एक हालिया साक्षात्कार में उषा ने स्पष्ट किया कि एक पत्नी होने के नाते उन पर कभी भी अपने पति के सभी राजनीतिक विचारों या नीतियों से सहमत होने का कोई दबाव नहीं रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वे पेशेवर तौर पर जेडी वेंस की टीम या स्टाफ का हिस्सा नहीं हैं, इसलिए हर मुद्दे पर दोनों की एक ही राय हो, ऐसी उम्मीद करना भी सही नहीं है।

उषा वेंस के अनुसार, एक दंपति के रूप में उनके बीच संवाद का स्तर बहुत खुला और पारदर्शी है। उन्होंने बताया कि वे दोनों अक्सर विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हैं और एक ऐसी जीवनसंगिनी के तौर पर जो उनसे प्रेम करती है और उन्हें सफल देखना चाहती है, वे हमेशा अपनी सार्थक राय जेडी वेंस के सामने रखती हैं। उषा ने कहा कि भले ही कई बार उनके बीच असहमति हो, लेकिन उनके बीच होने वाली बातचीत हमेशा फलदायी और सकारात्मक होती है। उन्होंने यह भी साझा किया कि हालांकि उपराष्ट्रपति के पास नीतिगत सलाहकारों की एक बड़ी टीम मौजूद है, लेकिन जब भी कोई व्यक्तिगत मसला जेडी वेंस को परेशान करता है, तो वे अपनी पत्नी के पास ही मशवरा करने आते हैं। साक्षात्कार के दौरान उषा ने अपनी राजनीतिक पहचान पर भी स्थिति साफ की। गौरतलब है कि उषा वेंस वर्ष 2014 तक एक पंजीकृत डेमोक्रेट थीं और उन्होंने जेडी वेंस के सीनेट चुनाव लड़ने के दौरान पहली बार रिपब्लिकन पार्टी को वोट दिया था। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी पुरानी और वर्तमान पहचान के साथ इस राजनीतिक दुनिया में रहने में कोई संकोच नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनसे कभी भी किसी तरह का लिटमस टेस्ट देने को नहीं कहा गया और वे आज भी वही इंसान हैं जो 2014 में थीं। जब उनसे जेडी वेंस के 2028 में राष्ट्रपति पद के चुनाव लड़ने की संभावनाओं पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने बहुत ही कूटनीतिक जवाब दिया। उषा ने कहा कि वर्तमान में जेडी का पूरा ध्यान मध्यावधि चुनावों और देश की महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाओं पर केंद्रित है। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि अगर यही सवाल वर्ष 2027 में पूछा जाएगा, तो शायद वे बेहतर तरीके से बता पाएंगी कि भविष्य को लेकर उनके पति की क्या योजनाएं हैं।

ईरान-अमेरिका संघर्षः डोनाल्ड ट्रंप ने दी 10 दिन की मोहलत, दावा- पर्दे के पीछे बातचीत जारी

वाशिंगटन(ईएमएस)। ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष के बीच व्हाइट हाउस ने एक महत्वपूर्ण बयान जारी करते हुए युद्ध की समाप्ति और कूटनीतिक समाधान की उम्मीद जताई है। सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में, राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के पावर प्लांट और ऊर्जा ढांचे पर संभावित हमलों को टालने के लिए 10 दिनों की मोहलत दी है। व्हाइट हाउस ने इसे ईरान के लिए एक दुर्लभ अवसर करार दिया है। लेविट ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि ईरान इस समझौते के मौके को गंवाता है, तो अमेरिकी सेना पूरी तरह तैयार है और राष्ट्रपति के पास शासन को भारी कीमत चुकाने के लिए मजबूर करने के सभी सैन्य विकल्प खुले हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक रूप से बातचीत से इनकार करना ईरानी शासन की मजबूरी हो सकती है, लेकिन जमीनी हकीकत और निजी संवाद बिल्कुल अलग हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने प्रेस ब्रीफिंग में दावा किया कि सार्वजनिक मंचों पर सख्त बयानबाजी के बावजूद, ईरान का वर्तमान नेतृत्व अमेरिका के साथ बातचीत करने के लिए बेहद उत्सुक है। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने आधिकारिक तौर पर इन दावों को तवज्जो नहीं दी है और संदेशों के आदान-प्रदान के लिए केवल बिचौलियों के इस्तेमाल की बात कही है, लेकिन व्हाइट हाउस का मानना है कि ईरान का इनकार केवल एक रणनीतिक दिखावा और भ्रम फैलाने की कोशिश है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध संबंधी विजन को स्पष्ट करते हुए लेविट ने बताया कि इस सैन्य ऑपरेशन की समय-सीमा पहले ही तय कर दी गई थी। ट्रंप के अनुसार, ईरान में यह अभियान कुल चार से छह हफ्ते तक चलना था और आज युद्ध के 30वें दिन भी वे इसी आकलन पर कायम हैं। एक रिपोर्टर के सवाल का जवाब देते हुए लेविट ने कहा कि अमेरिका यह सुनिश्चित कर रहा है कि वे जिन लोगों से बात कर रहे हैं, वे वास्तव में प्रभावी हैं। उन्होंने संकेत दिया कि मौजूदा ईरानी प्रतिनिधि पिछले नेताओं की तुलना में अधिक समझदार प्रतीत हो रहे हैं और पर्दे के पीछे सकारात्मक संवाद चल रहा है।

नरम पड़े ट्रंप के तेवर, होर्मुज जलमार्ग को पूरी तरह खोले बिना ही युद्ध समाप्ति के दिए संकेत

वाशिंगटन,(ईएमएस)। ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख में एक बड़ा और चौंकाने वाला बदलाव देखने को मिल रहा है। नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, ट्रंप अब इस सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए तैयार दिख रहे हैं, भले ही रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (होर्मुज जलडमरूमध्य) पूरी तरह से दोबारा न खुले। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट के बयानों से यह स्पष्ट हुआ है कि इस अहम तेल मार्ग को तत्काल खोलना अब अमेरिकी जीत के लिए अनिवार्य शर्त नहीं माना जा रहा है। ट्रंप ने अपने करीबियों और सहयोगियों से चर्चा के दौरान संकेत दिए हैं कि युद्ध की प्राथमिकताओं को अब नए सिरे से परिभाषित किया गया है।

कुछ समय पहले तक अमेरिका के लिए होर्मुज जलमार्ग को मुक्त कराना एक शीर्ष प्राथमिकता थी, क्योंकि दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस इसी रास्ते से होकर गुजरता है। ईरान द्वारा इस मार्ग की घेराबंदी के कारण वैश्विक बाजार में ईंधन की आपूर्ति प्रभावित हुई है और कीमतों में भारी उछाल देखा जा रहा है। इसके बावजूद, ट्रंप प्रशासन अब इस लक्ष्य से पीछे हटता नजर आ रहा है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपने सैन्य लक्ष्यों को बदल दिया है। अब ट्रंप का मानना है कि यदि ईरान की समग्र सैन्य क्षमता को काफी हद तक कमजोर कर दिया जाता है, तो इसे ही एक बड़ी सफलता के रूप में स्वीकार किया जाएगा।

अमेरिका का नया फोकस अब तीन मुख्य लक्ष्यों पर केंद्रित है- पहला, ईरान की नौसैनिक क्षमता को इस स्तर तक नुकसान पहुँचाना कि वह भविष्य में चुनौती न दे सके, दूसरा, उसकी मिसाइल शक्ति को कम करना और तीसरा, भविष्य में समुद्री रास्तों को खतरे में डालने की ईरान की क्षमता को पूरी तरह

घटाना। अमेरिकी अधिकारियों का तर्क है कि इन लक्ष्यों की प्राप्ति के बाद युद्ध को धीरे-धीरे समाप्त किया जा सकता है। ट्रंप प्रशासन अब सीधे और लंबे सैन्य अभियान के बजाय कूटनीतिक दबाव और रणनीतिक प्रहारों के जरिए ईरान को बातचीत की मेज पर लाने की कोशिश कर रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह सुरक्षित करना एक अत्यंत जटिल और समय लेने वाली प्रक्रिया है। इसके लिए समुद्र में बिछी बारूदी सुरंगों को हटाना और तेल टैंकरों को निरंतर सुरक्षा प्रदान करना होगा, जिससे युद्ध लंबे समय तक खिंच सकता है।

ईरान पर परमाणु हमले की गुप्त तैयारी का आरोप लगा मोहम्मद साफा ने दिया इस्तीफा

संयुक्त राष्ट्र से जुड़े एक वरिष्ठ पूर्व राजनयिक मोहम्मद साफा ने अपने पद से अचानक इस्तीफा देकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हड़कंप मचा दिया है। साफा ने अपने इस्तीफे के साथ एक खौफनाक दावा किया है कि यह वैश्विक संस्था ईरान में परमाणु हथियारों के संभावित इस्तेमाल से जुड़े एक गुप्त परिदृश्य की गुपचुप तरीके से तैयारी कर रही है। हालांकि, उनके इस सनसनीखेज दावे की अभी तक किसी स्वतंत्र स्रोत से पुष्टि नहीं हुई है और न ही संयुक्त राष्ट्र की ओर से इस पर कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने आया है। मोहम्मद साफा संयुक्त राष्ट्र में पैट्रियॉटिक विजन ऑर्गनाइजेशन (पीवीए) के मुख्य प्रतिनिधि के रूप में कार्यरत थे, जिसे संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद के साथ विशेष सलाहकार का दर्जा प्राप्त है। साफा पिछले एक दशक से अधिक समय से इस संगठन से जुड़े थे और 2013 से इसके कार्यकारी निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए साफा ने एक विस्तृत पत्र साझा किया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि संयुक्त राष्ट्र के भीतर कुछ शीर्ष अधिकारी एक अत्यंत शक्तिशाली लॉबी के प्रभाव में हैं। साफा ने अपने पत्र में चेतावनी देते हुए लिखा कि लोग स्थिति की गंभीरता को नहीं समझ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि तेहरान जैसी घनी आबादी वाले क्षेत्रों में परमाणु हथियारों के उपयोग की तैयारी चल रही है, जिसके परिणाम विनाशकारी होंगे। उन्होंने कहा, मैंने यह जानकारी सार्वजनिक करने के लिए अपना राजनयिक करियर दांव पर लगा दिया है ताकि बहुत देर होने से पहले परमाणु सर्दी के खतरे को रोका जा सके। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अक्टूबर 2023 के संघर्ष के बाद से अलग विचार रखने के कारण उन्हें निरंतर सेंसरशिप और धमकियों का सामना करना पड़ रहा था। फिलहाल संयुक्त राष्ट्र ने इन गंभीर आरोपों पर पूरी तरह चुप्पी साध रखी है। हालांकि, बिना किसी आधिकारिक पुष्टि के भी इस दावे ने पश्चिम एशिया के मौजूदा संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजनयिक हलकों में इस इस्तीफे को एक बड़े विद्रोह के रूप में देखा जा रहा है, जो आने वाले दिनों में वैश्विक राजनीति में नया मोड़ ला सकता है।

ईरान ने अमेरिकी-इजरायली जहाजों पर लगाया प्रतिबंध, अब दूसरों से वसूलेगा टोल टैक्स

तेहरान,(ईएमएस)। ईरान की संसद की सुरक्षा समिति ने सामरिक रूप से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (होर्मुज जलडमरूमध्य) के लिए एक नई प्रबंधन योजना को आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इस नए कानून के तहत अब इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर न केवल टोल वसूला जाएगा, बल्कि अमेरिका और इजरायल के जहाजों के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, यह कदम इस जलमार्ग पर तेहरान के नियंत्रण को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा फैसला है।

ईरान द्वारा तैयार की गई इस नई प्रबंधन योजना में जहाजों के लिए रियाल आधारित टोल सिस्टम लागू किया गया है। इसमें समुद्री सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और वित्तीय नियमों से जुड़ी कड़ी शर्तें शामिल की गई हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस योजना के अंतर्गत उन देशों के जहाजों पर भी प्रतिबंध बढ़ाने का प्रस्ताव है जो ईरान पर एकतरफा प्रतिबंध लगाते हैं। ईरान ने स्पष्ट किया है कि वह ओमान के साथ मिलकर इस जलमार्ग के प्रबंधन के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार कर रहा है, ताकि इस क्षेत्र पर अपनी संप्रभुता को पुनः स्थापित किया जा सके। दुनिया के कुल तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा इसी संकरे मार्ग से होकर गुजरता है, ऐसे में ईरान का यह फैसला वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है।

दूसरी ओर, अमेरिका इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को खुला रखने के अपने प्रयासों में अब तक विफल नजर आ रहा है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने एक साक्षात्कार में स्वीकार किया है कि वर्तमान में विभिन्न देश ईरानी शासन के साथ अलग-अलग समझौते कर रहे हैं ताकि उनके जहाजों की आवाजाही सुरक्षित रह सके। हालांकि, उन्होंने यह भी दावा किया कि आने वाले समय में अमेरिका बहुराष्ट्रीय एस्कॉर्ट या सैन्य सुरक्षा के जरिए इस मार्ग पर फिर से नियंत्रण हासिल करेगा ताकि स्वतंत्र नौवहन सुनिश्चित किया जा सके। अमेरिका की इस रणनीति का उद्देश्य ईरान के बढ़ते प्रभुत्व को कम करना है। इस पूरे घटनाक्रम पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बेहद सख्त रुख अख्तियार किया है। उन्होंने ईरान को सीधी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य को व्यापार के लिए तुरंत नहीं खोला गया और कोई समझौता नहीं हुआ, तो ईरान को इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। ट्रंप ने संकेत दिया है कि ऐसी स्थिति में अमेरिका ईरान के ऊर्जा ढांचे, तेल कुओं, बिजली संयंत्रों और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खार्ग द्वीप को पूरी तरह नष्ट कर सकता है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ती यह तल्खी अब एक बड़े सैन्य और आर्थिक टकराव की ओर बढ़ती दिख रही है, जिसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय माना जा रहा है।

एपिस्टीन सेक्स कांड में प्रभावित पीड़ितों को 686 करोड़ का मुआवजा देगा बैंक

वाशिंगटन,(ईएमएस)।अमेरिका में चर्चित जेफ्री एपिस्टीन सेक्स कांड से जुड़े मामले में बैंक ऑफ अमेरिका ने प्रभावित पीड़ितों को करीब 686 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मुआवजे के तौर पर देने पर सहमति जताई है। यह भुगतान उन लोगों के लिए होगा, जो वर्ष 2008 से 2019 के बीच कथित शोषण का शिकार हुए थे और जिन्होंने बैंक की भूमिका पर सवाल उठाए थे। दायर मुकदमे में आरोप लगाया गया था कि बैंक ने एपिस्टीन से जुड़े खातों और लेन-देन में संदिग्ध गतिविधियों को नजरअंदाज किया, जिससे उसे वित्तीय लाभ हुआ। पीड़ितों की ओर से कहा गया कि यदि समय रहते उचित निगरानी की जाती, तो शोषण की घटनाओं को रोका जा सकता था। मामले में संघीय अदालत में समझौते का प्रस्ताव रखा गया है, जिस पर न्यायाधीश की अंतिम मंजूरी आवश्यक होगी।

बताया जा रहा है कि यह बैंक द्वारा ऐसे मामलों में किया गया तीसरा बड़ा समझौता है। समझौते के तहत पात्र पीड़ितों को दावों की समीक्षा के बाद मुआवजा वितरित किया जाएगा। इस फैसले को पीड़ितों के लिए एक महत्वपूर्ण कानूनी कदम माना जा रहा है, हालांकि बैंक ने किसी भी प्रकार की कानूनी गलती स्वीकार नहीं की है।

नाइजीरिया में जोस नोर्थ इलाके में एक अज्ञान बंदूकधारी के हमले में कई लोगों की मौत के बाद पुलिसकर्मी और स्थानीय लोग घटना स्थल को देखते हुए।

इस्फहान में अमेरिकी हमलाः 2000 पाउंड के 'बंकर-बस्टर' बमों से ईरान के ठिकाने तबाह

वाशिंगटन,(ईएमएस)। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच अमेरिका और ईरान के बीच टकराव और तेज हो गया है। ताजा जानकारी के मुताबिक, अमेरिका ने इस्फहान में एक बड़े हथियार गोदाम को निशाना बनाते हुए 2000 पाउंड (करीब 907 किलोग्राम) के 'बंकर-बस्टर' बमों से हमला किया है। इस कार्रवाई का उद्देश्य ईरान की सैन्य क्षमताओं को कमजोर करना बताया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हमले में अत्याधुनिक पेनेट्रेटर म्यूनिशन का इस्तेमाल किया गया, जो जमीन के भीतर गहराई तक बने कंक्रीट संरक्षित ठिकानों को भी भेदने में सक्षम होते हैं। बताया जा रहा है कि हमले में इस्फहान स्थित एक अहम गोला-बारूद डिपो को गंभीर नुकसान पहुंचा है। इससे पहले भी 7-8 मार्च को इसी क्षेत्र में हमले किए गए थे। अमेरिकी रक्षा अधिकारियों का कहना है कि 'बंकर-बस्टर' बम विशेष रूप से भूमिगत सैन्य ठिकानों को नष्ट करने के लिए डिजाइन किए जाते हैं। इनकी क्षमता इतनी अधिक होती है कि ये मजबूत कंक्रीट संरचनाओं को भेदकर अंदर विस्फोट करते हैं, जिससे व्यापक तबाही होती है।

हमले के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस घटना से जुड़ा एक वीडियो साझा किया।

वैश्विक व्यापार संधि पर नहीं बनी सहमति

जिनेवा(ईएमएस)। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की हालिया मंत्रिस्तरीय बैठक में वैश्विक व्यापार से जुड़े अहम मुद्दों पर सदस्य देशों के बीच सहमति नहीं बन सकी। विशेष रूप से ई-कॉमर्स, इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क, और बौद्धिक संपदा अधिकार जैसे विषयों पर मतभेद गहरे रहे, जिसके कारण बैठक बिना ठोस निष्कर्ष के समाप्त हो गई। बैठक में सबसे अधिक चर्चा इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क नहीं लगाने की व्यवस्था को आगे बढ़ाने पर हुई। यह प्रावधान पिछले 28 वर्षों से लागू है और हर दो वर्ष में इसका नवीनीकरण किया जाता रहा है। विकसित देशों ने इसे जारी रखने की वकालत की, जबकि भारत और दक्षिण अफ्रीका जैसे कुछ विकासशील देशों ने इस पर पुनर्विचार की मांग की। उनका तर्क है कि डिजिटल व्यापार तेजी से बढ़ रहा है और इस पर शुल्क न लगने से विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को राजस्व का नुकसान हो सकता है। इसके अलावा बौद्धिक संपदा अधिकारों से जुड़े प्रावधानों पर भी व्यापक सहमति नहीं बन पाई। विकासशील देशों ने दवाओं और तकनीक तक सस्ती पहुंच सुनिश्चित करने के लिए लचीलेपन की मांग की, जबकि विकसित देशों ने नवाचार और निवेश की सुरक्षा के लिए कड़े प्रावधानों पर जोर दिया। इन मुद्दों पर लंबे समय तक चली चर्चाओं के बावजूद कोई साझा समाधान सामने नहीं आ सका। मत्स्य पालन सब्सिडी, कृषि समर्थन और ई-कॉमर्स नियमों से जुड़े मसले भी अधर में रहे। संगठन के महानिदेशक ने कहा कि सदस्य देशों के बीच संवाद जारी रहेगा और जिनेवा में आगे की बैठकों में समाधान तलाशने का प्रयास किया जाएगा।

जैश सरगना मसूद अजहर को लगा झटका, भाई और आतंकी मास्टरमाइंड ताहिर अनवर की मौत

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के भीतर उस समय हड़कंप मच गया जब इसके सरगना मसूद अजहर के बड़े भाई ताहिर अनवर की अचानक मौत की खबर सामने आई। ताहिर की मौत का कारण अभी भी रहस्य बना हुआ है। मसूद अजहर, जो पहले ही ऑपरेशन सिंदूर में अपने परिवार के कई सदस्यों को खो चुका है, उसके लिए ताहिर की मौत एक अपूरणीय क्षति मानी जा रही है।

ताहिर अनवर महज मसूद अजहर का भाई नहीं था, बल्कि वह जैश-ए-मोहम्मद के तमाम आतंकी मंसूबों का मुख्य रणनीतिकार और फ्रेमवर्क तैयार करने वाला मास्टरमाइंड था। 11 भाई-बहनों में सबसे बड़ा होने के कारण ताहिर का कद संगठन में बहुत ऊंचा था। साल 2000 में जैश की स्थापना के समय से ही उसने पर्दे के पीछे रहकर सैन्य मामलों की कमान संभाली थी। जहां मसूद अजहर सार्वजनिक रूप से जहर उगलने और संगठन का चेहरा बनने के लिए जाना जाता था, वहीं ताहिर ने कभी खुद को सार्वजनिक नहीं किया। वह बहावलपुर स्थित जैश के मुख्यालय मरकज उस्मान ओ अली से ही अपनी गतिविधियों को संचालित करता था।

आतंकी संगठन में ताहिर अनवर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी। उसे संगठन की रीढ़ माना जाता था क्योंकि आतंकियों की भर्ती से लेकर उनके प्रशिक्षण शिविरों के संचालन तक की पूरी जिम्मेदारी उसी के पास थी। हाल ही में ताहिर ने एक बेहद खतरनाक कदम उठाते हुए जैश की महिला आतंकी विंग जमात उन मोमिनत की शुरुआत की थी। वह इन महिलाओं को आतंकी गतिविधियों के लिए प्रशिक्षित कर रहा था ताकि संगठन को एक नया और घातक विस्तार दिया जा सके। मसूद अजहर के लिए यह झटका इसलिए भी गहरा है क्योंकि पिछले वर्ष भारतीय सेना द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर में उसके परिवार के 10 सदस्यों सहित 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे। उस समय मसूद के किले को संभालने में ताहिर ने मुख्य भूमिका निभाई थी। अब ताहिर की मौत के बाद जैश के भीतर उत्तराधिकार और कमान को लेकर आपसी जंग छिड़ने की प्रबल संभावना जताई जा रही है। हैरानी की बात यह है कि पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर कई लोग ताहिर को नरमदिल और हकीम साहब कहकर संबोधित कर रहे हैं, जो वहां पनप रहे आतंकी हमदर्दों की मानसिकता को दर्शाता है। बहरहाल, जैश के सैन्य मामलों के प्रमुख की मौत ने भारत विरोधी गतिविधियों के ढांचे को कमजोर किया है और सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इससे सीमा पार से होने वाली घुसपैठ और प्रशिक्षण प्रणालियों पर गहरा असर पड़ेगा। ताहिर का जाना जैश-ए-मोहम्मद के उस संगठित आतंकी तंत्र के पतन की शुरुआत हो सकती है जिसे उसने दो दशकों में तैयार किया था।

पाकिस्तान में गैस पाइपलाइन पर हमला, एलपीजी संकट और नई साजिश के संकेत

पाकिस्तान इन दिनों भयंकर ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है। पहले ही देश में एलपीजी की कमी जनता को परेशान कर रही थी, लेकिन अब क्वेटा, बलूचिस्तान में बड़ी गैस पाइपलाइन पर बम हमला हुआ है। 30 मार्च 2026 को क्वेटा शहर के बाहर अख्तराबाद वेस्टर्न बायपास पर सुई सदर्न गैस कंपनी की 18 इंच की मुख्य पाइपलाइन को विस्फोटक कर उड़ा दिया गया। विस्फोट इतना तेज था कि आग की लपटें दूर से दिखाई दीं और वॉल्व असेंबली पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हमले के बाद क्वेटा और आसपास के जिलों जैसे हजारा टाउन, हजरगंजी, खरोटाबाद, मस्तुंग, कलात, पिशिन, कुचलाक और जियारत में गैस सप्लाई पूरी तरह ठप हो गई। प्राथमिक जांच में पता चला है कि पाइपलाइन के नीचे विस्फोटक लगाए गए थे। फिलहाल किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। विशेषज्ञों और आम लोगों का मानना है कि यह केवल आतंकवादी हमला नहीं, बल्कि सोची-समझी साजिश के तहत किया गया है, जिसका उद्देश्य देश को अस्थिर करना और ऊर्जा संकट को बढ़ाना है। बलूचिस्तान पहले ही पाकिस्तान का सबसे अशांत प्रांत रहा है, जहां अलगाववादी विद्रोही और इस्लामिक आतंकवादी समूह अक्सर गैस पाइपलाइनों को निशाना बनाते रहे हैं। सुई सदर्न गैस कंपनी ने स्पष्ट रूप से बताया है, जबकि काउंटर टेररिज्म विभाग ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पाकिस्तान पहले से ही एलएनजी और एलपीजी की आपूर्ति के लिए कतर और यूएई पर निर्भर है। मध्यपूर्व में युद्ध और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में रुकावटों के कारण आयात प्रभावित हो रहा है। घरेलू पाइपलाइनों पर हमला इस संकट को और बढ़ा रहा है। उद्योगों और आम नागरिकों को गैस कटौती का सामना करना पड़ रहा है, और ठंड के मौसम में खाना पकाने जैसी बुनियादी जरूरतें भी प्रभावित हो रही हैं।

चीन में भीषण धमाका, 4 मजदूरों की मौत, 09 घायल

ज्वलनशील गैस बनी विस्फोट का कारण, निर्माण कार्य रोका गया

बीजिंग,(ईएमएस)। दक्षिण-पश्चिम चीन के चोंगकिंग क्षेत्र में एक निर्माणाधीन सुरंग में हुए भीषण विस्फोट ने चार मजदूरों की जान ले ली, जबकि 9 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा सोमवार दोपहर उस समय हुआ, जब एक राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के तहत सुरंग निर्माण का काम चल रहा था। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, यह सुरंग हुबेई और सिचुआन प्रांतों को जोड़ने के लिए बनाई जा रही थी। वानझोउ जिला परिवहन आयोग ने बताया कि धमाका इतना तेज था कि मौके पर मौजूद कई मजदूर इसकी चपेट में आ गए। प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक, घटना के बाद एक मजदूर लापता हो गया था और 12 लोग घायल बताए गए थे। बाद में बचाव दल ने मलबे से लापता व्यक्ति का शव बरामद किया.

आईपीएल में आज होगा लखनऊ सुपरजायंटस और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

लखनऊ (ईएमएस)। यहां के इकाना स्टेडियम में बुधवार को लखनऊ सुपरजायंटस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। सुपरजायंटस के लिए सकारात्मक बात ये रहेगी कि उसे घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। सुपरजायंटस की कप्तानी जहां ऋषभ पंत के पास है, वहीं दिल्ली की कमान अक्षर पटेल संभालेंगे। ऋषभ इस लीग में बेहतर बल्लेबाजी कर अपनी फिटनेस और फार्म हासिल करने का प्रयास करेंगे। वहीं अक्षर का प्रयास भी अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाना है। इन दोनो ही टीमों का प्रदर्षन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा था। पिछली बार दोनों ही टीमें प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाय थीं। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो टीमों के बीच हुए सात मैचों में से दिल्ली ने चार जीते हैं जबकि तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा है। वहीं हाल के वर्षो में लखनऊ ने दिल्ली को तीन मैच हराकर दिखाया है कि वह भी बराबरी की दावेदार है। उसने 200 रन से अधिक रन बनाकर दिल्ली को कड़ी टक्कर दी है। ऐमें में अगर कैपिटल्स को इस बार जीत दर्ज करनी है तो उसे अपनी ताकत और कमजोरियों को

पहचानना होगा। बेन डकेट के नाम वापस लेने ने उसे झटक लगा है। अब उसकी बल्लेबाजी शीर्ष क्रम में केएल राहुल और पथुम निसांका के अलावा पृथ्वी शॉ पर आधारित रहेगी। वहीं मध्यक्रम में टीम के पास ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा और डेविड मिलर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के फिट नहीं होने से टीम की गेंदबाजी की जिम्मेदारी लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव और आकिब नबी पर रहेगी। कप्तान अक्षर पर बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में में भी टीम की ओर से अधिक से अधिक योगदान देने की जिम्मेदारी रहेगी। टीम 2008 से ही लीग का हिस्सा है पर एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई है। इस दौरान उसने कई कप्तान भी बदले हैं। दिल्ली के लिए इस मुकाबले में राहुल एक्स फैक्टर साबित हो सकते हैं। 145 आईपीएल मैचों में 46.21 के शानदार औसत से 5222 रन बनाने वाले राहुल इस टूर्नामेंट के सबसे लगातार प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाजों में से एक रहे हैं।लखनऊ जैसी कठिन पिच पर राहुल की पारी को संभालने की क्षमता और भी ज्यादा कीमती साबित होगी। अगर वह टीम को एक मजबूत शुरुआत दे पाते हैं और अंत तक बल्लेबाजी करते हैं, तो इससे मध्य क्रम पर दबाव कम होगा और टीम एक अच्छा स्कोर खड़ा कर पाएगी।. राहुल के जोड़ीदार के तौर पर पृथ्वी शॉ को मौका मिल सकता है। अभिषेक पोरेल ने भी आईपीएल 2025 में अपनी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया था। पोरेल ने 13 मुकाबलों में 146 के स्ट्राइक रेट से 301 रन बनाए थे। करुण नायर,ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर से भी इस सीजन टीम को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। मिलर के आने से टीम का मध्यक्रम और ज्यादा संतुलित दिख रहा है। समीर रिजवी और आशुतोष शर्मा फिनिशर की भूमिका निभाते नजर आएंगे. वहीं, अक्षर पटले और विपराज निगम बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान देंगे।

वहीं दूसरी ओर लखनऊ की टीम कप्तान 2. ऋषभ पंत के अलावा बल्लेबाज निकोलस पूरन पर आधारित रहेगी। ऋषभ को लखनऊ सुपर जायंट्स ने पिछली बार 27 करोड़ में खरीदा था। उन्होंने आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी की थी पर वह अधिकतर समय रन नहीं बना पाये पर अंत में 118 रनों की शानदार पारी खेलते हुए 14 पारियों में कुल 269 रन बनाए थे। इस बार उनका लक्ष्य अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को जीत दिलाना रहेगा। वहीं सलामी बल्लेबाज निकोलस पूरन ने पिछले सत्र में एक आक्रामक सलामी बल्लेबाज के तौर पर 14 मैचों में 524 रन बनाये थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 196.25 का रहा था। इस बार भी टीम उनसे बेहतर प्रदर्शन चाहेगी।

लखनऊ सुपर जायंट्स को मिचेल मार्श और एडेन मार्करम से इस सत्र में टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वहीं पूरन अपने बल पर किसी भी मैच का रुख पलट सकते हैं। हालांकि, कप्तान ऋषभ की फॉर्म लखनऊ टीम के लिहाज से काफी अहम होगी। लखनऊ का मिडिल ऑर्डर थोड़ा कमजोर दिख रहा है। मोहम्मद शमी, आवेश खान, एनरिक नॉर्टजे, मयंक यादव और मोहसिन खान के रूप में लखनऊ के पास अच्छे तेज गेंदबाज हैं। वहीं, स्पिन की जिम्मेदारी दिग्वेश राठी संभालेंगे, जिनका प्रदर्शन पिछले सीजन अच्छा रहा था।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

लखनऊ सुपर जाइंट्स : ऋषभ पंत (कप्तान), आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीज्के, एडेन माक्ररम, निकोलस पूरन, अर्शिन कुलकर्णी, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश महाराज सिंह, आवेश खान, मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, दिग्वेश सिंह राठी, अर्जुन तेंदुलकर, मयंक यादव, वानिंदु हसरंगा, एनरिच नॉर्किया, जोश इंगलिस, अब्दुल समद, हिम्मत सिंह, नमन तिवारी, अक्षत रघुवंशी, मोहसिन खान, मनिमारन सिद्धार्थ, मुकुल चौधरी।

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नीतिश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स,आशुतोष शर्मा, दुष्मंता चामीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, आकिब नबी दर, पाथुम निसांका, लुंगी एंगिडिगी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, अजय मंडल, टी नटराजन, माधव तिवारी, करूण नायर, साहिल पारख ।

दिल्ली को जीत दिलाने अक्षर पटेल को निरंतरता लानी होगी : इरफान पठान

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर ऑलराउंडर और कप्तान अक्षर पटेल के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है और अगर उन्हें अपनी टीम को जीत दिलानी है तो इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पठान के अनुसार पिछले सत्र में अक्षर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। पठान ने बताया है कि हाल के दिनों में दिल्ली कैपिटल्स के लिए सबसे बड़ी चिंता टीम के खिलाड़ियों का कमजोर प्रदर्शन रहा है। पठान ने किहा कि अक्षर पिछले सत्र के 12 मैचों में केवल 5 विकेट ले पाये और अन्होंने 263 रन बनाए। पठान ने कहा, पिछले साल अक्षर की गेंदबाजी में धार नहीं दिखी थी। उनका आत्मविश्वास हालांकि कप्तान बनने के बाद बढ़ा होगा पर अगर वह अपनी तरफ से नियमित रूप से विकेट लेते हैं, तो उनकी टीम हावी हो जाएगी क्योंकि उनकी टीम के पास कुलदीप यादव जैसा विकेट लेने वाला गेंदबाज है। इसके अलावा विपराज निगम जैसे उभारत हुआ खिलाड़ी है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कहा, आपको अक्षर और कुलदीप जैसी स्पिन-गेंदबाजी की जोड़ी कहीं और देखने को नहीं मिलेगी। आपको इसमें विपराज का नाम भी जोड़ना होगा। विपराज के साथ उनके पास दो ऐसे अनुभवी खिलाड़ी हैं जिन्होंने लगातार दो विश्व कप जीते हैं। भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों वाला ऐसा अनुभव आपको हर जगह नहीं मिलता। दिल्ली के लिए ये सकारात्मक बात है। कैपिटल्स ने पिछले सत्र की शुरुआत काफी अच्छी करते हुए लगातार चार मैच जीते थे। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स , सनराइजर्स हैदराबाद , चेन्नई सुपर किंग्स और आरसीबी को हराया था पर उसके बाद मुंबई इंडियंस से हार गए और इससे टीम ने अपनी लय गंवा दी थी। यह टीम अपने पिछले 10 मैचों में से सिर्फ तीन ही जीत पाई और अंक तालिका में 5 स्थान पर रही। अब इस सत्र में टीम बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। उसे अपना पहला मुकाबला 1 अप्रैल को लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलना है। दिल्ली का लक्ष्य इस मैच को जीतकर अच्छी शुरुआत करना रहेगा।

शार्दुल से बोले पंड्या, अब मुम्बई टीम में ही बने रहें

मुम्बई (ईएमएस)। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने आईपीएल 2026 सत्र के पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली शानदार जीत पर खुशी जतायी है। मुम्बई के लिए ये जीत इसलिए भी विशेष है क्योंकि 13 साल के बाद ये पहला अवसर है जब उसे शुरुआती मैच में ही जीत मिली है। इस जीत में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर की अहम भूमिका रही है। शार्दुल ने इस मैच में अपनी जबरदस्त गेंदबाजी से केकेआर की बल्लेबाजी ध्वस्त कर दी थी। इसी से उत्साहित पांड्या ने कहा कि अब अपने करियर का बचा हुआ समय शार्दुल मुम्बई के साथ ही बिताएं।

शार्दुल ने अपने चार ओवर में 39 रन लेकर 3 विकेट लिये। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी मिला। जीत के बाद हार्दिक ने कहा कि शार्दुल की जगह अब टीम में पक्की हो गयी है। मेरी इच्छा है कि वह अब बाकि करियर यहीं बिताएं। शार्दुल ने इस सत्र से पहले छह अलग-अलग टीमों से है। वहीं इस मैच के बाद हार्दिक ने कहा, मैंने शार्दुल से इस सत्र में पहले भी कहा था, बहुत हो गया फ्रेंचाइजी बदलना। मैं चाहता हूं कि तुम अपने बाकी करियर के लिए यहीं रहो। जिस तरह से वह आता है और हमेशा बल्लेबाज पर अंकुश लगाता है। ये शानदार है। मैं उसके लिए बहुत खुश हूं।

शुरुआती मैच में मिली हार से निराश नहीं रुतुराज गलतियों से सबके लेते हुए वापसी करेंगे

गुवाहाटी (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने कहा है कि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल के पहले ही मैच में मिली हार से सबक लेते हुए उनकी टीम वापसी करेगी। रुतुराज ने टीम का बचाव करते हुए कहा है कि सत्र की शुरुआत में गलती होना चल सकता है पर बाद में नहीं। अभी सत्र का पहला ही मैच हुआ है जिसमें मिली हार से टीम को काफी कुछ सीखने को मिला है। इसलिए टीम में पर किसी प्रकार का मानसिक दबाव नहीं है। टीम आने वाले सत्र में प्रदर्शन के लिए तैयार है। वहीं मैच को लेकर उन्होंने कहा, मैं अधिक निराश नहीं हूं। इसका कारण है कि इस मैच की शुरुआत में हालात कठिन थे। हमारे टीम के लिए जोफ्रा आर्चर जैसे गेंदबाज का सामना करना आसान नहीं था। तब स्पिनरों को भी विकेट से सहायाता मिल रही थी जिससे हालात और खराब थे। स्पिनर्स को भी मदद मिल रही थी।" उन्होंने हालांकि माना कि टीम बाद में बेहतर बल्लेबाजी कर सकती थी पर असफल रही। उन्होंने कहा कि हम मैच को अंत तक ले जान चाहते थे। हमारा लक्ष्य 150-160 तक पहुंचना था पर सफल नहीं रहे। उन्होंने माना कि टीम की बल्लेबाज विफल रही। पावरप्ले में टीम ने 41 रनों के अंदर तीन विकेट खो दिये थे जिससे उसपर दबाव आ गया था। पारी में कोई भी साझेदारी 40 रन तक नहीं पहुंच सकी जिससे टीम अच्छा स्कोर नहीं बनाने से हार गयी। एक के बाद एक विकेट गिरने से टीम को

संभलने का अवसर ही नहीं मिला। इस मैच में टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रहे और उसने शुरुआत में ही रुतुराज और संजू सैमसन के विकेट गंवा दिये। वहीं युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे शून्य पर ही आउट हो गये। मध्य क्रम भी असफल रहा। इम्पैक्स प्लेयर के तौर पर उतरे सरफराज खान भी 17 रन ही बना पाये। युवा खिलाड़ी कार्तिक शर्मा ने 18 रन बनाए। केवल जेमी ओवरटन ही टिककर खेल पाये। ओवरटन ने 36 गेंदों में 43 रन बनाये पर किसी भी बल्लेबाज ने उनका साथ नहीं दिया। शिवम दुबे 6 रन, नूर अहमद 1 रन और मैट हेनरी 5 रन बनाकर आउट हो गए, पूरी टीम 127 रन पर ऑल आउट हो गई। इसके बाद रॉयल्स ने वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी से आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। अब सीएस की टीम गुरुवार को पंजाब किंग्स से खेलेगी। इस मैच में सभी की नजरे सीएसके पर रहेंगी।

पावरप्ले की कमजोरी नहीं ठीक कर पायी सीएसके

गुवाहाटी (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम एक बार फिर पावरप्ले में कमजोर साबित हुई है। इसी कारण आईपीएल 2026 के अपने पहले ही मैच में उसे राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके की आधी टीम शुरुआती छह ओवरों में ही मात्र 41 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी थी। पिछले साल भी उसने पावरप्ले में ही अपने विकेट गंवा दिये थे। कागज पर जहां टीम की बल्लेबाजी कमजोर नजर आती है, वहीं मैदान पर आते ही उसकी कमजोरी की पोल खुल गयी। टूर्नामेंट की शुरुआत पहले दो मैचों में पावरप्ले में बड़े स्कोर के साथ हुई थी। इससे यह साफ हो गया कि अब लीग में पावरप्ले बल्लेबाजी का स्तर काफी कुछ तय करता है। ऐसे में शुरुआत में ही करीब पांच विकेट गिरना दिखाता है कि मैच टीम के हाथों से निकल गया है। इससे पहले आईपीएल 2025 में भी सीएसके का प्रदर्शन पावरप्ले में अच्छा नहीं रहा था। टीम पावरप्ले में 14 पारियों में 8.70 के रन रेट से 731 रन ही बना पायी थी।

ओवर्टन ने धोनी का रिकार्ड तोड़ा

आठवें नंबर पर सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

गुवाहाटी (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेल रहे जैमी ओवर्टन ने आईपीएल 2026 के पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 43 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने के साथ ही पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का भी एक रिकार्ड तोड़ दिया। ओवर्टन के कारण ही सीएसके 100 रन से ऊपर पहुंची। टीम के 127 रनों में से 43 रन ओवर्टन ने बनाए और धोनी का आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक 38 रनों के स्कोर को रिकार्ड भी तोड़ दिया। धोनी इस मैच में शामिल नहीं थे। वह चोट के कारण शुरुआती मैचों से बाहर हैं। इस मैच में टीम को एक बार फिर धोनी की कमी महसूस की। आईपीएल में सीएसके की ओर से धोनी ने अब तक 6 मैच नहीं खेल पाये हैं और इनमें से पांच मैचों में टीम हार है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह टीम के लिए कितने जरुरी हैं।

जैमी ओवर्टन अब आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए नंबर 8 या इससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अभी तक यह रिकॉर्ड धोनी के नाम दर्ज था। धोनी ने साल 2024 में विशाखापट्टनम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ नाबाद 37 रनों की पारी खेली थी, जबकि अब ओवर्टन ने 43 रन बनाए। इस ऑलराउंडर ने रन आउट होने से पहले 36 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की सहायता से 43 रनों की पारी खेली। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 119.44 रन था। उनके अलावा दो और बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंचे थे। वहीं अन्य बल्लेबाज बुरी तरह असफल रहे।

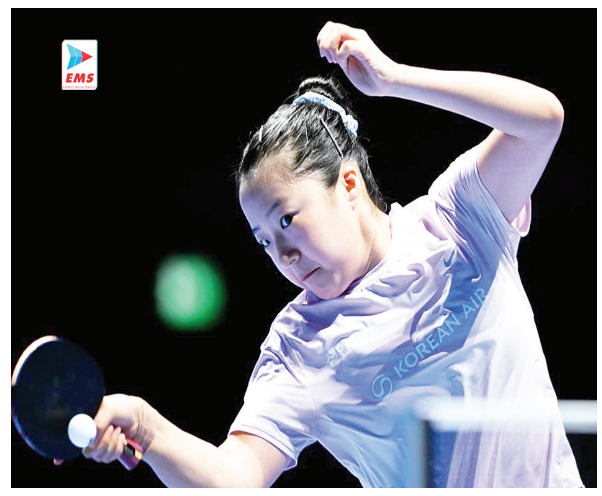

मकाओं में आईटीटीएफ पुरुष और महिला विश्वकप में खेलती हुई दक्षिण कोरिया की शिन युबिन।

शाहीन के बचाव में उतरे रजा

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान सुपरलीग (पीएसएल) में : होटल की सुरक्षा में सेंध के मामले में जहां लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी पर भारी जुर्माना लगाया गया है। वहीं इस मामले में शामिल रहे जिम्बाब्वे के खिलाड़ी सिकंदर रजा ने कहा है कि इसमें शाहीन नहीं बल्कि मैं दोषी हूं। शाहीन पर आरोप है कि सुरक्षाकर्मियों के मना करने के बाद भी वह अपने चार दोस्तो को होटल के अंदर ले गये थे। इसी कारण पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शाहीन पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। वहीं रजा ने अफरीदी का बचाव करते हुए कहा है कि पूरी गलती मेरी हैं।

रजा भी पीएसएल में लाहौर कलंदर्स की टीम से खेल रहे हैं। पंजाब पुलिस की तरफ से पीएसएल के सीईओ सलमान नसीर के लिखे गए पत्र में सिकंदर रजा और शाहीन शाह अफरीदी पर होटल के सुरक्षा मानकों को तोड़ने का गंभीर आरोप लगाया गया है।

रजा ने आरोपों को खारिज करते हुए सफाई दी है कि जो 4 मेहमान होटल आए थे वे लंबे समय से उनके दोस्त और परिवार के सदस्य की तरह हैं। रजा ने शाहीन का बचाव करते हुए कहा कि मैंने ही शाहीन से कहा था कि उनके दोस्तों को अंदर लाने में सहायता करें। उनके मुताबिक शाहीन ने तो केवल उनकी सहायता की थी। रजा ने कहा, मेरे दोस्त और परिवार वाले आए थे और मेरे अनुरोध पर शाहीन ने उनकी सहायता की। अगर ये सब सुरक्षा मानक हैं तो मुझे इसकी जानकारी नहीं थी। और कुछ हद तक शाहीन भी इस बात को नहीं जानते थे। यहां दोषी तो मैं हूं, शाहीन नहीं। वह मेरे अनुरोध पर नीचे आए थे क्योंकि वहां करीबी लोग थे। मैं उनसे बिजनस सेंटर में नहीं मिलना चाहता था। हम ऊपरी मंजिल पर 40 मिनट तक बैठे थे।

पीएसएल में सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़ने के लिए शाहीन पर लगा 10 लाख का जुर्माना

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में लाहौर कलंदर्स टीम के कप्तान शाहीन अफरीदी पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। शाहीन पर ये जुर्माना सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करते हुए अपने दोस्तों को होटल में ले जाने पर लगाया गया है। शाहीन ने इस दौरान सुरक्षाकर्मियों की बात भी नहीं मानी थी जिसके बाद उनकी शिकायत पीएसएल प्रबंधन और पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से की गयी थी। आंतरिक जांच के बाद शाहीन अफरीदी पर ने 10 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना ठोका है। इस मामले में लाहौर कलंदर्स टीम के लिए खेलने वाले जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा भी शामिल थे। एक रिपोर्ट के अनुसार चार अनधिकृत मेहमानों को होटल में खिलाड़ियों के कमरों में जाने की अनुमति नहीं थी। वहीं शाहीन ने सुरक्षा अधिकारियों और पीसीबी से औपचारिक अनुरोध भी नहीं किया था।

रिपोर्ट में बताया गया कि शाहीन और रजा सुरक्षा कर्मियों की सलाह की बात न मानते हुए मेहमानों को होटल के कमरे में ले गए। वे वहां कम से कम तीन घंटे तक रहे जो सुरक्षा नियमों के खिलाफ था। इस घटना को लेकरलाहौर कलंदर्स ने बयान जारी करते हुए कहा कि इस मामले में शाहीन पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। वहीं होटल में तैनात सुरक्षा कर्मियों के सजग रहने के लिए उनकी प्रशंसा की गयी है।

बयान में कहा गया, "अनुशासन बनाए रखने और जवाबदेही दिखाने के हित में, फ्रेंचाइजी ने स्वयं ही शाहीन पर उनकी भागीदारी के लिए 10 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना लगाया है। कलंदर्स ने इस मामले पर अपनी और टिप्पणियां पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को भेज दी हैं।

फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापिन ले सकते हैं संन्यास

टोक्यो (ईएमएस)। जापान ग्रां प्री में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने से निराश फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापिन ने कहा है कि वह अब अपने भविष्य को लेकर विचार कर रहे हैं। वर्स्टापिन के अनुसार सारी जिंदगी आप रेस नहीं कर सकते और जीवन में आगे भी काफी कुछ है। इससे माना जा रहा है कि वह आने वाले दिनों में संन्यास का फैसला कर सकते हैं। इस सत्र के नियमों से भी वह परेशान नजर आये। चार बार के विश्व चैंपियन वर्स्टापिन ने भी मान है कि जापान ग्रां प्री में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। सुजुका सर्किट पर 11वें स्थान से शुरुआत करने के बाद वह आठवें स्थान तक ही पहुंच सके। इस सत्र में नियमों और इंजन के ढांचे को लेकर भी वह नाराज दिखे। रेस के दौरान एक ऐसा पल भी देखने को मिला जब उनकी गाड़ी की बैटरी तकरीबन समाप्त हो गई थी और इसी कारण वह पिछड़ गये। वहीं क्वालिफाइंग के बाद वर्स्टापिन ने कहा था कि उन्हें अपने भविष्य को लेकर कई चीजों पर विचार करना है। जब उनसे इस बारे में दोबारा पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि वह फॉर्मूला वन में अपने आगे के रास्ते को लेकर विचार कर रहे हैं। बहरीन और सऊदी अरब ग्रां प्री रद्द कर दिए जाने से भी खिलाड़ियों को लंबा ब्रेक मिला है। वर्स्टापिन का कहना है कि वह इसी दौरान आने वाले समय में अपने भविष्य पर फैसला ले सकते हैं।उन्होंने यह भी कहा कि जिंदगी केवल फॉर्मूला वन तक सीमित नहीं है और आगे कई रास्ते हैं। उनके इस बयान से साफ है कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो वह संन्यास भी ले सकते हैं। वर्स्टापिन का मानना है कि फॉर्मूला वन में बने रहने के लिए खेल का मजेदार बने रहना जरूरी है।

एफआईएस नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

लुसाने (ईएमएस)। भारतीय महिला हॉकी टीम न्यूजीलैंड के आकलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएस नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी। हॉकी नेशंस कप प्रो लीग से बाहर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली टीमों का शीर्ष स्तरीय टूर्नामेंट है। इसमें विजेता टीम को अगले सत्र में प्रो लीग में खेलने का अवसर मिलता है।भारतीय महिला हॉकी टीम पिछले सत्र में नौ टीमों में आखिरी स्थान पर रहने के बाद से ही प्रो लीग से बाहर हो गई थी। भारत के अलावा इसमें मेजबान न्यूजीलैंड, अमेरिका, जापान, कोरिया, चिली, स्कॉटलैंड और फ्रांस भी भाग लेंगे। भारतीय महिला हॉकी टीम ने पिछले कुछ समय में काफी अच्छा प्रदर्शन करती आ रही है जिससे उसे नेशंस कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं पुरूषों वर्ग टूर्नामेंट केपटाउन में खेला जाएगा जिसमें दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, फ्रांस, कोरिया, जापान, वेल्स, मलेशिया, आयरलैंड और स्कॉटलैंड की टीमें हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट 11 से 20 जून तक खेला जाएगा। इसके लिए भारतीय पुरुष और महिला टीमों की तैयारी जारी है।

कार्तिक अन्य तेज गेंदबाजों के एक्शन की नकल न करें : स्टेन

मुम्बई (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा है कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के युवा तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी अपना गेंदबाजी एक्शन बार-बार बदल रहे हैं जिससे उन्हें नुकसान हो रहा है। स्टेन के अनसार जिस प्रकार से कार्तिक अन्य गेंदबाजों की नकल करने का प्रयास कर रहे हैं उससे उन्हें बचना होगा। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि किसी की नकल से कुछ लाभ जरुर मिल सकता है पर हर गेंदबाज के पास आना स्वयं का एक्शन होता है जिसे बनाये रखना चाहिये। आईईपीएल के पहले ही मैच में कार्तिक ने केकेआर के खिलाफ अपने पहले ही मैच में

सूर्यकुमार यादव का विकेट लिया था पर उन्होंने 43 रन भी अपनी गेंदबाजी में दिये। स्टेन ने यह भी कहा कि इस युवा में काफी प्रतिभा है और उसे इसका सही से इस्तेमाल करना चाहिये। इसके साथ ही धैर्य रखते हुए विकेट के लिए हड़बड़ी नहीं करनी चाहिये। स्टेन के अनुसार, विकेट लेने की एक प्रक्रिया होती है और खिलाड़ी को उसी पर ध्यान देना चाहिए, न कि हर गेंद पर विकेट लेने का प्रयास करना चाहिये। साथ ही कहा कि इस गेंदबाज को अपने पर भरोसा रखते हुए जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए।अब तक के आईपीएल कैरियर को देखें तो कार्तिक ने आईपीएल 2020 में राजस्थान के लिए खेलते हुए 10 मैचों में 9 विकेट लिए थे और तभी सभी का ध्यान उनपर गया था। साल 2021 में उन्होंने पंजाब के खिलाफ आखिरी ओवर में 4 रन बचाकर मैच जिताया था। पर इसके बाद चोट और टीम बदलाव की वजह से उनका करियर आगे नहीं बढ़ा। हैदराबाद, गुजरात के बाद अब वह केकेआर से खेल रहे हैं। टीम अगला मैच 2 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ है जिसमें भी उन्हें अवसर मिलना तय है। ऐसे में इस युवा के पास उस मैच में भी बेहतर प्रदर्शन का टीम को जीत दिलाने का अवसर रहेगा।

आईपीएल की कवरेज के लिए आये ब्रिटेन के ब्रॉडकास्ट इंजीनियर की मौत

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल कवरेज की जिम्मेदारी संभाल रहें ब्रॉडकास्ट इंजीनियर ब्रिटेन के इयान विलियम्स लैंगफोर्ड की अचानक हुई मौत से सनसनी फैल गयी है। लैंगफोर्ड को मुंबई के पांच सितारा ट्राइडेंट होटल में मृत पाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार इयान 24 मार्च से ही होटल में ठहरे हुए थे। उन्हें भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ब्रॉडकास्ट इंजीनियर के तौर पर रखा था। वहीं पुलिस के अनुसार आईपीएल मैचों के लिए बीसीसीआई के साथ ब्रॉडकास्ट इंजीनियर के रूप में काम करने वाले एक ब्रिटिश नागरिक की मौत का मामला सामने आया है। वह उम्र 76 वर्ष के थे। 29 मार्च को मैच के बाद इयान अपने होटल के कमरे में पहुंच गये थे पर जब 30 मार्च को उनके कमरे में फोन किया गया तो कोई जवाब नहीं मिला, इसके बाद होटल स्टाफ ने कमरे पर पहुंचकर आवाज दी। कोई जवाब न .

मिलने पर उन्होंने मास्टर चाबी से कमरा खोला और उन्हें फर्श पर मृत पाया गया। . होटल के डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

वैभव की पारी देखकर कैफ के सुर बदले, बोले उसकी क्षमताएं पहचानने में मुझसे भूल हुई

गुवाहाटी (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की शुरुआत से पहले उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की आलोचना करने वालों के सुर भी उनकी बल्लेबाजी देखकर अब बदल गये हैं। जिस प्रकार से वैभव ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ पहले ही मैच में 15 गेंदों में ही तेजी से अर्धशतक लगाया है। उससे पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाये। पहले जहां कैफ ने कहा था कि वैभव को लेकर जरुरत से ज्यादा बातें कही जा रही हैं, वहीं इस बल्लेबाज की पारी देखकर अब कैफ को भी अपनी धारणा बदलनी पड़ी है। कैफ ने माना है कि वैभव की क्षमताएं पहचानने में उनसे गलती हो गयी।

कैफ ने सोशल मीडिया में लिखा, 'पिछले सत्र में मुझे लगा था कि वैभव सूर्यवंशी को बहुत जल्दी हाइप मिल रही है। पुराने विचारों वाला क्रिकेटर होने के नाते मेरा मानना है कि युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में कोई जल्दबाजी नहीं होनी चाहिए। लेकिन एक साल बाद मुझे लगता है कि वह अगले स्तर पर जाने के लिए तैयार है। यह 15 साल का लड़का मनोरंजन भी कर सकता है और मैच विजेता पारियां भी खेल सकता है।'

पिछले साल उसने 35 गेंद में शतक लगाया था। वहीं अब 15 गेंद में अर्धशतक लगाया है। पिछले साल वैभव ने 14 साल की उम्र में डेब्यू किया था। वह आईपीएल इतिहास में डेब्यू करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। पिछले सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में इस बल्लेबाज ने 35 गेंद में शतक लगा दिया था। ये आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक है। उनसे पहले सबसे तेज शतक केवल यूनिवर्स बॉस क्रिस गेल के नाम है जिन्होंने 2013 में केवल 30 गेंदों में तीन अंकों का आंकड़ा हासिल किया था। सोमवार को हुए मैच की बात करें तो सीएसके पहले बल्लेबाजी करते हुए केवल 127 रन पर सिमट गई। टीम पूरे 20 ओवर तक नहीं खेल पाई और 19.4 ओवर में ही सिमट गई।

वैभव सभी मैचों में उतरेंगे : रियान

रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने कहा है कि उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी इस सत्र में अपनी सभी 14 मैच खेलेंगे। 15 साल के वैभव ने पहले ही मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 300 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से अर्धशतक लगाकर राजस्थान रॉयल्स की जीत में अहम भूमिका निभाई है। इससे उत्साहित रॉयल्स के कप्तान रियान ने कहा है हालात कैसे भी हों वैभव हर मैच खेलेंगे। सीएसके के खिलाफ मैच के बाद कप्तान रियान से जब वैभव के बारे में पूछा गया कि आप उन्हें क्या कहेंगे? इसके जवाब में पराग ने कहा, मैं उसे यही कहूंगा कि तुम 14 गेम खेलने वाले हो और गेम में चाहे कुछ भी हो, तुम्हें इसी प्रकर निडर होकर खेलना है। मीडिया में क्या चल रहा है इससे परेशान होने की जगह केवल बल्लेबाजी पर ही ध्यान दो। मैंने कोच को बता दिया है कि उसे जितनी बल्लेबाजी करनी है करने दें। साथ कही कहा कि मैं और ध्रुव उसकी बल्लेबाजी देखकर हैरान हुए थे। हमें पता नहीं चल पा रहा था कि वह कैसे क्या कर रहा है हालांकि उसे अपनी टीम में पाकर बहुत खुश हूं।

वैभव ने सीएसके के खिलाफ 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया था और 17वीं गेंद पर वे आउट हो गए थे। इस बल्लेबाज ने 4 चौके और 5 छक्के लगाकर 52 रन बनाकर राजस्थान की जीत तय कर दी। वैभव ने 305.88 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये। पिछले सत्र में भी इस बल्लेबाज ने अर्धशतक लगाया था।

जडेजा ने बताया, गन शॉट सेलिब्रेशन का कारण

रॉयल्स की टीम ने आईपीएल 2026 की शुरुआत जीत से की है। उसने पहले ही मैच में चेन्नई सुपरकिग्स (सीएसके) को हराया है। इस मैच में रॉयल्स की ओर से खेल रहे रविन्द्र जडेजा ने सीएसके के शिवम दुबे को आउट करने के बाद गन शॉट सेलिब्रेशन किय। ये पहली बार है जब जडेजा ने इस प्रकार से जश्न मानाया। वह अबतक तलवारबाजी वाला जश्न मानते आये हैं पर गन शॉट वाला नहीं। वहीं जडेजा ने इसका कारण भी बताया है। उन्होंने कहा कि मैं जानता था कि शिवम कैसे सोचते हैं। इसलिए मुझे पता था कि वह बड़ा शॉट खेलने का प्रयास करेगा और उसकी इसी योजना को विफल करने में मैं सफल रहा। इसी कारण मैंने जश्न मनाया।

इससे पहले तक सीएसके में रहे जडेजा पहली बार रॉयल्स से खेल रहे हैं। जडेजा ने अपनी पुरानी टीम के सामने खतरनाक गेंदबाजी की। 3 ओवर में 18 रन दिए और 2 विकेट लिए। इसमें सरफराज खान और शिवम दुबे का विकेट शामिल था। दोनों को एक ही ओवर में जडेजा ने अपना शिकार बनाया। शिवम को आउट करने के बाद जश्न के कारण वह निगाहों में आये। जडेज ने कहा, मैं उन्हें काफी लंबे समय से जानता हूं।

आज से बदल जाएगा यूपीआई पेमेंट का सिस्टम, अब सिर्फ ओटीपी से नहीं चलेगा काम

1 अप्रैल 2026 से भारत में डिजिटल पेमेंट करने का तरीका थोड़ा बदलने वाला है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने साइबर फ्रॉड बढ़ने को देखते हुए नई सख्ती की है। अब यूपीआई, कार्ड और वॉलेट से होने वाले हर ट्रांजेक्शन में दो-तरफा वेरिफिकेशन यानी टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2FA) जरूरी हो जाएगा। सिर्फ ओटीपी डालकर काम नहीं चलेगा। इस बदलाव से पेमेंट थोड़ा समय ले सकता है। हालांकि, आरबीआई का कहना है कि इसके पीछे उसका मकसद लोगों के पैसे को ज्यादा सुरक्षित रखना और बिना इजाजत के ट्रांजेक्शन को रोकना है।

ओटीपी अकेला काफी नहीं

पहले ज्यादातर ऑनलाइन पेमेंट सिर्फ ओटीपी के भरोसे ही पूरे हो जाते थे। लेकिन फिशिंग और एसआईएम स्वैप जैसे फ्रॉड ने दिखा दिया कि ये तरीका पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। अब नए नियमों में ओटीपी अकेले काम नहीं करेगा, बल्कि यह सिर्फ एक स्टेप रहेगा। हर पेमेंट को पूरा करने के लिए कम से कम दो अलग-अलग तरीकों से वेरिफिकेशन करना जरूरी होगा। वेरिफिकेशन के लिए पिन या पासवर्ड, फिंगरप्रिंट या फेस आईडी जैसे बायोमेट्रिक, या फिर सुरक्षित टोकन इस्तेमाल हो सकते हैं। यानी अब हर ट्रांजेक्शन दो लेयर की जांच से गुजरेगा। अगर आप अपने भरोसेमंद डिवाइस से पेमेंट कर रहे हैं तो प्रक्रिया थोड़ी आसान रह सकती है, लेकिन नई डिवाइस या ज्यादा रकम वाले पेमेंट पर अतिरिक्त जांच हो सकती है। आरबीआई ने रिस्क-बेस्ड ऑथेंटिकेशन पर भी जोर दिया है, यानी ट्रांजेक्शन के जोखिम के हिसाब से सुरक्षा का स्तर तय किया जाएगा।

बैंक और प्लेटफॉर्म पर ज्यादा जिम्मेदारी

नए नियम सिर्फ यूजर्स तक नहीं रुकते। बैंक और पेमेंट कंपनियों की जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। उन्हें सुरक्षा स्टैंडर्ड फॉलो करने पड़ेंगे। अगर सिस्टम की गलती से फ्रॉड होता है तो बैंक को यूजर को मुआवजा देना पड़ सकता है। विवाद सुलझाने की प्रक्रिया भी तेज होनी चाहिए। इसके अलावा इंटरनेशनल पेमेंट पर भी यही नियम लागू होंगे। क्रॉस-बॉर्डर ट्रांजेक्शन और विदेशी कार्ड पेमेंट के लिए पूर्ण रूप से अक्टूबर 2026 तक लागू करना है। आरबीआई ने का कहना है उसने ये कदम इसलिए उठाया क्योंकि भारत में डिजिटल पेमेंट तेजी से बढ़ रहे हैं। यूपीआई और कार्ड ट्रांजेक्शन का इस्तेमाल रोजमर्रा हो गया है, लेकिन साथ ही फ्रॉड के मामले भी बढ़े हैं। नई व्यवस्था से साइबर घोटालों को कम करने, लोगों का भरोसा बढ़ाने और पूरे सिस्टम को मजबूत बनाने की कोशिश है।

सोना-चांदी निवेश के नियमों में भी होगा बड़ा बदलाव

1 अप्रैल से सोने और चांदी में निवेश करने वाले लोगों के लिए कई महत्वपूर्ण बदलाव लागू हो रहे हैं, जिनका सीधा असर निवेश की वैल्यू, लोन सुविधा और टैक्स प्लानिंग पर पड़ेगा। सिक्युरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड आफ इंडिया (सेबी) के नए नियमों के अनुसार अब गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की कीमतें अंतरराष्ट्रीय मानक लंदन बुलियन मार्केट एसोशिएशन के बजाय भारतीय एक्सचेंज के घरेलू स्पॉट प्राइस पर आधारित होंगी। इससे निवेशकों को देश के वास्तविक बाजार भाव का बेहतर अंदाजा मिलेगा और विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव का असर कम होगा। वहीं, लोन से जुड़े नियमों में भी राहत दी गई है। अब तक आमतौर पर बैंकों से गोल्ड लोन ही आसानी से मिलता था, लेकिन नए प्रावधानों के तहत बैंक और को-ऑपरेटिव फाइनेंस संस्थाएं चांदी (गहने, सिक्के और बर्तन) के बदले भी लोन दे सकेंगी। यह कदम खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद होगा, जिनकी बचत चांदी के रूप में है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) निवेशकों के लिए भी नियम बदले हैं। रिजर्व बैंक आफ इंडिया से सीधे खरीदे गए बॉन्ड पर मैच्योरिटी पर मिलने वाला लाभ टैक्स-फ्री रहेगा। हालांकि, यदि एसजीबी सेकेंडरी मार्केट से खरीदे गए हैं, तो उस पर टैक्स छूट नहीं मिलेगी। इन बदलावों के बाद निवेशकों को अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ सकता है, खासकर ईटीएफ और एसजीबी में निवेश करते समय।

दूध, किराना, इलाज महंगे होंगेः रोजमर्रा के सामान के दाम बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्लीः पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने कंपनियों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। कच्चे तेल और अन्य कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से लागत बढ़ रही है और कंपनियां दाम बढ़ाने पर विचार कर रही हैं। इससे बोतलबंद पानी, नमक, तेल जैसी रोजमर्रा की चीजें, एसी, फ्रिज जैसे कंज्यूमर ड्यूरेबल से लेकर नॉन-सर्जिकल मेडिकल आइटम के दाम बढ़ सकते हैं। वजह यह है कि इस जंग ने प्लास्टिक उद्योग की रीढ़ तोड़ दी है। बीते 30 दिनों में कच्चे माल के दाम 50-70% तक बढ़ चुके हैं। सबसे ज्यादा उपयोग में आने वाले प्लास्टिक दाने एलडीपीई के दाम 110 रु/किलो से 180 रुपए तक पहुंच गए हैं। अन्य पॉलीमर और रॉ मटेरियल भी 30 हजार से 70 हजार रुपए प्रति टन तक वृद्धि हुई है। ऐसे में अप्रैल में प्लास्टिक की कीमतें 50-60% तक बढ़ सकती हैं। प्लास्टिक टंकी व कंटेनर के दाम 30-40% तक बढ़ने की आशंका है। ऑल इंडिया प्लास्टिक मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के प्रेसिडेंट सुनील शाह कहते हैं कि प्लास्टिक इंडस्ट्री से 5 लाख लोग जुड़े हैं। संकट बढ़ा तो दो-तीन लाख लोग बेरोजगार हो सकते हैं। हमारी मांग है कि स्थिति सामान्य होने तक प्लास्टिक प्रोडक्ट्स पर 18% जीएसटी को कम करके 5% तक लाया जाए। बैंक वर्किंग कैपिटल लिमिट 20% तक बढ़ा दें। इससे कैश फ्लो समस्या हल होगी।

एलपीजी संकट से 20 हजार छोटे उद्योगों पर लगा ताला

असर 50 हजार प्लास्टिक फैक्ट्रियों पर पड़ा है। कॉमर्शियल एलपीजी की कमी झेल रहे अधिकांश यूनिट्स ने उत्पादन बंद कर दिया या घटा दिया। करीब 20 हजार कारखाने बंद होने का अनुमान है। हैदराबाद के एक ईपीई निर्माता ने बताया, 'हम गैस के बिना उत्पादन नहीं कर सकते। 80 रुपए/किलो तो छोड़िए 150 में भी नहीं मिल रही।' गुजरात के राजकोट में 40 से ज्यादा प्लांट बंद हो चुके हैं। मध्यप्रदेश, रायपुर और हैदराबाद में भी कई प्लांट बंद हैं। प्लास्टिक पैकेजिंग निर्माता लंबे समय तक मार्जिन का दबाव नहीं झेल पा रहे। कई यूनिट्स ने पुराने ऑर्डर रद्द कर दिए हैं।

कॉपर डिमांड बूम के बीच पीएसयू कंपनी का 470 करोड़ रुपए निवेश

सरकारी खनन कंपनी हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के शेयर बुधवार को फोकस में रहेंगे। पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग (पीएसयू) कंपनी मध्य प्रदेश में 30 लाख टन प्रति वर्ष क्षमता वाले नए कॉपर कंसंट्रेट प्लांट के लिए करीब 470 करोड़ का निवेश करने की तैयारी में हैं। हिंदुस्तान कॉपर ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स ने मध्य प्रदेश स्थित मलांजखंड कॉपर प्रोजेक्ट में इस प्लांट की स्थापना के लिए टर्नकी कॉन्ट्रैक्ट आरडी इंजीनियरिंग लिमिटेड को देने को मंजूरी दे दी है। 469.55 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के 27 महीनों की अवधि में पूरा होने की उम्मीद है। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब हिंदुस्तान कॉपर अपने प्रमुख मलांजखंड खदान में क्षमता विस्तार पर जोर दे रही है। यह देश के सबसे बड़े कॉपर भंडारों में से एक है। इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, रिन्यूएबल एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे सेक्टर में मेटल की बढ़ती मांग के बीच कंपनी यह विस्तार कर रही है। यह कॉन्ट्रैक्ट टर्नकी आधार पर पूरा किया जाएगा। इसका मतलब है कि आरडी इंजीनियरिंग लिमिटेड डिजाइन से लेकर कमीशनिंग तक पूरे प्रोजेक्ट का एंड-टू-एंड एग्जीक्यूशन संभालेगी। इस मंजूरी को 30 मार्च 2026 को हुई कंपनी की 461वीं बोर्ड बैठक में अप्रूव किया गया। यह जानकारी सेबी (लिस्टिंग ऑब्लिगेशन एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स) रेगुलेशंस, 2015 के तहत दी गई।

एमपी में लगेगा नया प्लांट

हिंदुस्तान छोपेर मध्य प्रदेश में नया प्लांट स्थापित करने की तैयारी में है। एक्सचेंज को दी गई जानकारी के अनुसार, कंपनी इस प्रोजेक्ट पर करीब 470 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यह प्लांट सालाना 30 लाख टन कॉपर कंसंट्रेट उत्पादन करने की क्षमता रखेगा। घरेलू स्तर पर तांबे के उत्पादन को बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम करने के मकसद से कंपनी यह विस्तार कर रही है। इस बीच, हिंदुस्तान कॉपर के शेयर सोमवार को बीएसई पर 454.45 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुए।

सुकन्या में 8.2% और पीपीएफ पर 7.1% ब्याज मिलता रहेगा

नई दिल्लीः सरकार ने अप्रैल-जून तिमाही के लिए स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स जैसे- पब्लिक प्रोविडेंट फंड, पोस्ट ऑफिस एफडी, सुकन्या समृद्धि योजना और नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट के ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। यह लगातार 9वीं तिमाही है, जब ब्याज दरें अपरिवर्तित रहेंगी। सरकार ने आखिरी बार दिसंबर 2023 में इंटरेस्ट रेट्स में बढ़ोतरी की थी। पब्लिक प्रोविडेंट फंड पर 7.1% और सुकन्या समृद्धि योजना पर 8.2% ब्याज मिलता रहेगा। स्मॉल सेविंग्स स्कीमों पर ब्याज दरें 4% से 8.2% के बीच हैं। सरकार छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों पर फैसला लेने से पहले देश में कैश और महंगाई की स्थिति पर भी नजर रखती है। इनकी समीक्षा हर तीन महीने पर होती है। स्मॉल सेविंग्स स्कीम की ब्याज दरों का हर तिमाही में रिव्यू होता है। इनकी ब्याज दरें तय करने का फॉर्मूला श्यामला गोपीनाथ समिति ने दिया था। समिति ने सुझाव दिया था कि इन स्कीम की ब्याज दरें समान मैच्योरिटी वाले सरकारी बॉन्ड के यील्ड से 0.25-1.00% ज्यादा होनी चाहिए। स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स भारत में हाउसहोल्ड सेविंग का मेजर सोर्स हैं। इन स्कीम्स में डिपॉजिटर्स को उनके पैसे पर तय ब्याज मिलता है। सभी स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स से हुए कलेक्शन को नेशनल स्मॉल सेविंग्स फंड में जमा किया जाता है।

सेबी का बड़ा एक्शनः एलीटकॉन इंटरनेशनल समेत 6 पर लगाया बैन, 51 करोड़ की कमाई जब्त

बाजार नियामक सेबी ने कथित हेरफेर गतिविधियों एवं भ्रामक खुलासों के आरोप में एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। , प्रोमोटर एवं प्रबंध निदेशक विपिन शर्मा समेत चार अन्य को सिक्योरिटीज मार्केट में कारोबार करने से बैन कर दिया है। सेबी ने सोमवार को जारी अपने अंतरिम आदेश में विपिन शर्मा और चार अन्य इकाइयों से करीब 51.26 करोड़ रुपये की कथित गलत कमाई जब्त करने को आदेश दिया। साथ ही सेबी ने बताया कि वह इस मामले की गहराई से जांच करेगा और इसके लिए विशेष ऑडिट कराने के लिए ऑडिटर नियुक्त करेगा।

सेबी ने क्यों की कार्रवाई?

यह कार्रवाई एलीटकॉन इंटरनेशनल के शेयर में कारोबार की जांच के बाद की गई। जांच में नियामक को प्रथम दृष्टया यह संकेत मिले कि कंपनी और उससे जुड़े लोगों ने परिचालन एवं वित्तीय स्थिति से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी छिपाकर निवेशकों को गुमराह किया जबकि उसी दौरान ऊंची कीमतों पर शेयर बेचे जा रहे थे। सेबी ने आरोप लगाया कि कंपनी ने अपने वित्तीय एवं परिचालन स्थिति की भ्रामक तस्वीर पेश करने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी दबाई। आदेश में कहा गया कि सकारात्मक खुलासे किए गए लेकिन माल एवं सेवा कर से जुड़े मामलों सहित कुछ प्रतिकूल घटनाक्रमों की जानकारी निवेशकों को पर्याप्त रूप से नहीं दी गई। सेबी ने अपने 82 पेज के आदेश में कहा, "कंपनी के वित्तीय हालात और कामकाज के संबंध में बाहरी दुनिया के सामने केवल सकारात्मक तस्वीर पेश की जा रही थी।" नियामक ने कहा कि ऐसे चयनात्मक खुलासों से बाजार में सकारात्मक माहौल बना और निवेशकों को शेयर खरीदने के लिए प्रेरित किया गया जबकि उसी समय प्रवर्तक एवं उनसे जुड़े पक्ष अपने शेयर बेच रहे थे।

सेबी के अनुसार प्रथम दृष्टया साक्ष्य से पता चलता है कि सकारात्मक बाजार धारणा बनाए रखने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण तथ्यों को दबाया गया जबकि नोटिस प्राप्त पक्ष अपनी हिस्सेदारी बेच रहे थे। नियामक ने कहा कि यह आचरण शेयर कीमत को कृत्रिम रूप से सहारा देने और निवेशकों की रुचि का लाभ उठाने की योजना की ओर संकेत करता है, जिससे बाजार में हेरफेर की आशंका उत्पन्न होती है। इसी के तहत सेबी ने छह इकाइयों को अगले आदेश तक प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रतिभूतियों की खरीद-फरोख्त से रोक दिया है। साथ ही संबंधित इकाइयों के बैंक और 'डीमैट' खातों को जब्त की गई राशि की सीमा तक फ्रीज करने का भी निर्देश दिया गया है। प्रतिबंधित व्यक्तियों में प्रवर्तक विपिन शर्मा, गैर-प्रवर्तक पवन कुमार राय तथा ऑफ-मार्केट हस्तांतरण पाने वाले गौरव त्यागी, प्रभाकर कुमार और सुजीत चतुर्वेदी शामिल हैं। नियामक ने इन इकाइयों को अपनी संपत्तियों एवं निवेशों का विवरण देने का निर्देश भी दिया है। कंपनी की वास्तविक वित्तीय स्थिति का पता लगाने के लिए फोरेंसिक ऑडिट कराने का आदेश दिया है। सेबी ने कहा कि कथित गैरकानूनी लाभों के दुरुपयोग को रोकने और निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए तत्काल हस्तक्षेप आवश्यक है।

दैनिक पंचांग

1 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

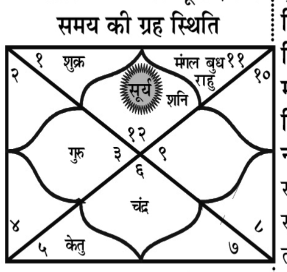

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.36 बजे से
चंद्र	कन्या में	वृष	08.16 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.14 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.27 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.44 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.56 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.06 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.21 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.37 बजे से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	मकर	01.42 बजे से
		कुंभ	03.29 बजे से
		मीन	05.01 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 91 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्दशी 07.07 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 16.18 बजे को समाप्त। **योग** वृद्धि 14.51 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 07.07 बजे तदनन्तर विष्टि 19.21 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 12.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 04° 28' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872666 **जूलियन दिन** 2461131.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सव्वाल **तारीख** 12 **विशेष** पंगुनी उथिरम, बैंक अवकाश, हाटकेश्वर जयंती, गुरु हरकिशन पुण्यतिथि।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7963

1		2	3	■	4	5		6
	■	7		8			■	
9	10	■	■		■	■	11	
■		■	12		13	■		■
14				■	15			
■		■	16	17		■		■
18		■	■		■	■	19	20
	■	21	22		23	24	■	
25				■	26			

बाएँ से दाएँ

1. आदत, स्वभाव-4
4. सुरक्षित-4
7. जरुरतमंद-5
9. भीगा हुआ-2
11. मक्का-मदीना की यात्रा-2
12. सोना, धतुरा-3
14. धक्का देना-4
15. खानाबदोश, बंजारा-4
16. अंधेरा, अंधकार-3
18. खामी, बुरी आदत-2
19. ईसाई साध्वी-2
21. नायक का विलोम-5
25. करिश्मा, करामात-4
26. महीन व मंहगे कपड़े का एक प्रकार -4

ऊपर से नीचे

1. अंग्रेज, विदेशी-3
2. लीन, मगन-2
3. पैंदा, तला-2
4. रिश्तेदार-2
5. थूक, लेस-2
6. तहजीब, सलीका-3
8. देह, काया-3
10. टोने-टोटकों वाली किताब-5
11. स्वदेशवासी -5
12. कपड़े की दीवार-3
13. अनुमान, आकलन-3
17. राजी करना-3
18. चश्मा-3
20. अनुकृति-3
21. पत्र, चिट्ठी-2
22. होठ, अधर-2
23. मृत्यु देवता, यमराज-2
24. बीता हुआ दिन-2

शब्द पहेली -7962 का हल

■	त	ल	ब	■	ट	म	ट	म
प	■	■	द	स्त	क	■	■	हा
र	■	ना	नी	■	ला	श	■	ज
ख	ल	ना	य	क	■	व	त	न
■	ल	■	त	■	ना	■	री	■
म	ना	ही	■	ह	क	ब	का	ना
हा	■	ना	क	■	क	ल	■	यि
व	■	■	स	पा	ट	■	■	का
त	व	वा	र	■	ना	ह	क	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 7504

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

■	14	21	21	■	32	21	12	19	■
12	2		3	■	4		4		22
14		7		■		7		3	23
16	8		6	■	7		3		26
21		5		2		■	■	■	■
■	■	■	■		8		2		29
26		5		7	■	3		4	13
18	5		5		■		4		14
29		8		8	■	4		8	18
■	21	15	16	30	■	19	18	22	■

अंकजाल 7503 का हल

■	21	20	17	■	35	27	11	12	■
16	5	3	8	■	7	3	4	2	16
22	6	7	9	■	7	2	5	7	21
7	2	5	■	7	8	9	2	3	29
35	8	5	6	7	3	6	■	■	■
■	■	■	6	3	4	7	8	8	36
29	5	8	6	4	6	■	8	7	15
21	3	5	6	7	■	3	2	7	12
20	5	4	9	2	■	7	5	8	20
■	13	17	33	30	■	10	23	30	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6448

5		1		6		2
4	25	2	32		36	
			6	7		3
	31	3	42		33	
3	2	7		4	5	
	37		35	3	30	
2		6		1		4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6447 का हल

5	3	6	4	1	7	2
4	33	2	32	2	28	7
1	5	7	6	4	2	3
6	33	5	42	3	31	6
3	2	4	6	7	5	1
7	27	3	35	5	40	5
2	5	1	3	6	7	4

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1855 पहला बंगाली प्रीमियर 'वाणी परिचय' ईश्वरचंद विधासागर ने प्रकाशित किया.
1861 आयकर अधिनियम प्रभावी हुआ.
1861 नया तलाक अधिनियम प्रभावी हुआ.
1881 मद्रास का साप्ताहिक 'हिन्दू' दैनिक बना.
1912 दिल्ली राजधानी बनी.
1930 लड़का और लड़की की विवाह योग्य आयु क्रमश 18 और 15 वर्ष तय की गई.
1933 जर्मनी ने यहूदियों के व्यापार का बहिष्कार किया और उनके बैंक खाते जब्त कर लिए.
1934 भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना.
1936 उड़ीसा अलग राज्य बना.
1937 भारतीय प्रांतों के प्रशासन संबंधी कानून प्रभावी हुआ.
1953 सुब्रत मुखर्जी वायु सेना के प्रथम भारतीय प्रमुख बने.
1956 कंपनी अधिनियम प्रभावी हुआ.
1957 नया पैसा चलन में आया.

गणित पहेली - 5808

50		2		5		5	=	52
	■		■		■		■	
52		80		78		10	=	44
	■		■		■		■	
97		58		25		2	=	16
	■		■		■		■	
20		3		20		2	=	20
=	■	=	■	=	■	=	■	=
25		21		38		27	=	4 / 15

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5807

145	+	31	-	32	-	50	=	94
-	■	-	■	+	■	-	■	-
60	-	30	+	20	-	25	=	25
-	■	+	■	+	■	-	■	+
50	-	44	+	24	-	15	=	15
+	■	-	■	-	■	+	■	-
10	x	5	-	40	+	15	=	25
=	■	=	■	=	■	=	■	=
45	-	40	+	36	-	25	=	59 / 16

शब्दजाल- 7495

मा	म	मा	चु	प	चु	प	के	ह	क	ल
हा	ला	सू	ह	वि	ल	जी	स	ल	क	भा
हे	वी	मा	द	अं	रा	त	र	म	ल	ग
रा	र	दा	ल	ल	क	स	ओ	ह	सु	म
फे	मु	न	ष	वी	म	मी	त	ल	न	भा
री	मी	स्कु	स	जि	क	क	प	च	स	ग
के	ह	बु	रा	टी	म	ली	टे	ल	र	दा
न	पू	कु	द	ह	प	नी	का	ला	पा	नी
हं	गा	मा	सू	ह	ट	ने	ने	ल	जी	क
सा	त	रं	ग	के	स	प	ने	री	क	ल
म	ह	न	ह	ज	तु	द	न	ज	ल	ना

शब्दजाल में प्रियादर्शन निर्देशित की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

चुप चुप के, भागमभाग, हलचल, हंगामा, हेराफेरी, विरासत, काला पानी, सात रंग के सपने, मालामाल वीकली, मुस्कुराहट

शब्दजाल - 7494 का हल

ख	न	र	कु	ड्ड	प्ली	के	ट	ला	नी	क
ज	या	फु	ज	इं	डो	ने	ह	क	गु	प
फ	दौ	आ	ट	म	न	इ	दो	न	ना	म
च	र	रा	मो	पा	ल	स	रा	प	ह	ह
स	म	बा	ज	त	त	उ	हें	ख	री	म
डै	जे	ज	र	नी	द	ला	म	ल	ड़	द
डी	मा	दे	ख्म	व	बा	स	म	पी	ख	स्त
र	दे	श	बा	र	प	र	थ	ड़	भ	क
म	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	थ	थ
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	है
ते	रा	जा	क	दि	प	ने	सा	थी	स	म

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त खबरें

रांची में हैवानियत! महिला के चेहरे पर कालिख पोत मोहल्ले में घुमाया, दबोचे गए मुख्य आरोपी

रांचीः जिले के सदर थाना क्षेत्र में एक महिला के चेहरे पर कालिख पोत पूरे मोहल्ले में घुमाने वाले आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. मामले को लेकर 29 मार्च को महिला ने रांची के सदर थाने में एफआईआर दर्ज करवाया था. रांची में एक महिला के साथ मारपीट और सार्वजनिक अपमान का सनसनीखेज मामला सामने आया है. पीड़िता सदर थाना क्षेत्र में एक किराए के मकान में रहती हैं. उसने आरोप लगाया है कि 29 मार्च को पंकज कुमार नामक व्यक्ति उनके घर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए जबरन उन्हें बाहर खींच लिया. आरोपियों ने उन्हें और एक अन्य महिला को न सिर्फ चप्पल का माला पहनाया, बल्कि उसके चेहरे में कालिख पोतकर मुहल्ले में घुमाया. हालांकि मामले को गंभीरता से लेते हुए सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने आरोपी पंकज कुमार सिंह उर्फ पंकज और सनताना कुमारी को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया. पीड़िता के अनुसार आरोपी पंकज रविवार को उनके घर पहुंचा था. इस दौरान उनके बेटे और परिचितों पर वाहन चोरी का आरोप लगाते हुए उनके साथ मारपीट की और उनके कपड़े भी फाड़ दिए. पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने गलत नीयत से उन्हें पकड़ने की कोशिश भी की. महिला के बयान पर सदर थाने में एफआईआर दर्ज हुई. जिसके बाद मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों एक महिला और एक पुरुष को गिरफ्तार कर लिया गया. पीड़ित महिला खूंटी जिले की रहने वाली है. महिला ने बताया कि उसके परिवार पर चोरी का आरोप लगाकर इस तरह का कृत्य किया गया है. उसे पूरे मोहल्ले में कालिख पोत कर घुमाया गया है.

गैस की किल्लत से बढ़ी चिंता, रांची में कोयले की सप्लाई दुरुस्त करने में जुटा प्रशासन

रांचीः एलपीजी सिलेंडरों की किल्लत से उत्पन्न संकट को देखते हुए रांची जिला प्रशासन ने आम जनता को राहत देने के लिए कोयले की आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करने की पहल तेज कर दी है. इसी क्रम में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय में अहम बैठक आयोजित की गई. बैठक में गैस की कमी के कारण बढ़ती कोयले की मांग और उससे आम नागरिकों, होटल-रेस्तरां व छोटे व्यापारियों को हो रही परेशानियों पर चर्चा हुई. उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि प्रशासन किसी भी हाल में जनता को असुविधा नहीं होने देगा और कोयला पर्याप्त मात्रा में, उचित मूल्य व अच्छी गुणवत्ता के साथ उपलब्ध कराया जाएगा. बैठक में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड सहित अन्य कोल कंपनियों के अधिकारियों ने आपसी समन्वय से काम करने पर सहमति जताई. साथ ही कालाबाजारी रोकने, वितरण व्यवस्था सुदृढ़ करने और जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के लिए सख्त निगरानी व कार्रवाई का भी निर्देश दिया गया.

झारखंड में मौसम ने एक बार फिर ली करवटः तेज हवा के साथ बारिश, ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी

रांचीः झारखंड में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है. मौसम विभाग के अनुसार राज्य के कई हिस्सों में तेज हवा के साथ बारिश, ओलावृष्टि और वज्रपात की संभावना है. उत्तर-पूर्वी जिलों साहिबगंज, पाकुड़, गोड्डा, दुमका, देवघर, जामताड़ा और गिरिडीह के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. इन इलाकों में 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं. राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में आंशिक बादल छाए रहने और गरज के साथ बारिश होने के आसार हैं. रांची में अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है. पिछले 24 घंटों में डालटनगंज सबसे गर्म रहा, जबकि हजारीबाग के बरही डीवीसी क्षेत्र में सर्वाधिक बारिश दर्ज की गई. मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और खराब मौसम में सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है.

टोल प्लाजा के दरों में 5 से 15 रूपये की बढ़ोतरी

रांचीः नेशनल हाईवे पर सफर करना एक अप्रैल से और महंगा हो जायेगा. आप चाहे अपनी कार से चलें या बस से टोल दरों में बढ़ोतरी का असर आप पर पड़ना निश्चित है. दरअसल, एक अप्रैल से टोल दरों में तीन से 7 प्रतिशत की वृद्धि की जा रही है. रुपये में इसका असर प्रति कार 5 से 15 रुपये का पड़ेगा. बसों या ट्रकों के लिए यह बढ़ोतरी और अधिक होगी. जानकारी के मुताबिक रांची से जमशेदपुर जाने के लिए बुंडू एदलहातू टोल प्लाजा में कार-जीप को अब 125 से 130 अधिक रुपये देने पर पड़ सकते हैं. इसी तरह ओरमांझी के पुंदाग स्थित टोल प्लाजा पर कार-जीप को 125 रुपये से अधिक देने पड़ेंगे. एनएचआई ने फास्ट टैग के वार्षिक शुल्क को भी 3000 रुपये से बढ़ा कर 3075 रुपर कर दिया है. इससे कार 200 बार टोल को पार कर सकती है. आंकड़े के मुताबिक झारखंड में कुल 22 टोल प्लाजा है. इन टोल प्लाजा से झारखंड में निबंधित 18 लाख गाड़ियां पार करती है. इस तरह झारखंड के 18 लाख लोगों पर इस टोल दर में बढ़ोतरी का असर पड़ेगा.

एयरटेल ने की नेक्स्ट्रा डेटा लिमिटेड में एक बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा

संवाददाता रांचीः भारती एयरटेल (एनएसईः भारतीएयरटेल) ("एयरटेल") ने घोषणा की है कि अल्फा वेव ग्लोबल, कार्लाइल (नैस्डैकः सीजी) और एंकरेज कैपिटल अपने सहयोगी संस्थानों के माध्यम से नेक्स्ट्रा डेटा लिमिटेड ("नेक्स्ट्रा") में एक बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश करेंगे. नेक्स्ट्रा, एयरटेल की सहायक कंपनी है जो डेटा सेंटर के कारोबार में काम करती है. इस निवेश का उद्देश्य पूरे भारत में नेक्स्ट्रा के नेटवर्क का विस्तार करना और इसकी वृद्धि को तेज करना है. इस निवेश दौर में एयरटेल भी भागीदारी करेगी. इस समझौते के तहत अल्फा वेव ग्लोबल 435 मिलियन अमेरिकी डॉलर, कार्लाइल 240 मिलियन अमेरिकी डॉलर और एंकरेज कैपिटल 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश अपने सहयोगी संस्थानों के माध्यम से करेंगे. शेष रकम का निवेश एयरटेल द्वारा किया जाएगा. निवेशकों की अंतिम हिस्सेदारी डील पूरी होने के बाद होने वाले अंतिम समायोजनों पर निर्भर करेगी. नेक्स्ट्रा में एयरटेल का नियंत्रणकारी हिस्सा बना रहेगा. यह सौदा भारत में नियामक अनुमोदनों के अधीन है. एयरटेल के एग्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन गोपाल विट्ठल ने कहा, "नेक्स्ट्रा में हमने भारत के सबसे आधुनिक और टिकाऊ डेटा सेंटर नेटवर्क में से एक बनाया है, जिसे एंटरप्राइज, हाइपरस्केलर और सरकार की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है."

साहिबगंज अवैध खनन मामले में ईडी की कारवाई

अशोक तुलसियान सहित छह के खिलाफ अभियोजन शिकायत दायर

रांचीः झारखंड के साहिबगंज में हुए खनन घोटाले में ईडी ने छह के खिलाफ अभियोजन शिकायत दायर की है. पूरा मामला साहिबगंज में बड़े पैमाने पर अवैध पत्थर खनन और पत्थर खनिजों की बिना चालान वाले परिवहन के मामले से जुड़ा हुआ है.

क्या है पूरा मामलाः ईडी के द्वारा जारी किए गए प्रेस रिलीज में बताया गया है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), रांची जोनल कार्यालय ने साहिबगंज में बड़े पैमाने पर अवैध पत्थर खनन और पत्थर खनिजों की बिना चालान वाले परिवहन के मामले की जांच के आधार पर धारा 44 और 45 के तहत पीएमएलए विशेष न्यायालय, रांची के समक्ष अभियोजन शिकायत (पीसी) दायर की है.

यह शिकायत एम/एस सीटीएस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरोपी संख्या 1), अशोक कुमार तुलस्यान, निदेशक (आरोपी संख्या 2), सिद्धार्थ तुलस्यान, एम/एस इको फ्रेंडली इंफ्रा टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड (ईएफआईटी) के निदेशक (आरोपी संख्या 3), चमन तुलस्यान, ईएफआईटी के निदेशक (आरोपी संख्या 4), पुरुषोत्तम कुमार तुलस्यान, निदेशक (आरोपी संख्या 5) और एम/एस इको फ्रेंडली इंफ्रा टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड (आरोपी संख्या 6) के खिलाफ दायर की गई है. उक्त अभियोजन शिकायत में अपराध की आय के रूप में लगभग 5.39 करोड़ रुपये के जब्ती का प्रार्थना पत्र दायर की गई है.

ईडी की जांच में पाया गया कि एम/एस सीटीएस इंडस्ट्रीज लिमिटेड तथा उसके निदेशक 2015 से साहिबगंज के मौजा जोकमारी से बड़े पैमाने पर पत्थर खनिजों का अवैध निष्कर्षण एवं परिवहन कर रहे थे. उन्होंने पिरपैंती रेलवे साइडिंग से अनिवार्य जिम्स परिवहन चालान के बिना 251 रेल रेक भेजे, जिससे लगभग 11.29 करोड़ रुपये (पत्थर चिप्स) तथा 5.94 करोड़ रुपये (बोल्डर) के रॉयल्टी का चयन किया गया.

रेलवे अधिकारियों सहित लोक सेवकों को रिश्वत देकर इस अवैध खनिजो को भेजने की सुविधा जुटाई गई और अपराध की आय को उसके बाद गैर-मौजूद फर्मों जैसे एम/एस डीएस बिटुमिक्स तथा एम/एस करण इंटरनेशनल—के फर्जी इनवॉइस के माध्यम से लेयर किया गया, जिनके खातों में एम/एस सीटीएस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के खातों से कुल लगभग 4.87 करोड़ रुपये के भुगतान भेजे गए, ताकि इसे अकिंचित संपत्ति के रूप में प्रस्तुत किया जा सके.

ईडी ने की छापेमारीः जांच के दौरान 24.10.2024 को पीएमएलए 2002 की धारा 17 के तहत साहिबगंज के जोकमारी में एम/एस सीटीएस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के परिसर पर तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें भ्रष्टाचारी रिकॉर्ड, दस्तावेज तथा डिजिटल उपकरण जब्त किए गए. जब्त सामग्री को रखने के लिए मूल आवेदन को पीएमएलए अधिकरण ने 04.04.2025 के आदेश से पुष्टि की.

आरोपी निदेशकों तथा रेलवे अधिकारी तथा साहिबगंज के जिला खनन पदाधिकारियों के गवाहों पर पीएमएलए 2002 की धारा 50 के तहत दर्ज किए गए. मामले की जांच आगे भी जारी है.

सीबीआई द्वारा दर्ज की गई थी एफआईआर

ईडी की जांच सीबीआई द्वारा पिरपैंती रेलवे साइडिंग, भागलपुर, बिहार पर अज्ञात रेलवे अधिकारियों तथा एम/एस सीटीएस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के खिलाफ आईपीसी 1860 की विभिन्न धाराओं तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत दर्ज प्राथमिकी के आधार पर आरंभ की गई थी. इस ईसीआईआर में पिरपैंती थाना, बिहार तथा मिर्जा चौकी थाना, साहिबगंज, झारखंड की तीन अतिरिक्त प्राथमिकियां विलय कर दी गईं.

फर्जी बम धमकी मामला

गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ करेगी रिमांड पर रांची पुलिस

रांचीः फर्जी बम धमकी मामले में कार्रवाई तेज हो गई है. इस मामले में दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया है. अब रांची पुलिस उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ की तैयारी में है. रांची एसएसपी राकेश रंजन ने बताया कि जल्द ही आरोपी को रिमांड पर लेकर उससे गहन पूछताछ की जाएगी. पूछताछ के दौरान पूरे नेटवर्क, इस्तेमाल किए गए माध्यम और घटना के पीछे की मंशा की विस्तृत जानकारी जुटाई जाएगी. यह भी पता लगाया जाएगा कि कही इस मामले में झारखंड या रांची से कोई कनेक्शन तो नहीं है. पुलिस के अनुसार, आरोपी ने बम की झूठी धमकी देकर सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया था, जिससे कई स्थानों पर जांच अभियान चलाना पड़ा. हालांकि जांच में कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली थी. एसएसपी ने कहा कि इस तरह की फर्जी धमकियां देना गंभीर अपराध है और इससे आम लोगों में दहशत का माहौल बनता है. पुलिस ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई कर रही है और आगे भी अभियान जारी रहेगा. फिलहाल मामले की जांच जारी है और पूछताछ के बाद और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है.

रांची पुलिस ने 500 किलोग्राम डोडा किया बरामद, दो लाख से अधिक नगद जब्त

रांचीः रांची पुलिस ने नामकुम इलाके से 500 किलो ग्राम डोडा बरामद किया है. इसके अलावे दो लाख से अधिक नगद जब्त किया गया है. इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है. पुलिस को जानकारी मिली थी कि एक व्यक्ति अपने घर में भारी मात्रा में डोडा छुपाकर रखा हुआ है. सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी की, जहां से यह बड़ी खेप बरामद की गई.

गिरफ्तार आरोपी का नाम मनीष तिर्की है. यह अफीम और डोडा का कारोबार कर रहा था. मनीष तिर्की अपने घर से यह कारोबार कर रहा था. पुलिस ने घर से विभिन्न रंग के प्लास्टिक के बोरों में रखा 31 बोरा डोडा, प्लास्टिक में पैक किया हुआ 700 ग्राम अफीम जब्त किया.

छापेमारी में जब्त डोडा का अनुमानित मूल्य 84 लाख 97 हजार पांच सौ रूपया है. वहीं जब्त अफीम का अनुमानित मूल्य तीन लाख पचास हजार रूपया है. वहीं पुलिस ने 2 लाख 28 हजार रुपए नगद बरामद किया है.

पलामू में 215 किलो डोडा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

पलामू : पलामू पुलिस नशा कारोबारियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है. इसी कड़ी में मनातू थाना क्षेत्र में छापेमारी कर 215 किलो से अधिक डोडा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है. जानकारी के अनुसार, पलामू एसपी रीष्मा रमेशन को गुप्त सूचना मिली थी कि भारी मात्रा में डोडा तस्करी के लिए ले जाया जा रहा है. सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मनातू क्षेत्र में छापेमारी की और भारी मात्रा में डोडा बरामद किया. पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया. गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है. शुरुआती पूछताछ में कई अहम सुराग पुलिस के हाथ लगे हैं, जिनके आधार पर इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है. इस मामले में पलामू पुलिस जल्द प्रेस वार्ता कर जानकारी देगी.

धनबाद में डकैतों का तांडव, बच्चों को बंधक बनाकर 20 लाख की लूट

धनबादः अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब वे घर में घुसकर बच्चों तक को बंधक बनाने से नहीं हिचक रहे. बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के मिश्रीडीह मोड़ में बीती रात डकैतों ने ऐसे वारदात को अंजाम दिया, जिसने पूरे इलाके की नींद उड़ा दी है. आर्मी रिटायर्ड हवलदार कैलाश प्रसाद मिश्रा के घर पर करीब दस की संख्या में नकाबपोश बदमाशों ने धावा बोला.

अपराधियों ने सबसे पहले घर के बच्चों को अपने कब्जे में ले लिया. इसके बाद डकैतों ने करीब साढ़े तीन लाख रुपये नकद और लगभग बीस लाख रुपये के गहनों पर हाथ साफ कर दिया. वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाशों ने सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए और डीवीआर लेकर फरार हो गए, ताकि पुलिस के हाथ कोई सुराग न लग सके.

घर के मालिक कैलाश प्रसाद मिश्रा का कहना है कि वे रात में खाना खाने के बाद छत पर सोने चले गए थे. आशंका जताई जा रही है कि अपराधियों ने किसी नशीले पदार्थ का इस्तेमाल किया, जिससे उन्हें भनक तक नहीं लगी. परिजनों ने रात 2 बजे ही पुलिस को खबर दी, लेकिन टीम करीब साढ़े चार बजे मौके पर पहुंची. फिलहाल पुलिस जांच की बात कह रही है, लेकिन इस घटना ने इलाके में सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.

वहीं, थाना प्रभारी रवि कुमार ने कहा कि मामले की जांच पड़ताल चल रही है. घर के लोगों से पूछताछ की जा रही है. कितने की संपत्ति की लूट हुई है, यह आवेदन के बाद ही साफ हो सकेगा. फिलहाल आवेदन नहीं मिला है.

झारखंड मलेरिया नियंत्रण अभियान तेज, डीडीटी छिड़काव पर 3.19 करोड़ खर्च करेगी राज्य सरकार

रांचीः झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम के तहत डी.डी.टी. छिड़काव के लिए 3,19,79,271 रुपये की राशि आवंटित की है. इस कदम का उद्देश्य राज्य में मलेरिया के प्रसार को रोकना और नियंत्रण को मजबूत करना है.

कुल स्वीकृत राशि में से 3,16,16,271 रुपये छिड़काव कार्य में लगे मजदूरों की मजदूरी पर खर्च किए जाएंगे. वहीं 3,63,000 रुपये परिवहन यानी गाड़ियों और ईंधन के लिए निर्धारित किए गए हैं.

यह राशि राज्य के कई जिलों में खर्च की जाएगी. इनमें पूर्वी सिंहभूम, रांची, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, खूंटी, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, लातेहार और गढ़वा शामिल हैं. इन जिलों में मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में डी.डी.टी. का छिड़काव किया जाएगा.

सरकार ने भुगतान प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए निर्देश दिया है कि मजदूरों को मजदूरी का भुगतान केवल उनके बैंक खातों में ही किया जाए. किसी भी स्थिति में नकद भुगतान या अवैध खर्च की अनुमति नहीं होगी.

झारखंड के 172 हवलदारों को मिली एसआई रैंक में प्रोन्नति

रांचीः राज्य पुलिस के 172 हवलदारों को एसआई रैंक में प्रोन्नति दी गई है. पुलिस मुख्यालय ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है. जारी आदेश के मुताबिक, 172 में से 135 पदों पर जनरल कैटेगरी के, 14 पदों पर अनुसूचित जाति के और 44 पदों पर अनुसूचित जनजाति के हवलदारों को प्रोन्नति दी गई है. उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों प्रोन्नति समिति की बैठक हुई थी. बैठक में आईजी क्रांति कुमार गड़देशी, पटेल मयूर कन्हैयालाल, मनोज रतन चौथे और सुरेंद्र कुमार झा शामिल थे. बैठक में योग्य हवलदारों को प्रोन्नति देने का फैसला लिया गया.

चाईबासा में जंगली हाथी का आंतक : महिला की हुईं मौत, बुजुर्ग घायल, दहशत का माहौल

चाईबासा : सदर प्रखंड के बड़ाकुंडिया पंचायत अंतर्गत तुरामडीह गांव में जंगली हाथी के हमले से एक महिला की मौत हो गई. जबकि एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया. मृतका की पहचान चांदू कुई के रूप में की गई है. घटना के बाद पूरे इलाके में भय और दहशत का माहौल है.

जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह महिला अपने घर के पास खुले मैदान में बनी झोपड़ी के पास खड़ी थी, तभी अचानक एक जंगली हाथी वहां आ पहुंचा. जब तक महिला कुछ समझ पाती, हाथी ने उस पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई.

घटना के दौरान पास में मौजूद एक बुजुर्ग ने किसी तरह झोपड़ी में छिपकर अपनी जान बचाई. लेकिन हमले में वह भी गंभीर रूप से घायल हो गया. उसे इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है.

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से इलाके में हाथियों की आवाजाही बढ़ गई है, जिससे लोग दहशत में जीने को मजबूर हैं. ग्रामीणों ने वन विभाग से जल्द ठोस कार्रवाई और सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है.

इधर घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया. विभाग की ओर से लोगों को सतर्क रहने और हाथियों से दूरी बनाए रखने की अपील की गई है. इस घटना के बाद गांव में मातम पसरा है और लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं.

झारखंड में जंगली हाथियों से बढ़ता मानव–वन्यजीव संघर्ष

झारखंड में जंगली हाथियों के हमलों से होने वाली मौतें लगातार चिंता का विषय बनती जा रही हैं। वन क्षेत्रों से सटे गांवों में हाथियों का प्रवेश आम हो गया है, जिससे जान-माल का नुकसान हो रहा है। जंगलों के सिकुड़ने, हाथी कॉरिडोर के अवरुद्ध होने और भोजन-पानी की कमी के कारण हाथी आबादी वाले इलाकों की ओर बढ़ रहे हैं। कई मामलों में रात के समय खेतों या घरों के पास हाथियों के आने से ग्रामीणों की जान चली गई। इस समस्या से निपटने के लिए प्रभावी वन प्रबंधन, हाथी कॉरिडोर की सुरक्षा और स्थानीय लोगों में जागरूकता बेहद जरूरी है।

रांची एयरपोर्ट के सामने मिला दुर्लभ 'रेड सैंड बोआ', रेस्क्यू कर भेजा गया जू

रांचीः राजधानी रांची में एक दुर्लभ प्रजाति के सांप 'रेड सैंड बोआ' का सफल रेस्क्यू किया गया. यह रेस्क्यू सोमवार रात करीब 9 बजे रांची एयरपोर्ट के सामने किया गया. जहां स्थानीय लोगों की नजर इस सांप पर पड़ी. सांप को देखकर इलाके में हलचल मच गई, जिसके बाद तुरंत स्नेक कैचर को सूचना दी गई.

सूचना मिलते ही स्नेक कैचेर मौके पर पहुंचे और सावधानीपूर्वक इस दुर्लभ सांप को रेस्क्यू किया. रेस्क्यू के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि न तो सांप को कोई नुकसान पहुंचे और न ही आसपास मौजूद लोगों को किसी तरह का खतरा हो. सफलतापूर्वक पकड़ने के बाद सांप को सुरक्षित रूप से जू भेज दिया गया, जहां विशेषज्ञ उसकी निगरानी करेंगे.

बताया जाता है कि 'रेड सैंड बोआ' एक दुर्लभ प्रजाति का सांप है, जो मुख्य रूप से राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों और उत्तर प्रदेश-राजस्थान बॉर्डर क्षेत्र में पाया जाता है. हालांकि देश के अन्य हिस्सों में भी यह कभी-कभार नजर आ जाता है लेकिन इनकी संख्या बेहद सीमित मानी जाती है.

यह सांप पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है. यह मुख्य रूप से छोटे जीवों जैसे चूहे, छिपकली और अन्य छोटे जीवों को खाता है, जिससे इनकी आबादी नियंत्रित रहती है. विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसे सांप पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं और इन्हें नुकसान पहुंचाना पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकता है.

स्नेक कैचर रमेश ने बताया कि यह सांप काफी दुर्लभ होता है और आमतौर पर इस क्षेत्र में देखने को नहीं मिलता. लोगों को इसे देखकर घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह सामान्यतः आक्रामक नहीं होता. सबसे जरूरी बात यह है कि ऐसे वन्यजीवों को नुकसान न पहुंचाया जाए और तुरंत विशेषज्ञों को सूचना दी जाए.

उन्होंने आगे कहा कि कई बार लोग अज्ञानता में ऐसे सांपों को मार देते हैं या पकड़ने की कोशिश करते हैं, जो न सिर्फ खतरनाक हो सकता है बल्कि कानूनन भी अपराध है। ऐसे मामलों में जागरूकता बेहद जरूरी है. बता दें कि 'रेड सैंड बोआ' को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत संरक्षित किया गया है. इस प्रजाति को पकड़ना, इसका शिकार करना या इसकी तस्करी करना गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है. इसके बावजूद इसकी दुर्लभता के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी मांग होने की वजह से तस्करी के मामले सामने आते रहते हैं.

फिलहाल, रांची में इस दुर्लभ सांप का सुरक्षित रेस्क्यू होना न सिर्फ वन्यजीव संरक्षण के लिहाज से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह भी दिखाता है कि समय रहते सूचना और सही कार्रवाई से किसी भी स्थिति को संभाला जा सकता है.

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/2013/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।